रायपुर। सोमवार, 26 अक्टूबर, 2026
कृष्ण पक्ष प्रतिपदा, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 84/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल फीफा अंडर-15 वर्ल्ड कप: भारत ने दर्ज की लगातार दूसरी जीत...
@ विचार आदिकवि वाल्मीकि और लोकजीवन में रामकथा
@ व्यापार मार्केट आउटलुक : फेड बैठक, तिमाही नतीजों और...

बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवाती तूफान

28 अक्टूबर को आंध्र तट से टकराएगा



एजेंसी ■ पुडुचेरी

बंगाल की खाड़ी में बना लो प्रेशर एरिया रविवार को चक्रवाती तूफान में बदल गया है। इसे अर्नब नाम दिया गया है। इसके असर से ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी में भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, चक्रवाती तूफान 28 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश के तट से टकरा सकता है। इस दौरान हवा की रफ्तार 115 से 125 किमी प्रति घंटा तक पहुंचने का अनुमान है। आंध्र प्रदेश में 26 से 29 अक्टूबर तक भारी बारिश का अनुमान है। ओडिशा के गंजाम, गजपति, रायगढ़ा, कोरापुट और मलकानगिरी जिले में 28 और 29 अक्टूबर को सभी स्कूल-कॉलेज और आंगनवाड़ी केंद्र बंद करने के आदेश दिए गए हैं। पुडुचेरी में शनिवार रात से लगातार बारिश हो रही है। वहीं, तमिलनाडु में भारी बारिश के बीच इरोड जिले में रविवार को कोडिवेरी बांध पर लगातार दूसरे दिन पर्यटकों की एंट्री बंद रही। केरल में भी भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित है। मलप्पुरम, कोझिकोड और वायनाड में रेड अलर्ट है। इन जिलों में शैक्षणिक संस्थानों और पर्यटन स्थलों को बंद रखने के आदेश दिए गए हैं।

विष्णु देव साय और स्मृति ईरानी ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सुनी 'मन की बात'

नारीशक्ति और 'वोकल फॉर लोकल' के प्रयासों को सराहा

विशेष संवाददाता ■ रायपुर





मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को रायपुर ग्रामीण जिले के अभनपुर विधानसभा क्षेत्र स्थित अग्रवाल भवन में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, सिद्धार्थ शंभू और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 139वीं कड़ी का श्रवण किया। इस दौरान जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने हैंडलूम के क्षेत्र में नारीशक्ति के योगदान, स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और जनभागीदारी से हो रहे सकारात्मक बदलावों की प्रेरक कहानियां साझा कीं। बिहार के मखाने का ग्रीस तक पहुंचना 'वोकल फॉर लोकल' अभियान की सफलता का उदाहरण बताया गया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 'मन की बात' को देश के कोने-कोने में हो रहे सकारात्मक कार्यों और आम नागरिकों के असाधारण प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने का सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रेरक प्रसंग लोगों को समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

कार्यक्रम के 12 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी गई। इस अवसर पर स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी के माध्यम से विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

अरुणाचल में सेना को लेकर पाकिस्तान का दुष्प्रचार बेनकाब

भारतीय सेना ने अरुणाचल में चीनी सैनिकों द्वारा जवानों की तलाशी के दावे को फर्जी बताया

एजेंसी ■ नई दिल्ली



भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश में चीनी सैनिकों द्वारा भारतीय जवानों की तलाशी लेने के दावे को फर्जी बताया है। सेना के अनुसार, पाकिस्तान से जुड़े कुछ सोशल मीडिया हैंडल पुराने वीडियो को गलत संदर्भ में प्रसारित कर रहे हैं। सेना की फैक्ट चेक टीम ने स्पष्ट किया कि वायरल वीडियो अरुणाचल प्रदेश का नहीं, बल्कि कर्नाटक के बेंगलुरु में मई 2026 में हुए आतंकवाद विरोधी अभ्यास का है। वीडियो के जरिए यह झूठा दावा किया जा रहा है कि भारतीय जवानों को अरुणाचल में आवाजाही के लिए चीनी सेना से अनुमति लेनी पड़ती है।

सेना ने लोगों से अपील की है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमावर्ती क्षेत्रों से जुड़ी खबरें साझा करने से पहले उनकी सत्यता जांचें। अपुष्ट वीडियो और दावों को आगे प्रसारित करने से बचें।

खबर झरोखा

डेटा सेंटर डिजिटल युग की सबसे बड़ी ताकत : सीतारमण



भुवनेश्वर। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को ओडिशा के खोरधा में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नए ग्रीनफील्ड डेटा सेंटर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि डेटा सेंटर डिजिटल युग की सबसे बड़ी ताकत हैं और देश के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। सीतारमण ने बताया कि आरबीआई के इस केंद्र में आरटीजीएस और एनईएफटी जैसी महत्वपूर्ण भुगतान प्रणालियां संचालित होंगी। यहां साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा सेंटर तकनीक में विशेषज्ञता विकसित करने पर भी जोर दिया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत अब तक 59 करोड़ खाते खोले गए हैं, जबकि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत छोटे उद्यमों को 43 लाख करोड़ रुपये के 60 करोड़ ऋण दिए गए हैं। उन्होंने यूपीआई की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश में हर महीने करीब 2,400 करोड़ डिजिटल लेनदेन हो रहे हैं।

गंगा के ऊपर गरजे राफेल, सुखोई और तेजस

नमो घाट पर 'विंग्स ओवर गंगा' में राफेल, सुखोई और तेजस ने दिखाए हवाई करतब, राजनाथ सिंह ने बताया वायुसेना के शौर्य और शक्ति का प्रतीक



एजेंसी ■ वाराणसी

भारतीय वायुसेना के 94 गौरवशाली वर्षों के उपलक्ष्य में रविवार को वाराणसी के नमो घाट पर 'विंग्स ओवर गंगा' हवाई प्रदर्शन आयोजित किया गया। इसमें राफेल, सुखोई और स्वदेशी तेजस जैसे लड़ाकू विमानों ने गंगा के ऊपर रोमांचक हवाई करतब दिखाए। विमानों की तेज उड़ान, सटीक नियंत्रण और पायलटों के असाधारण कौशल ने दर्शकों को रोमांचित किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस आयोजन को भारतीय वायुसेना के शौर्य और शक्ति का उत्सव बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वाराणसी में स्वागत करते हुए कहा कि काशी भारतीय वायुसेना के पराक्रम को देखने के लिए तैयार है।

प्रदर्शन में विमानों और हेलीकॉप्टरों ने अपनी उड़ान क्षमता तथा तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया। आयोजन में काशी की सांस्कृतिक विरासत और वायुसेना के पराक्रम का अनूठा संगम देखने को मिला। इस प्रदर्शन ने देश की हवाई सुरक्षा और वायुसेना की पेशेवर क्षमता को प्रदर्शित किया।

खड़गे की टिप्पणी पर शाह और नितिन नबीन का हमला

एजेंसी ■ पटना



कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर कथित अभद्र टिप्पणी पर भाजपा ने तीखा हमला बोला है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने बयान की आलोचना करते हुए कांग्रेस पर राजनीतिक मर्यादाएं तोड़ने का आरोप लगाया।

अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि खड़गे की टिप्पणी ने राजनीतिक मर्यादाओं को तार-तार कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस लगातार प्रधानमंत्री और उनके परिवार को निशाना बना रही है।

वहीं, नितिन नबीन ने कहा कि राजनीतिक विरोध की भी गरिमा होती है और सार्वजनिक मंच से अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल कांग्रेस की सोच को दर्शाता है।

दरअसल, पटना में डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के कार्यक्रम में एक युवक की टिप्पणी के बाद खड़गे के बयान पर विवाद हुआ। इस दौरान हंगामा और युवक के साथ हाथापाई भी हुई। घटना के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर हमले तेज कर दिए हैं।

भारत के लिए कूटनीति का अहम सप्ताह

ब्रिक्स फोरम, लिकटेंस्टीन के राजकुमार की यात्रा और ऑस्ट्रेलिया के साथ सैन्य अभ्यास पर नजर



एजेंसी ■ वाशिंगटन

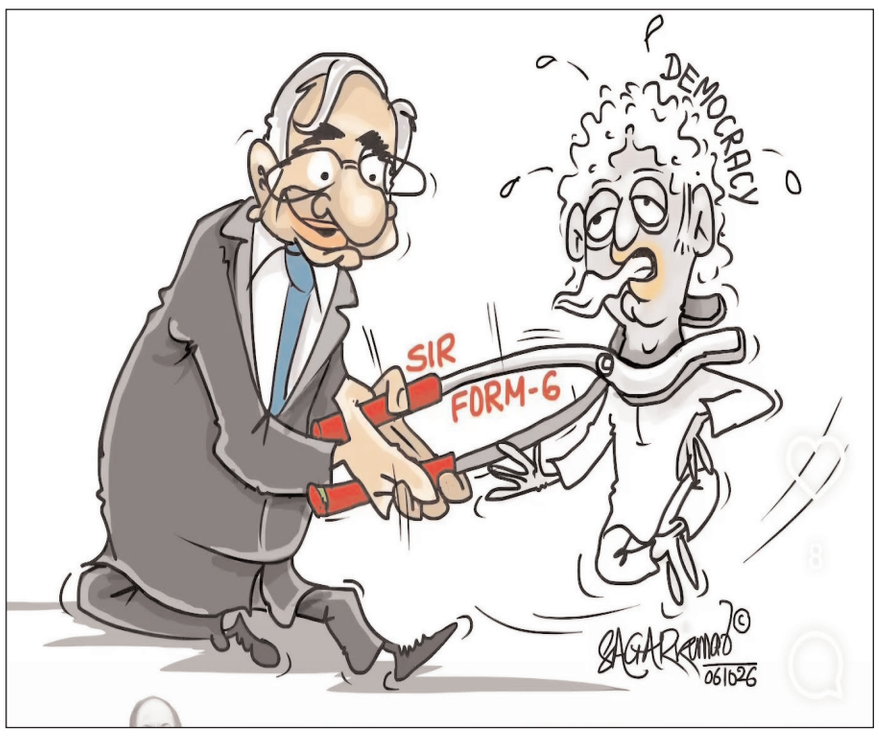
भारत के लिए आगामी सप्ताह कूटनीतिक और रक्षा सहयोग के लिहाज से महत्वपूर्ण रहेगा। 26-27 अक्टूबर को नई दिल्ली में 12वें ब्रिक्स संसदीय फोरम का आयोजन होगा। वहीं, लिकटेंस्टीन के राजकुमार एलोइस 28 अक्टूबर तक भारत की राजकीय यात्रा पर रहेंगे।

इस दौरान भारत और ऑस्ट्रेलिया की सेनाएं केरल में संयुक्त सैन्य अभ्यास 'ऑस्ट्राहिंद 2026' में हिस्सा ले रही हैं। यह अभ्यास 1 नवंबर तक चलेगा।

इसमें दोनों देशों के करीब 240 सैन्यकर्मी भाग ले रहे हैं। इन गतिविधियों से भारत के अंतरराष्ट्रीय संबंधों, संसदीय सहयोग और रक्षा साझेदारी को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

मोदी पर विवादित टिप्पणी, खड़गे के कार्यक्रम में बवाल

पीएम मोदी पर टिप्पणी के बाद विवाद, संबोधन के दौरान हुई हाथापाई



एजेंसी ■ पटना

बिहार की राजधानी पटना में रविवार को बिहार के पहले मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उस समय हंगामा हो गया, जब खुद को कांग्रेसी बताने वाले एक युवक ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर टिप्पणी की। युवक ने कथित तौर पर कहा कि इस तरह की लड़ाई से पीएम मोदी नहीं जाने वाले। इस पर खड़गे ने पीएम मोदी को लेकर अपशब्द बोल दिए, जिस पर हंगामा हो गया। साथ ही, कुछ लोगों ने युवक के साथ हाथापाई भी की।

बताया जा रहा है कि युवक छपरा का रहने वाला है। वह खड़गे को यह समझाने की कोशिश कर रहा था कि इस तरह की राजनीतिक लड़ाई से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ता से नहीं हटाया जा सकेगा। इसी दौरान दोनों के बीच हुई बातचीत को लेकर कार्यक्रम में हंगामे की स्थिति बन गई। इस कार्यक्रम में खड़गे ने चुनाव प्रक्रिया, ईवीएम, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की विचारधारा को लेकर भी अपनी बात रखी।

कांग्रेस अध्यक्ष ने मांग की कि देश में सभी चुनाव बैलेट पेपर के माध्यम से कराए जाएं और एसआईआर की प्रक्रिया तत्काल रोकी जाए। उन्होंने पिछले दो वर्षों में हुए विधानसभा चुनावों को रद्द करने की मांग भी उठाई। खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान पर भी सवाल उठाए, जिसमें उन्होंने अगले 30 वर्षों तक अपनी सरकार के बने रहने की बात कही थी। खड़गे ने कहा, 'अगले 30 साल तक कौन बचेगा या रहेगा, यह किसने देखा है? वे ऐसा लोगों को भ्रमित करने के लिए कहते हैं। उनके पास ईवीएम है। जब तक अपने चेलों को उन्होंने वहां पर बैठाया है, उसी आधार पर वे ऐसा बयान देते हैं। उन्हीं के लोगों ने कहा है कि सीईसी में घपला है।'



डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में खड़गे ने आधुनिक बिहार के निर्माण में उनके योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि बिहार केसरी डॉ. श्रीकृष्ण सिंह लोकतंत्र को मजबूत करने वाले नेताओं में शामिल थे। उन्होंने कमजोर वर्गों को आगे बढ़ाने और जमींदारी प्रथा समाप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

खड़गे ने कहा कि श्रीकृष्ण सिंह ने कृषि विकास, औद्योगिक प्रगति, शिक्षा और सिंचाई जैसी सुविधाओं के विस्तार के लिए संस्थानों के निर्माण में अहम योगदान दिया। उनके मुख्यमंत्री काल में जमींदारी उन्मूलन, भूमि सुधार और चकबंदी से जुड़े कार्य किए गए। इसके अलावा बरौनी तेल रिफाइनरी, खाद कारखाने, थर्मल पावर प्लांट और राजेंद्र पुल जैसी परियोजनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 1916 में चंपारण आंदोलन के दौरान श्रीकृष्ण सिंह की महात्मा गांधी से मुलाकात हुई थी। गांधीजी के प्रभाव में उन्होंने अपनी स्थापित वकालत छोड़कर स्वतंत्रता आंदोलन में हिस्सा लिया और आंदोलन के दौरान आठ वर्ष से अधिक समय जेल में बिताया।

खड़गे ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया और जेल गए, वहीं आरएसएस के लोग अंग्रेजी हुकूमत के एजेंट बनकर मुखबिरी करते थे। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग देशभक्त नहीं हो सकते।

रायपुर पहुंचीं भाजपा प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी, कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में हुआ जोरदार स्वागत

विश्व केसरी■



रायपुर (संवाददाता)। रायपुरः छत्तीसगढ़ बीजेपी की प्रदेश प्रभारी बनाए जाने के बाद पहली बार स्मृति ईरानी रायपुर पहुंचीं हैं। छत्तीसगढ़ बीजेपी प्रभारी का रायपुर एयरपोर्ट पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। एयरपोर्ट से स्मृति ईरानी सीधे भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर पहुंचीं, जहां भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भी स्मृति ईरानी का स्वागत किया, इस दौरान स्मृति ईरानी ने पार्टी नेताओं और पदाधिकारियों से मुलाकात कर सियासी हालात की जानकारी ली।

स्मृति ईरानी के पहले छत्तीसगढ़ प्रवास को लेकर संगठन में काफी उत्साह है। 2 दिवसीय दौरे के दौरान स्मृति ईरानी प्रदेश संगठन, जनप्रतिनिधियों, पार्टी के पूर्व पदाधिकारियों और विचार परिवार के प्रतिनिधियों के साथ विभिन्न बैठकों में शामिल होंगी।

स्मृति ईरानी का 2 दिवसीय दौरा

भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी अपने दो दिवसीय प्रवास पर रायपुर पहुंचीं। उनके इस दौरे को प्रदेश संगठन के साथ परिचय, संवाद और संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में हुआ स्वागत

एयरपोर्ट से कुशाभाऊ ठाकरे परिसर पहुंचने पर स्मृति ईरानी का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने स्वागत किया. इस दौरान प्रदेश संगठन के नेताओं और पदाधिकारियों ने उनसे मुलाकात की. स्मृति ईरानी ने भी पार्टी के पदाधिकारियों से मुलाकात कर संवाद किया. प्रदेश प्रभारी के रूप में उनके पहले दौरे के चलते प्रदेश भाजपा के संगठनात्मक कामकाज और आगामी गतिविधियों को लेकर इस प्रवास को अहम माना जा रहा है। कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में स्वागत और मुलाकात के बाद उनके निर्धारित संगठनात्मक कार्यक्रमों पर सबकी नजर हैं. दौरे के दौरान प्रदेश संगठन के अलग-अलग स्तरों पर काम कर रहे नेताओं के साथ चर्चा का कार्यक्रम तय है।

भव्य स्वागत रैली के बजाय सादगीपूर्ण स्वागत

स्मृति ईरानी के प्रथम छत्तीसगढ़ आगमन पर राजधानी रायपुर में एयरपोर्ट से लेकर शहर की प्रमुख सड़कों तक भव्य स्वागत रैली निकालने की तैयारी की गई थी। हालांकि, प्रस्तावित भव्य रैली के बजाय उनके स्वागत कार्यक्रम को सादगीपूर्ण रखा गया। एयरपोर्ट पर स्वागत के बाद वह सीधे भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचीं, जहां पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

राजवाड़े ने किया आंगनबाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण



विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने जिला बस्तर के दरभा विकासखंड के ग्राम कोटमसर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पेदावाड़ा मांझीपाल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा नन्हें बच्चों से आत्मीय मुलाकात कर उनसे बातचीत की।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने किया आंगनबाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान मंत्री राजवाड़े ने बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और बेहतर देखभाल के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को सुरक्षित और स्नेहपूर्ण वातावरण के साथ जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उनके समुचित पोषण और विकास को सुनिश्चित किया जा सके। मंत्री ने केंद्र की व्यवस्थाओं को बच्चों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक देखभाल की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। यहां बच्चों को बेहतर सुविधाएं और आत्मीय वातावरण मिले, इसके लिए सतत निगरानी और संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाना चाहिए।

पंडरी कपड़ा मार्केट में लगी आग, पुलिस और अग्निशमन दल मौके पर

विश्व केसरी■



रायपुर (संवाददाता)। रायपुर के पंडरी कपड़ा मार्केट की एक दुकान में भीषण आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर दमकल की गाड़ियां और पुलिस की टीम पहुंची है। एहतियातन के तौर पर आसपास के कई दुकानों को पुलिस ने बंद करवा दिया है। साथ ही लोगों से सावधानी बरतने की भी अपील की है। फिलहाल, आग बुझाने का काम जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिटी सेंटर मॉल के पीछे स्थित होम डेकोरेशन की दुकान में आज दोपहर आग लग गई। आग दुकान के चौथे माले पर लगी। आगजनी की सूचना जैसे ही दुकान में मौजूद कर्मचारियों को हुई तो अफरा-तफरी मच गई। कर्मचारी तत्काल बाहर निकले और इसकी जानकारी पुलिस व दमकल की टीम को दी। मौके पर स्थानीय पुलिस और अग्निशमन दल की गाड़ियां पहुंची है। बता दें कि आज रविवार और दीपावली का त्योहार नजदीक होने की वजह से पंडरी की दुकानों में ग्राहकों की जबरदस्त भीड़ है। इसी बीच अचानक डेकोरेशन की दुकान के चौथे माले में अचानक धुआँ उठने लगा। देखते ही देखते आग भीषण हो गई और आसपास मौजूद ग्राहकों में हड़कंप मच गया।

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर फायर बिग्रेड की गाड़ियां पहुंची और आग बुझाने का काम जारी है। पुलिस की टीम ने एतियातन के तौर पर आसपास की दुकानों में मौजूद ग्राहकों को बाहर निकाल कर दुकानों को बंद करवा दिया है। फिलहाल मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस व लोगों का जमावड़ा है। वहीं, फायर बिग्रेड की टीम युद्ध स्तर पर आग बुझाने में जुटी हुई है।

चक्रवाती तूफान के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में भारी बारिश की संभावना, किसानों को सतर्क रहने की सलाह

विश्व केसरी■



रायपुर (संवाददाता)। बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवाती तूफान के प्रभाव से छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में आगामी दिनों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इसे देखते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर ने किसानों के लिए मौसम आधारित कृषि सलाह जारी की है। विश्वविद्यालय ने किसानों से फसलों को संभावित नुकसान से बचाने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने और कृषि कार्यों में मौसम के अनुरूप बदलाव करने की अपील की है।

चक्रवाती तूफान के मद्देनजर किसान कल्याण मंत्री श्री राम विचार नेताम और कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने किसान के हित में आवश्यक सहयोग के लिए विभाग अधिकारी कर्मचारी सहित मैदानी अमले को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं।

बता दें कि भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त पूर्वानुमान के अनुसार दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना दबाव का क्षेत्र अगले कुछ घंटों में चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। इस दौरान हवा की गति 115 से 140 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। चक्रवात के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में 25 अक्टूबर से वर्षा की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। विशेष रूप से 28 एवं 29 अक्टूबर को प्रदेश के कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना जताई गई है।

मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 25 अक्टूबर को बस्तर संभाग के बस्तर, दंतेवाड़ा और सुकमा जिलों में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा तथा अन्य जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है। इसके अलावा रायपुर, गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद, दुर्ग और राजनांदगांव सहित अन्य जिलों में भी भारी बारिश हो सकती है।

संविद 2026 में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेल और वैश्विक विमर्श का संगम

विश्व केसरी■



भिलाई । श्री शंकराचार्य संस्थान, भिलाई में आयोजित संविद 2026 के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेलकूद प्रतियोगिताओं और बौद्धिक विमर्श ने युवाओं में उत्साह भर दिया। एल'अवेनिर न्यू जनरेशन समिट 2026 के तहत आयोजित मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एमयूएन) में 200 से अधिक प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की। महासचिव नारायणी मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित सम्मेलन में छह समितियों के माध्यम से संवैधानिक अधिकार, पर्यावरण संरक्षण, मानसिक स्वास्थ्य, डिजिटल नैतिकता और महिला सुरक्षा जैसे विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, संगीत, नृत्य और खेल प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। रॉयटर्स इंटरनेशनल प्रेस कॉर्प्स के तहत प्रतिभागियों ने छायांकन, वीडियो निर्माण और पत्रकारिता का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। शाम को डीजे अमीन जैज़ की प्रस्तुति ने युवाओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में डॉ. जया मिश्रा, डॉ. स्मिता सेलट सहित संस्थान के अधिकारी, प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी, रायपुर में उत्साह एवं खेल भावना के साथ 'स्पोर्ट्स फिएस्टा 2026' का भव्य आयोजन

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी (KVGU), रायपुर में 22 से 24 अक्टूबर 2026 तक 'स्पोर्ट्स फिएस्टा 2026' का भव्य आयोजन किया गया। इस तीन दिवसीय खेल महोत्सव में स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, स्कूल ऑफ फार्मेसी, स्कूल ऑफ साइंस एंड कंप्यूटिंग तथा स्कूल ऑफ एजुकेशन के विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह के साथ भाग लिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में शारीरिक स्वास्थ्य, टीम भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित करना था।

स्पोर्ट्स फिएस्टा ने विद्यार्थियों को अपनी खेल प्रतिभा और ऊर्जा का प्रदर्शन करने का एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया। विभिन्न खेल गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं के दौरान विद्यार्थियों ने समर्पण, दृढ़ संकल्प, आपसी समन्वय और उच्च कोटि की खेल भावना का परिचय दिया। पूरे विश्वविद्यालय परिसर में ऊर्जा, उमंग और उत्साह का अभूतपूर्व वातावरण देखने को मिला। इस आयोजन ने विद्यार्थियों को शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने तथा खेलों को अपने शैक्षणिक एवं व्यक्तिगत जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया।

इस आयोजन के उद्घाटन एवं समापन समारोह में विश्वविद्यालय के गरिमामयी पदाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इनमें प्रो. वाई. नरसिम्हुल्लू (कुलपति, कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी), डॉ. रितेश कुमार देवांगन (कुलसचिव), डॉ. सीमा अग्रवाल (निदेशक, IQAC) तथा डॉ. संदीप कुमार सोनकर (परीक्षा नियंत्रक) शामिल थे। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई और विद्यार्थियों को खेलकूद एवं पाठ्येतर गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

विद्यार्थी जीवन में खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्वविद्यालय के नेतृत्व ने रेखांकित किया कि खेल अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस तरह की गतिविधियाँ अकादमिक शिक्षा के साथ शारीरिक स्वास्थ्य और पारस्परिक विकास में संतुलन स्थापित करते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में योगदान देती हैं।

विश्वविद्यालय के पाँचों स्कूलों के विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता ने आपसी संवाद, सहयोग, एकता और विश्वविद्यालय समुदाय के प्रति अपनत्व की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया। इस आयोजन ने यह भी सिद्ध किया कि विश्वविद्यालय कक्षा-कक्ष की सीमाओं से परे जाकर विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें भविष्य की व्यक्तिगत व व्यावसायिक चुनौतियों के लिए तैयार करने हेतु निरंतर कटिबद्ध है। 'स्पोर्ट्स फिएस्टा 2026' का समापन 24 अक्टूबर 2026 को उत्साह, सौहार्द और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ संपन्न हुआ। यह तीन दिवसीय खेल महोत्सव कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी की गुणवत्तापूर्ण एवं सर्वांगीण शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता और एक जीवंत शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा देने के प्रयासों का प्रतीक रहा।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी अतिथियों, संकाय सदस्यों, आयोजकों और प्रतिभागी विद्यार्थियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। सभी के सहयोगात्मक समर्पण और उत्साह ने 'स्पोर्ट्स फिएस्टा 2026' को अत्यंत यादगार बना दिया।

वोट बचाओ, देश बचाओ अभियानः कांग्रेस ने चुनावी पारदर्शिता और मतदाता सूची की जांच की उठाई मांग

विश्व केसरी■



रायपुर (संवाददाता)। कांग्रेस के 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान के तहत जिला स्तरीय प्रेस कॉन्फ्रेंस में मतदाता सूची की पारदर्शिता, कथित चुनावी अनियमितताओं और निर्वाचन प्रक्रिया में जवाबदेही सुनिश्चित करने के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। पार्टी का कहना है कि वोट चोरी का मुद्दा केवल विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) तक सीमित नहीं है, बल्कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने-काटने, दोहरे पंजीकरण और चुनावी आंकड़ों की उपलब्धता से भी जुड़ा है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 7 फरवरी 2025 को महाराष्ट्र के चुनावी आंकड़ों पर सवाल उठाते हुए लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच लगभग 39 लाख मतदाताओं की वृद्धि का मुद्दा उठाया था। पार्टी ने इस वृद्धि के कारणों और मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया से संबंधित आंकड़े सार्वजनिक करने की मांग की थी। हालांकि, मतदाताओं की संख्या में वृद्धि अपने आप में फर्जी पंजीकरण का प्रमाण नहीं है।

इसी तरह, 7 अगस्त 2025 को बेंगलुरु सेंट्रल के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र का विश्लेषण प्रस्तुत करते हुए राहुल गांधी ने कथित अनियमितताओं के कारण 1,00,250 वोट प्रभावित होने का आरोप लगाया था। कांग्रेस ने दोहरे पंजीकरण, संदिग्ध प्रविष्टियों और फॉर्म-6 के कथित दुरुपयोग की जांच की मांग की। पार्टी ने हरियाणा और कर्नाटक के आलंद में भी मतदाता सूची से संबंधित अनियमितताओं के आरोप उठाए।

अभियान में मतदाता सूची के मूल आंकड़े डिजिटल प्रारूप में उपलब्ध कराने, नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया सार्वजनिक करने तथा स्वतंत्र सत्यापन की सुविधा देने की मांग की जाएगी।

कांग्रेस एसआईआर के दौरान मतदाता सूचियों से हटाए गए नामों और लंबित अपीलों को लेकर भी पारदर्शिता चाहती है। पार्टी का कहना है कि प्रारूप सूची से हटाए गए नामों, अंतिम सूची से हटाए गए नामों और लंबित अपीलों के आंकड़ों को अलग-अलग समझना जरूरी है।

कांग्रेस ने चुनाव आयोग से आरोपों पर स्पष्ट जवाब देने और निर्वाचन प्रक्रिया में जनता का विश्वास मजबूत करने की मांग की है। हालांकि, इन आरोपों को स्वतंत्र जांच या आधिकारिक निष्कर्ष से प्रमाणित होने तक कथित अनियमितताओं के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

रायपुर में ट्रक ने मां-बेटी को कुचला, कोरिया में बस-बोलेरो की टक्कर में महिला की मौत

विश्व केसरी■



रायपुर (संवाददाता)। रविवार को दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में मां-बेटी समेत 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 लोग घायल हो गए। पहला हादसा राजधानी रायपुर के वीआईपी चौक पर हुआ, जहां ट्रक ने स्कूटी सवार मां-बेटी को कुचल दिया जहां मां ने मौके पर ही दम तोड़ दिया वहीं 9 साल की बच्ची को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। वहीं दूसरा हादसा कोरिया जिले के जमदुआरी घाट पर हुआ, जहां तेज रफ्तार बस और बोलेरो की टक्कर में एक महिला की मौत हो गई। इस हादसे में चार बच्चों समेत 14 लोग घायल हो गए जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार राजधानी रायपुर के टेमरी गांव की रहने वाली गंगा साहू (35) और उनकी बेटी रितिका साहू (9) स्कूटी पर सवार होकर रायपुर शहर की तरफ आ रही थीं। दोपहर में वीआईपी चौक पर ट्रक (नंबर एमएच15ईजी7219) ने उन्हें रौंद दिया। हादसा इतना गंभीर था कि मां ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। गंभीर हालत में बेटी को मेकाहारा लाया गया, जहां उसकी भी मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद चौक पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर तेलीबांधा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। हादसा कैसे हुआ, इसकी जांच की जा रही है। वीआईपी रोड पर हुआ यह हादसा पहला नहीं है। इससे पहले भी यहां ट्रक की चपेट में आने से कई बड़े हादसे हो चुके हैं, जिनमें लोगों की जान जा चुकी है।

वहीं कोरिया जिले में रविवार सुबह नेशनल हाईवे-43 पर हुआ। चरचा थाना क्षेत्र के नगर जंगल में रांची से चिरमिरी जा रही राजहंस बस और बोलेरो के बीच टक्कर हो गई। हादसे में बोलेरो सवार महिला रितु सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 14 लोग घायल हो गए।

शौचालय के अभाव में झाड़ियों का सहारा ले रहे मासूम

मरम्मत के लिए स्वीकृत 45 हजार में से मिले सिर्फ 19 हजार

विश्व केसरी■

छुरा (मानसिंह निषाद)। आदिवासी विकासखंड के ग्राम पंचायत केवटीझर के आश्रित ग्राम परसापानी स्थित शासकीय प्राथमिक शाला में शौचालय की बदहाल स्थिति ने स्कूली बच्चों की परेशानी बढ़ा दी है। स्कूल में उपयोग योग्य शौचालय नहीं होने के कारण छोटे-छोटे बच्चों को शौच के लिए झाड़ियों का सहारा लेना पड़ रहा है। जंगल क्षेत्र से लगे स्कूल में यह स्थिति बच्चों की सुरक्षा, स्वच्छता और सम्मान से जुड़ा गंभीर सवाल खड़ा कर रही है। वहीं, शौचालय की मरम्मत के लिए स्वीकृत राशि और अधूरे कार्य को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।



मामले में ग्राम पंचायत केवटीझर के तत्कालीन सचिव देवेंद्र कुमार से फोन पर चर्चा करने पर उन्होंने बताया कि नए शौचालय निर्माण की स्वीकृति नहीं मिली थी, बल्कि पुराने शौचालय की मरम्मत के लिए 45 हजार रुपये स्वीकृत हुए थे। जनपद पंचायत की ओर से प्रथम किस्त के रूप में 19 हजार रुपये जारी किए गए थे, जिससे कुछ काम कराया गया था। उनके अनुसार, शेष राशि नहीं मिलने के कारण आगे का कार्य नहीं हो सका।परसापानी प्राथमिक शाला में शौचालय की सुविधा को लेकर सामने आई जानकारी ने मामले को नया मोड़ दे दिया है। जहां पहले नए शौचालय की स्वीकृति मिलने की बात कही जा रही थी, वहीं तत्कालीन पंचायत सचिव देवेंद्र कुमार ने स्पष्ट किया कि नए शौचालय के निर्माण के लिए नहीं, बल्कि पुराने शौचालय की मरम्मत के लिए 45 हजार रुपये की स्वीकृति मिली थी। इसमें से 19 हजार रुपये की पहली किस्त जारी हुई थी। सचिव के मुताबिक, इस राशि से कुछ मरम्मत कार्य कराया गया, लेकिन शेष राशि नहीं मिलने के कारण काम आगे नहीं बढ़ सका। ऐसे में अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि मरम्मत के लिए स्वीकृत राशि का शेष भुगतान क्यों नहीं हुआ? पहली किस्त से कितना काम कराया गया और वर्तमान में शौचालय की स्थिति क्या है? इन बिंदुओं पर संबंधित जनपद पंचायत और शिक्षा विभाग को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। इस संबंध में तत्कालीन सचिव देवेंद्र कुमार ने फोन पर बताया कि शौचालय की मरम्मत के लिए 45 हजार रुपये स्वीकृत हुए थे।

जनपद पंचायत से पहली किस्त के रूप में 19 हजार रुपये मिले थे, जिससे कुछ कार्य कराया गया था। बाकी राशि नहीं मिली। उन्होंने यह भी कहा कि अब वे उस पंचायत से हट चुके हैं, इसलिए वर्तमान में वहां क्या स्थिति है, इसकी उन्हें जानकारी नहीं है। पूर्व सचिव के इस बयान के बाद मरम्मत कार्य की वर्तमान स्थिति, खर्च की गई राशि और शेष भुगतान को लेकर संबंधित अधिकारियों से जानकारी लेना जरूरी हो गया है।

यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि शौचालय की मरम्मत का कार्य कितना पूरा हुआ और यदि कार्य अधूरा है, तो उसे पूरा कराने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं। स्कूल परिसर में पुराना शौचालय जर्जर हालत में है। इसके कारण बच्चों को जरूरत पड़ने पर बाहर झाड़ियों की ओर जाना पड़ता है। पालकों का कहना है कि स्कूल जंगल क्षेत्र के नजदीक है और आसपास जंगली जानवरों की आवाजाही भी होती रहती है। ऐसे में छोटे बच्चों का अकेले झाड़ियों की ओर जाना चिंता का विषय है। पालकों को डर है कि कहीं किसी दिन कोई अप्रिय घटना न हो जाए। बच्चों को सुरक्षित वातावरण में पढ़ाई करने का अवसर देना स्कूल प्रबंधन और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है।

शौचालय जैसी बुनियादी सुविधा के अभाव में बच्चों को इस तरह परेशानी उठानी पड़े, तो व्यवस्था की जवाबदेही तय होना भी जरूरी है। इस मामले में अब तीन प्रमुख सवाल सामने हैं—मरम्मत के लिए स्वीकृत 45 हजार रुपये में से शेष राशि अब तक क्यों जारी नहीं हुई? पहली किस्त के 19 हजार रुपये से कितना कार्य हुआ और उसका मूल्यांकन किसने किया? साथ ही, वर्तमान पंचायत सचिव, स्कूल प्रबंधन और संबंधित जनपद अधिकारियों ने अधूरे शौचालय की समस्या दूर करने के लिए क्या कदम उठाए हैं? इन सवालों का जवाब संबंधित विभागों से मिलना जरूरी है, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके और जिम्मेदारी तय हो सके। केवल राशि स्वीकृत होने या पहली किस्त जारी होने से बच्चों की समस्या का समाधान नहीं हो जाता, जब तक शौचालय उपयोग योग्य न बन जाए। परसापानी प्राथमिक शाला की स्थिति को देखते हुए संबंधित जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत और शिक्षा विभाग को तत्काल स्थल निरीक्षण कर शौचालय की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। मरम्मत कार्य, भुगतान और शेष राशि की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए। यदि पुराना शौचालय मरम्मत योग्य नहीं है, तो नियमानुसार वैकल्पिक व्यवस्था पर भी विचार किया जाना चाहिए।

बिलाईगढ़ में जनदर्शन की शिकायतें बेअसर 200 ग्रामीणों को नहीं मिला

विश्व केसरी■



भटगांव (रामदास कुर्रे)। शासन द्वारा सुशासन कार्यक्रम के तहत आम जनता के आवाज को शासन प्रशासन तक सरलता से पहुंचाने के उद्देश्य से कलेक्टर जनदर्शन, मुख्यमंत्री जनदर्शन तथा मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल जैसे अनेक कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिससे आमजनता का शिकायत, मांग एवं समस्या का निराकरण एक सप्ताह के अन्तराल में सरलता से किया जा सकें। लेकिन प्रशासनिक उदासिनता के कारण शासन के सभी उपाये धरे के धरे रह जा रहा है। जिसका जीवन्त उदाहरण बिलाईगढ़ जनपद पंचायत है। जहां कलेक्टर जनदर्शन से सम्बंधित आवेदन को देखने वाला शाखा प्रभारी कलेक्टर जनदर्शन से प्राप्त आवेदन का घोर अनादरण करके मजाक बना दिया है और कागज के रद्दी टोकरी में फेक दिया जाता है।

वही जनपद के जिम्मेदार अधिकारी द्वारा जायजा भी नही लिया जाता है। तभी तो 28 जुलाई 2026 के शिकायत का आज तक कोई कार्यवाही नही हो पाया है। इस संबंध में मिली शिकायत के अनुसार ग्राम पंचातय डोकरीडीह में अधोसंरचना मद से 10 लाख में सी.सी. रोड निर्माण हेतु स्वीकृत हुआ है जिसमें मुख्य पोल्ट्री फर्म से डोकरीडीह बस्ती की ओर किया जाना प्रस्तावित है। जिसमें स्टेटमेंट के अनुसार 7 इंच मोटा 4 मीटर चौड़ा, 262 मीटर लम्बा बनाना है। जिसमें सरपंच कुन्ती साहू द्वारा 3-4 इंच कांक्रीटिंग किया जा रहा था, जिसे ग्रामवासी जागरुकता दिखाते हुए स्टेटमेंट के अनुसार काम करने का सुझाव दिया गया जिस पर सरपंच भड़क गई और बोल दिया कि मैं स्टेटमेंट फिस्टमेंट नही मानता जिसको जहां जाना है जाओ जो करना होगा कर लेना कहकर लगभग 10-15 मीटर 3-4 इंच मोटा कांक्रीटिंग करके काम बंद कर दिया गया जो आज तक बंद है। बल्कि एक लड़का के ऊपर एफ.आई.आर. करा दिया गया। जिससे ग्राम डोकरीडीह निवासीयों में आक्रोश भड़क गया है और हर परिवार से एक व्यक्ति के मान से लगभग 200-250 की संख्याा में 28 जुलाई 2026 को कलेक्टर जनदर्शन पहुंच कर शिकायत किये और कार्य का जांच की मांग किये तथा सी.सी. रोड को पुन: चालू करने का मांग रखा गया। लेकिन कोई जांच नही हुआ जिससे ग्रामवासी दुखी होकर पन्द्रह दिन बाद पुन: कलेक्टर जनदर्शन गये लेकिन तत्कालिन बिलाईगढ़ एस.डी.एम. प्रफुल्ल रजक ग्रामीणों के आवेदन को जनदर्शन में जाने से रोक दिया और आश्वासन दिया कि वे स्वयं पहुंच कर जांच करेंगे। लेकिन सरपंच का पक्ष लेते हुए जांच नही किया। जिससे ग्रामीण दुखी होकर 16 सितम्बर 2026 को पुन: कलेक्टर जनदर्शन में गये। जिसमें जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जो कलेक्टर जनदर्शन में प्रमुख्स रुप से उपस्थित थे जिनके द्वारा 15 दिन में शिकायत जांच करवाने का आश्वासन दिया। लेकिन आज तक कोई कार्यवाही नही हुआ। शायद बिलाईगढ़ जनपद पंचायत के अधिकारी कर्मचारी इतने बेलगाम है कि जिला स्तर के प्रशासनिक अधिकारियों के आदेश निर्देश को मानने को तैयार नहीं है।

कसडोल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का विजयादशमी उत्सव एवं पथसंचलन संपन्न

विश्व केसरी■



कसडोल (प्रवीण ढोमने)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ खंड कसडोल द्वारा विजयादशमी उत्सव एवं पथसंचलन का आयोजन नगर के नगर भवन में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एनएमएस संजीवनी हॉस्पिटल के नेत्र सर्जन डॉ. विकास मिश्रा उपस्थित रहे, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में विश्व हिंदू परिषद के मध्य क्षेत्र मठ-मंदिर प्रमुख चंद्रशेखर वर्मा ने संबोधित किया। आयोजन में स्वयंसेवकों ने अनुशासन, एकता और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया।

विजयादशमी उत्सव के अवसर पर स्वयंसेवकों द्वारा नगर में पथसंचलन निकाला गया। पथसंचलन नगर के प्रमुख मार्ग से होते हुए बजरंग चौक, बैगापारा एवं बगदेवी पारा पहुंचा। इसके बाद पुन: मुख्य मार्ग से होते हुए स्वयंसेवक नगर भवन मैदान पहुंचे, जहां मंचीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शस्त्र पूजन तथा भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया।

युवा शक्ति राष्ट्र की प्रगति का आधार : डॉ. विकास मिश्रा

मुख्य अतिथि डॉ. विकास मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि युवा भारत के प्राण हैं। युवाओं की शक्ति, ऊर्जा और सकारात्मक सोच से ही देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ सकता है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कुछ अराजक एवं देशविरोधी तत्व युवाओं को दिग्भ्रमित कर समाज और देश में अशांति पैदा करने का प्रयास करते हैं। ऐसे समय में युवाओं को जागरूक रहकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना आवश्यक है।

अनुशासन के नाम पर चौथी के छात्र की चोटी काटी, प्राचार्य पर एफआईआर

विश्व केसरी■

नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। पटेवा स्कूल में अनुशासन बनाए रखने के नाम पर चौथी कक्षा के एक छात्र के लंबे बालों की चोटी बनाकर कैंची से काटने का मामला सामने आया है। घटना के बाद बच्चा इतना डर गया कि उसने स्कूल जाना छोड़ दिया। परिजनों की शिकायत और शिक्षा विभाग की जांच रिपोर्ट के आधार पर अब गोबरा नवापारा पुलिस ने एकेडमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल की प्राचार्य पल्लवी मरार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 75 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाल काटने की घटना के बाद स्कूल जाने से डरने लगा बच्चा

मामला 15 अक्टूबर 2025 का बताया गया है। शिकायत के अनुसार, स्कूल में छात्र के लंबे बालों को लेकर अनुशासन का हवाला देते हुए उसकी चोटी बनाकर कैंची से काट दिया गया था। इस घटना के बाद बच्चे के व्यवहार में बदलाव आने लगा और वह स्कूल जाने से डरने लगा। परिजनों ने मामले की शिकायत शिक्षा विभाग से की, जिसके बाद विभाग ने जांच की प्रक्रिया शुरू की। अंतत: बच्चे के भविष्य और मानसिक स्थिति को देखते हुए अप्रैल 2026 से उसका दाखिला दूसरे स्कूल में करा दिया गया।

चिकित्सकीय रिपोर्ट में नींद की परेशानी और चिड़चिड़ेपन का जिक्र

मामले की जांच के दौरान रायपुर स्थित धन्वंतरी अस्पताल की 5 जून 2026 की चिकित्सकीय रिपोर्ट को भी शामिल किया गया। रिपोर्ट में बच्चे को नींद आने में परेशानी, चिड़चिड़ापन और



स्कूल जाने से डरने जैसी समस्याएं होने का उल्लेख है। साथ ही, घटना के बाद स्कूल में उसकी उपस्थिति अनियमित होने की बात भी सामने आई। शिक्षा विभाग की जांच में बच्चे को मानसिक परेशानी और शारीरिक असुविधा होने का जिक्र किया गया है।

दो प्राचार्यों की टीम ने दर्ज किए बयान

शिक्षा विभाग के निर्देश पर गठित दो प्राचार्यों की जांच टीम 31 जुलाई 2026 को स्कूल पहुंची थी। टीम ने संबंधित छात्र और उसके माता-पिता के बयान दर्ज किए। इसके अलावा स्कूल की प्राचार्य पल्लवी मरार और संबंधित शिक्षकों से भी पूछताछ की गई। जांच के दौरान प्राचार्य ने बच्चों के बाल व्यवस्थित कराने की बात स्वीकार की। जांच दल ने भविष्य में इस तरह का व्यवहार नहीं करने के लिए स्कूल प्रबंधन और संबंधित शिक्षकों को चेतावनी देने की अनुशंसा भी की थी।

होमवर्क अधूरा होने पर शिक्षक पर कान मरोड़ने का आरोप

जांच के दौरान छात्र ने गणित के शिक्षक अजय कुमार देवांगन पर होमवर्क अधूरा होने के कारण उसका कान मरोड़ने का आरोप भी लगाया। हालांकि, शिक्षक ने जांच के दौरान छात्र को शारीरिक दंड देने से इनकार किया। इस आरोप के संबंध में जांच में सामने आए तथ्यों और संबंधित पक्षों के बयानों को भी मामले के संदर्भ में देखा गया।

शिक्षा विभाग की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस की कार्रवाई

जांच रिपोर्ट के आधार पर गोबरा नवापारा पुलिस ने स्कूल की प्राचार्य पल्लवी मरार के खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम की धारा 75 के तहत एफआईआर दर्ज की है। अब पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों, शिकायत और उपलब्ध दस्तावेजों की जांच कर रही है। हालांकि, एफआईआर दर्ज होने का अर्थ आरोपों का न्यायिक रूप से सिद्ध होना नहीं है। मामले में अंतिम निष्कर्ष जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही सामने आएगा।

कृषक सेवा सहकारी समिति भटगांव में प्राधिकृत अधिकारी पर मनमानी और सहकारिता अधिनियम की धज्जियां उड़ाने का आरोप

विश्व केसरी■



भटगांव (रामदास कुर्रे)। नगर पंचायत भटगांव की सबसे बड़ी कृषक सेवा सहकारी समिति भटगांव पंजीयन क्रमांक 1416 इन दिनों गंभीर अनियमितताओं और मनमाने क्रियाकलापों को लेकर चर्चा में है। जहां समिति के मनोनीत प्राधिकृत अधिकारी रामलाल साहू पर आरोप लग रहा है कि उनके द्वारा सहकारिता अधिनियम की खुलेआम धज्जियां उड़ाते हुए अपने पद का दुरुपयोग किया जा रहा है और नियमों को ताक पर रखकर चहेतों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। इस संबंध में प्राप्त दस्तावेजों और ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार समिति में एक ऐसा कारनामा हुआ है, जो पूरे सहकारिता विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करता है।

क्या है पूरा मामला? 7 साल अनुपस्थित विक्रेता की वापसी

प्राप्त जानकारी के अनुसार हीरालाल चंद्रा पिता मोतीलाल कृषक सेवा सहकारी समिति भटगांव के अंतर्गत विक्रेता के पद पर कार्यरत था। जहां हीरालाल चंद्रा ने दिनांक 19.08.2020 को विक्रेता का पद छोड़ दिया था। और वह लगातार दिनांक 06.12.2019 से 06.12.2024 तक लगभग 6 से 7 साल तक समिति से अनुपस्थित रहा। इतने लंबे समय तक बिना किसी सूचना के अनुपस्थित रहना सेवा नियमों के अनुसार स्वत: बर्खास्तगी की श्रेणी में आता है। लेकिन आश्चर्य की बात है कि 06.12.2024 को संस्था में एक प्रस्ताव पारित कर प्राधिकृत अधिकारी रामलाल साहू द्वारा बिना किसी उच्च अधिकारी के आदेश के हीरालाल चंद्रा को पुन: बहाल कर दिया गया।

जनपद सीईओ के आदेश को ठेंगा दिखा रहे रमतला के सरपंच-सचिव, 24 घंटे का अल्टीमेटम भी बेअसर

विश्व केसरी■



भटगांव (रामदास कुर्रे)। जनपद पंचायत बिलाइगढ़ के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रमतला का एक नया कारनामा सामने आया है, जहां वर्तमान सरपंच और सचिव द्वारा शासकीय आदेशों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत बिलाइगढ़ द्वारा जारी कड़े निर्देश और 24 घंटे की समय-सीमा बीत जाने के बाद भी पीड़ित पूर्व सरपंच को उनके हक की राशि का भुगतान नहीं किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत रमतला के पूर्व सरपंच ईश्वर भारती द्वारा प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत पंचायत में विभिन्न विकास कार्य कराए गए थे। इन कार्यों की अंतिम किस्त की राशि कुल 6,74,863.00 रुपये जनपद कार्यालय द्वारा दिनांक 27 अप्रैल 2026 को ही ग्राम पंचायत रमतला के भारतीय स्टेट बैंक शाखा बिलाइगढ़ के खाता क्रमांक 3227298725 में जमा करा दी गई थी। नियमत: इस राशि का भुगतान तत्काल कार्य कराने वाले पूर्व सरपंच को हो जाना चाहिए था, लेकिन वर्तमान सरपंच और सचिव ने द्वेषपूर्ण या अन्य अज्ञात कारणों से इस राशि को दबाकर रख लिया।

सीईओ ने थमाया था नोटिस, कार्रवाई की चेतावनी भी बेअसर

मामला संज्ञान में आने पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने पत्र क्रमांक6504/PMAGY/ज.पं./2026 दिनांक 25/09/2026 को एक अत्यंत सख्त आदेश जारी किया था। आदेश में स्पष्ट लिखा था कि पत्र प्राप्ति के 24 घंटे के भीतर पूर्व सरपंच को नियमानुसार राशि का भुगतान कर पावती कार्यालय में प्रस्तुत करें। सीईओ ने चेतावनी दी थी कि ऐसा न करने पर उनके खिलाफ जिला कार्यालय को दंडात्मक व वैधानिक कार्रवाई हेतु पत्र लिखा जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी सरपंच-सचिव की होगी।

क्या है पूरा घपला?

मामले के अनुसार, पूर्व सरपंच ईश्वर भारती द्वारा जब उक्त खाते का जाँच कराया तो पंचायत खाते से राशि गायब थी नियमानुसार यह राशि सीधे संबंधित वेंडर या कार्य कराने वाले को मिलनी थी। लेकिन सूत्रों से मिली जानकारी और बैंक रिकॉर्ड के अनुसार, वर्तमान सरपंच और सचिव ने मिलीभगत कर करीब 4 महीने पहले ही इस पूरी राशि को शासकीय खाते से आहरित कर लिया गया । जिसकी शिकायत पूर्व सरपंच द्वारा कलेक्टर जनदर्शन में भी किया गया था।

प्रशासनिक मौन पर उठ रहे सवाल

हैरानी की बात यह है कि जनपद सीईओ द्वारा दिए गए अल्टीमेटम की अवधि समाप्त होने के 25 दिन बाद भी वर्तमान सरपंच और सचिव पर कोई असर नहीं हुआ है।

सड़क पर केक, फिल्मी गाना और आतिशबाजी! नायब तहसीलदार के जश्न पर उठे सवाल

अभनपुर में पदस्थ विपिन पटेल का वीडियो वायरल, जिम्मेदार अधिकारी के आचरण और सड़क सुरक्षा के नियमों को लेकर चर्चा तेज

विश्व केसरी■

नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। आम नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने की अपेक्षा करने वाले प्रशासनिक अधिकारियों के आचरण पर ही सवाल उठने लगें, तो जवाबदेही का मुद्दा स्वाभाविक रूप से सामने आता है। छत्तीसगढ़ के अभनपुर में पदस्थ नायब तहसीलदार विपिन पटेल का कथित जन्मदिन सेलिब्रेशन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद ऐसा ही मामला चर्चा में है। वायरल वीडियो को लेकर सामने आई जानकारी के मुताबिक, सड़क पर वाहन रोककर केक काटा गया और फिल्मी गाने श्ओ ओ जाने जानाश् की धुन पर जश्न मनाया गया। इस दौरान आतिशबाजी किए जाने की बात भी सामने आई है। हालांकि, वीडियो की पूरी परिस्थितियों और घटना के सभी तथ्यों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है।

सड़क पर जश्न या नियमों की अनदेखी?

सार्वजनिक सड़कें यातायात के लिए होती हैं, न कि इस तरह के निजी आयोजनों के लिए। यदि किसी आयोजन के दौरान सड़क पर वाहन रोककर केक काटा जाता है, आतिशबाजी की जाती है और आवागमन प्रभावित होता है, तो इससे दूसरे वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा पर सवाल खड़े होना लाजिमी है। सड़क पर अचानक रुकावट पैदा होने से दुर्घटना का खतरा भी बढ़ सकता है। ऐसे में सवाल यह है कि जन्मदिन मनाने के लिए क्या सार्वजनिक



सड़क को ही आयोजन स्थल बनाना उचित था?

जिम्मेदार पद पर बैठकर ऐसा आचरण कितना उचित?

नायब तहसीलदार प्रशासनिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। राजस्व संबंधी कार्यों और कानून-व्यवस्था से जुड़े प्रशासनिक दायित्वों के निर्वहन में उनकी भूमिका रहती है। ऐसे पद पर बैठे अधिकारी से अपेक्षा की जाती है कि वह स्वयं नियमों का पालन करें और अपने आचरण से दूसरों के सामने उदाहरण प्रस्तुत करें। यदि वायरल वीडियो में दिखाई देने वाली गतिविधियां और उनसे जुड़ी जानकारी सही पाई जाती है, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या संबंधित अधिकारी ने सार्वजनिक सड़क के उपयोग और यातायात सुरक्षा से जुड़े दायित्वों का पर्याप्त ध्यान रखा?

आम आदमी करे नियमों का पालन, अधिकारी को कितनी छूट?

सड़क पर गलत तरीके से वाहन खड़ा करने, यातायात बाधित करने या सार्वजनिक स्थान पर आतिशबाजी करने जैसे मामलों में नियमों के अनुसार कार्रवाई की अपेक्षा की जाती है। ऐसे में किसी प्रशासनिक अधिकारी से जुड़े मामले में भी निष्पक्ष जांच और समान मानदंडों पर कार्रवाई की मांग उठ सकती है। सवाल यह नहीं है कि कोई व्यक्ति अपना जन्मदिन कैसे मनाता है, बल्कि यह है कि जश्न मनाने के दौरान सार्वजनिक व्यवस्था और दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखा गया या नहीं। पद और प्रतिष्ठा के आधार पर नियमों के पालन में किसी तरह का अंतर नहीं होना चाहिए।

हाईकोर्ट के निर्देशों के बीच जवाबदेही का सवाल

सड़क सुरक्षा और सार्वजनिक मार्गों पर अनुशासन को लेकर न्यायिक निर्देशों तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं के बीच इस तरह का मामला सामने आना गंभीर सवाल खड़े करता है।

हालांकि, इस घटना पर किसी विशिष्ट न्यायिक निर्देश के उल्लंघन का निष्कर्ष निकालने से पहले संबंधित आदेश और घटना की परिस्थितियों का सत्यापन जरूरी है। वायरल वीडियो के आधार पर ही किसी कानूनी उल्लंघन या दोष को अंतिम रूप से तय नहीं किया जा सकता, लेकिन मामले की निष्पक्ष जांच की जरूरत से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

प्रशासन की चुप्पी पर टिकी निगाहें

फिलहाल वायरल वीडियो को लेकर संबंधित अधिकारी का पक्ष, जिला प्रशासन की आधिकारिक प्रतिक्रिया और किसी संभावित कार्रवाई की पुष्टि सामने आना बाकी है। ऐसे में प्रशासन के सामने यह महत्वपूर्ण सवाल है कि क्या वीडियो में दिखाई देने वाली गतिविधियों की जांच कराई जाएगी? क्या यह पता लगाया जाएगा कि आयोजन के दौरान यातायात बाधित हुआ था या नहीं और आतिशबाजी के लिए किसी अनुमति की आवश्यकता थी? मामले में तथ्यों की पुष्टि होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाती है या नहीं, इस पर भी लोगों की निगाहें रहेंगी।

अब सवाल सिर्फ जन्मदिन मनाने के तरीके का नहीं, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही का है। यदि आम नागरिकों से नियमों के पालन की अपेक्षा की जाती है, तो जिम्मेदार पदों पर बैठे अधिकारियों को भी अपने आचरण में वही अनुशासन दिखाना चाहिए।

संपादकीय

फ्रांस में जनाक्रोश, व्यवस्था के सामने चुनौती



महेन्द्र तिवारी

फ्रांस वर्तमान में एक अभूतपूर्व और भीषण जन आंदोलन का सामना कर रहा है, जिसने पूरे देश के सामाजिक और राजनीतिक ढांचे को हिलाकर रख दिया है। देश के विभिन्न प्रमुख नगरों की सड़कों पर 4 लाख से अधिक नागरिक अपनी ही सरकार के विरुद्ध उतर आए हैं। कुछ श्रमिक संगठनों का यह दावा है कि प्रदर्शनकारियों की संख्या इससे भी कहीं अधिक है। इस विशाल जनसमूह और लगातार बढ़ती उग्रता को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने 70 हजार सुरक्षाकर्मियों को देश भर में तैनात किया है। ये सुरक्षा बल स्थिति पर काबू पाने के लिए जल तोपों और अश्रु गैस का निरंतर उपयोग कर रहे हैं, फिर भी हालात सामान्य होते हुए नहीं दिख रहे हैं। यह आंदोलन केवल एक साधारण विरोध नहीं है, बल्कि यह वर्षों से जमा हो रहे सामाजिक असंतोष का परिणाम है जो अब एक विशाल ज्वालामुखी का रूप ले चुका है।

इस व्यापक विरोध का मूल कारण देश की चरमराती शिक्षा व्यवस्था से जुड़ा है। आंदोलन की शुरुआत मुख्य रूप से विद्यालयों के छात्रों और शिक्षकों ने की थी। शिक्षा क्षेत्र में संसाधनों का भारी अभाव है और शिक्षकों के रिक्त पदों को लंबे समय से नहीं भरा जा रहा है। एक चौंकाने वाले आंकड़े के अनुसार शिक्षकों के अस्वस्थ होने या उनके उपलब्ध न होने के कारण विद्यालयों में 1 करोड़ 50 लाख शिक्षण घंटे नष्ट हो गए हैं। इस स्थिति ने विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर क्षेत्रों के छात्रों के भविष्य पर गहरा संकट खड़ा कर दिया है। सरकार द्वारा शिक्षा कोष में की गई निरंतर कटौती ने इस आक्रोश को और अधिक भड़का दिया है, जिससे युवाओं और उनके अभिभावकों का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा।

शिक्षा के साथ ही देश में बढ़ती महंगाई और जीवन निर्वाह की बढ़ती लागत ने आम नागरिकों की कमर तोड़ दी है। देश भर के श्रमिक, कर्मचारी और मजदूर अपने पारिश्रमिक में वृद्धि और बेहतर सेवानिवृत्ति लाभों की मांग को लेकर इस आंदोलन में कूद पड़े हैं। इस भीड़ में पीत



वस्त्र धारण करने वाले वे आंदोलनकारी भी शामिल हो गए हैं, जो पहले भी सरकार की आर्थिक नीतियों के विरुद्ध लंबे समय तक बड़े प्रदर्शन कर चुके हैं। यह पूरा घटनाक्रम वर्तमान राष्ट्र प्रमुख और उनकी सरकार के प्रति गहरे अविश्वास को दर्शाता है। जनता को लगता है कि सत्ता में बैठे लोग उनकी रोजमर्रा की आर्थिक कठिनाइयों और संघर्षों को पूरी तरह से अनदेखा कर रहे हैं।

शुरुआत में जो प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीकों से आरंभ हुए थे, उन्होंने बहुत ही कम समय में हिंसक रूप धारण कर लिया। कुछ उग्र और चरमपंथी समूहों ने सुरक्षाबलों पर पथराव किया और सार्वजनिक संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचाया। अब तक पूरे देश में 3 हजार से अधिक दुकानों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ और लूटपाट की हिंसक घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अराजक तत्वों ने सड़कों पर खड़े वाहनों को आग के हवाले कर दिया है। प्रशासन ने इस उपद्रव को रोकने के लिए कठोर कदम उठाए हैं और अब तक 1 हजार से अधिक उपद्रवियों को हिरासत में लिया जा चुका है। सुरक्षा बलों को विशेष रूप से बख्तरबंद वाहनों और गश्ती वायुयानों का भी सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

इस अस्थिरता का गहरा प्रभाव देश के सामान्य जनजीवन और पर्यटन व्यवस्था पर भी पड़ा है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विश्व प्रसिद्ध संग्रहालयों और कला केंद्रों के द्वार दर्शकों के लिए अनिश्चित काल तक बंद कर दिए गए हैं। कई संवेदनशील नगरों में रात्रि प्रतिबंध लागू कर दिए

महर्षि वाल्मीकि जयंती विशेष

आदिकवि वाल्मीकि और लोकजीवन में रामकथा



आचार्य ललित मुनि

नवरात्रि में गाँव में रामलीला हो रही हो, कहीं मानस की चौपाइयाँ गूँज रही हों, किसी घर में दादी बच्चों को राम-सीता की कथा सुना रही हों या कोई लोकगायक अपने ढंग से रामचरित का गान कर रहा हो, इन सबके पीछे एक ऐसी कथा-परंपरा दिखाई देती है, जिसने भारत के जनजीवन में बहुत गहरी पैठ बनाई है। रामकथा लोगों के बोलने, गाने, अभिनय करने, चित्र बनाने और अपने सुख-दुःख को समझने का माध्यम भी बनी। इस परंपरा के आरंभिक और सबसे महत्वपूर्ण साहित्यिक आधार के रूप में महर्षि वाल्मीकि की रामायण का स्मरण किया जाता है।

वाल्मीकि को आदिकवि कहा जाता है। भारतीय साहित्यिक परंपरा में उन्हें संस्कृत के प्रथम कवि और रामायण का रचयिता माना गया है। क्रौंच पक्षी के वध से उत्पन्न करुणा और उससे निकले प्रथम श्लोक की कथा उनके कवित्व से जुड़ी प्रसिद्ध परंपरा है। इस प्रसंग में एक पक्षी की पीड़ा कवि के भीतर संवेदना जगाती है और वही संवेदना काव्य का रूप लेती है। इस कथा का महत्व केवल काव्य की उत्पत्ति से नहीं जुड़ा है। यह उस दृष्टि की ओर भी संकेत करती है, जिसमें दूसरे जीव का दुःख मनुष्य को भीतर तक प्रभावित करता है।

वाल्मीकि रामायण में राम के जीवन की कथा है, लेकिन इसके भीतर तत्कालीन जीवन, परिवार, राज्य, वन, नदियों, यात्राओं और मनुष्य के व्यवहार के अनेक चित्र भी मिलते हैं। राम का वनवास केवल राजमहल से दूर जाने की घटना नहीं है। उसके साथ वनप्रदेशों, ऋषियों के आश्रमों, वन्यजीवों और अलग-अलग समुदायों से संपर्क की कथा भी चलती है। यही कारण है कि रामायण को केवल धार्मिक आख्यान मानकर छोड़ देना उसके व्यापक साहित्यिक और सांस्कृतिक महत्व को सीमित कर देना होगा।

वाल्मीकि रामायण के बाद राम की कथा अनेक भाषाओं और साहित्यिक परंपराओं में कही गई। तमिल में कंबन की रामायण, अवधी में गोस्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस और बंगाल, असम, ओडिशा सहित देश के अनेक क्षेत्रों की रामायण परंपराएँ इसके उदाहरण हैं। इन रचनाओं में मूल कथा के साथ स्थानीय समाज की मान्यताएँ, धार्मिक दृष्टि और सांस्कृतिक अनुभव भी जुड़े। इसलिए अलग-अलग रामायणों में कुछ प्रसंगों, पात्रों और घटनाओं के वर्णन में अंतर मिलता है। यह अंतर इस परंपरा की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का प्रमाण है।

रामकथा जब लोकजीवन में पहुँची तो उसने ग्रंथ से बाहर निकलकर प्रदर्शन के माध्यम अपना लिए। कहीं रामलीला के मंच पर राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान के पात्र जीवित हो उठते हैं, कहीं कथावाचक घंटों तक



प्रसंग सुनाता है, कहीं लोकगायक कथा को गीत में बदल देता है। कठपुतली, छाया नाटक, नृत्य-नाटिका और चित्रकला में भी रामकथा के प्रसंग मिलते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि रामकथा को अलग-अलग कलाओं में ढाला गया और अपने ढंग से अपनाया और आगे बढ़ाया।

लोकजीवन की रामकथा में स्थानीय भूगोल और सामाजिक अनुभव भी शामिल हो जाते हैं। किसी क्षेत्र का जंगल, नदी, पहाड़ या गाँव कथा के प्रसंग से जुड़ जाता है। पात्रों के व्यवहार और घटनाओं की व्याख्या में स्थानीय समाज के मूल्य दिखाई देते हैं। कई जनजातीय परंपराओं में रामकथा के प्रसंग प्रचलित कथाओं से अलग रूप लेते हैं। कहीं लक्ष्मण की भूमिका अधिक प्रमुख हो जाती है, कहीं सीता के चरित्र और रावण-वध के प्रसंग का अलग वर्णन मिलता है। इन कथाओं को केवल मूल ग्रंथ से तुलना करके कमतर मानना उचित नहीं होगा। वे अपने समुदाय की स्मृति, अनुभव और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का हिस्सा हैं।

छत्तीसगढ़ के संदर्भ में रामकथा का एक विशिष्ट पक्ष है। दक्षिण कोसल की ऐतिहासिक-सांस्कृतिक स्मृति और राम के वनगमन से जुड़ी स्थानीय परंपराओं ने यहाँ अनेक स्थलों को रामकथा से जोड़ा है। रामनामी समुदाय की परंपरा भी इस संबंध में उल्लेखनीय है। इस समुदाय में रामनाम का शरीर पर गोदना, भजन और सामूहिक गायन धार्मिक आस्था की विशिष्ट अभिव्यक्ति बन गए हैं। यहाँ राम केवल कथा के नायक नहीं, जीवन में धारण किए जाने वाले नाम हैं। रामनामी परंपरा यह भी बताती है कि लोकसमाज किसी धार्मिक विचार को अपने विशिष्ट रूप में कैसे जीता है।

रामकथा का प्रसार केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं रहा। परिवारों में बच्चों को सुनाई जाने वाली कथाओं से लेकर मेलों और उत्सवों में होने वाले मंचन तक, इसने पीढ़ियों के बीच संवाद का रास्ता बनाया। दशहरे पर रावण-दहन, रामलीला के आयोजन और रामायण पाठ जैसे अवसरों पर लोग एकत्र होते हैं। इन आयोजनों में धार्मिक आस्था के साथ सामूहिक सहभागिता भी जुड़ती है।

उप्र में जब जिद पर आ गए गांधीजी!

राकेश अचल

गांधीजी यानी राहुल गांधी जिद पर आ गए हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी से 200 सीटें मांगी हैं। इतनी सीटें अखिलेश यादव देंगे या गठबंधन टूट जाएगा, कहना कठिन है। लेकिन कांग्रेस की इस मांग ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया सवाल जरूर खड़ा कर दिया है—क्या कांग्रेस अपनी चुनावी ताकत से ज्यादा सीटें मांग रही है, या राहुल गांधी उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को फिर से खड़ा करने के लिए बड़ा दांव खेल रहे हैं?

वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अकेले मैदान में उतरी थी। नतीजा यह हुआ कि 403 सीटों वाली विधानसभा में उसके हिस्से में आईं सिर्फ दो सीटें। इससे पहले 2017 में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके भी कांग्रेस केवल सात सीटें जीत पाई थी।लेकिन राजनीति में पुरानी हारों का हिसाब हमेशा वर्तमान की महत्वाकांक्षाओं को नहीं रोकता.

बात वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव की करना जरुरी है.इस चुनाव के नतीजों ने कांग्रेस को नया आत्मविश्वास दिया. समाजवादी पार्टी ने 37 सीटें जीतीं और कांग्रेस को छह सीटों पर कामयाबी मिली. दोनों ने मिलकर भाजपा को उत्तर प्रदेश में बड़ा झटका दिया और भाजपा का अश्वमेघ खूंटे से बांध दिया.भाजपा 400 पार नहीं कर सकी,उल्टे भाजपा को टीडीपी और जेडीयू की बैशाखी लगाकर सरकार बनाना पडी.

कांग्रेस का तर्क है कि जब लोकसभा में दोनों पार्टियां मिलकर भाजपा को चुनौती दे सकती हैं, तो विधानसभा चुनाव में भी गठबंधन को सम्मानजनक हिस्सेदारी मिलनी चाहिए.

बात में दम है. मगर सवाल यह है कि सम्मानजनक हिस्सेदारी आखिर कितनी?175 से 200 सीटें! यानी विधानसभा की लगभग आधी सीटें.

अब जरा अखिलेश यादव की स्थिति भी समझिए। समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में कांग्रेस से कहीं बड़ी चुनावी ताकत है. उसके पास अपना संगठन है, अपना सामाजिक आधार है और 2024 के लोकसभा चुनाव की सफलता भी है.ऐसे में कांग्रेस की सूची देखकर सपा के नेताओं के माथे पर बल पड़ना स्वाभाविक है। उनका कहना है कि सीटें मांगने से नहीं, जीतने की क्षमता से मिलनी चाहिए.और यह बात कांग्रेस को भी समझनी होगी.

लेकिन गांधीजी यानी राहुल गांधी के लिए यह सिर्फ सीटों का सवाल नहीं है.कांग्रेस अगर उत्तर प्रदेश में फिर से अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करना चाहती है, तो उसे ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने की महत्वाकांक्षा रखनी ही होगी.यही इस विवाद का असली पेच है.

कांग्रेस को अधिक सीटें चाहिए ताकि वह अपना संगठन खड़ा कर सके.सपा को ऐसी सीटें चाहिए जहां गठबंधन का उम्मीदवार भाजपा को हरा सके.दोनों का लक्ष्य भाजपा को सत्ता से हटाना बताया जा रहा है, लेकिन उस लक्ष्य तक पहुंचने का रास्ता दोनों अपने-अपने हिसाब से तय करना चाहते हैं.

तो क्या गठबंधन टूट जाएगा?

अभी ऐसा निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी.सीटों की सूची सौदेबाजी की शुरुआत भी हो सकती है. राजनीति में पहले बड़ी मांग रखना और फिर बातचीत के बाद बीच का रास्ता निकालना कोई नई बात नहीं है. लेकिन अगर कांग्रेस ने संख्या को प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया और समाजवादी पार्टी ने अपनी ताकत के आगे किसी तरह का समझौता करने से इनकार कर दिया, तो मुश्किल जरूर बढ़ेगी.

याद रखिए, उत्तर प्रदेश में भाजपा को चुनौती देने के लिए विपक्षी एकता महज नारा नहीं, चुनावी जरूरत भी है.

इसलिए राहुल गांधी को सोचना होगा कि उन्हें सीटों की बड़ी संख्या चाहिए या भाजपा को हराने वाला मजबूत गठबंधन।

और अखिलेश यादव को भी तय करना होगा कि कांग्रेस को कितनी जगह देकर गठबंधन की ताकत बढ़ाई जा सकती है.

क्योंकि चुनाव में जिद से सुर्खियां तो मिल सकती हैं, सीटें नहीं.

फिलहाल उत्तर प्रदेश की राजनीति में सवाल यही है—गांधीजी अपनी जिद पर अड़े रहेंगे, या अखिलेश यादव के साथ बैठकर कोई बीच का रास्ता निकालेंगे?

फैसला अभी बाकी है. और इस फैसले का असर सिर्फ कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर नहीं, 2027 में उत्तर प्रदेश की पूरी चुनावी लड़ाई पर पड़ सकता है.संतोष की बात ये है कि कांग्रेस की मांग पर अभी अखिलेश यादव बौखलाए नहीं हैं.इससे लगता है कि वे किसी भी कीमत पर कांग्रेस से अपना गठबंधन टूटने नहीं देंगे.

बोध कथा

महर्षि वाल्मीकि की प्रेरणा



महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर हमें उनके जीवन से सीख मिलती है कि इंसान अपने कर्मों और विचारों से बदल सकता है।

प्राचीन समय में रत्नाकर नाम का एक व्यक्ति गलत रास्ते पर चल पड़ा था। एक दिन उसकी मुलाकात महर्षि नारद से हुई। नारद जी ने उससे पूछा कि जिन परिवार के सदस्यों के लिए वह गलत काम करता है, क्या वे उसके पापों में भी भागीदार बनेंगे? इस प्रश्न ने रत्नाकर की आंखें खोल दीं। उसने अपने जीवन को बदलने का संकल्प लिया और कठोर तपस्या की। आगे चलकर वही रत्नाकर महर्षि वाल्मीकि बने और उन्होंने महान ग्रंथ रामायण की रचना की।

शिक्षाः कोई भी व्यक्ति अपने अतीत से नहीं, बल्कि अपने वर्तमान कर्मों से महान बन सकता है। सच्चा पश्चाताप और दृढ़ संकल्प जीवन की दिशा बदल सकते हैं।

कविता

वो शहर जा रहा था...



रोटे. डॉ राजेंद्र सिंघानिया

गाँव छोड़ वो शहर जा रहा था
परिन्दा पहली उड़ान पर जा रहा था
खप्पर छप्पर सब पीछे छूट गये
परों पर लेकर अरमान जा रहा था
नज़र पर था केवल खुला आसमान
बनाने अपनी पहचान जा रहा था
गाँव की सूनी गलियां उदास हो गई
वो गांव को करके वीरान जा रहा था
मजबूरियाँ थी या घर की ज़रूरतें
वो अपने माथे लेकर तूफ़ान जा रहा था.

2

मैंने शोर के बीच से खामोशी चुराई है
तब इन आँखों ने पलकें झपकाईं है
जिसके इंतज़ार में शामें गवांई है

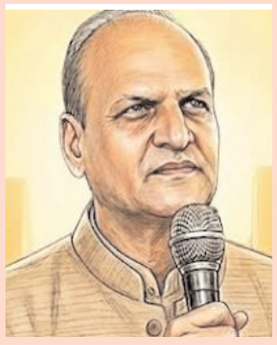
उसके नाम की चिट्ठी नहीं आई है
क्या याद करने का हक सिर्फ मेरा है
तुमने तो भूलने में देर नहीं लगाई है

तुम तो महफ़िलों में मशगूल हो गये
हमारे दामन में अब सिर्फ तन्हाई है
राह बदली चाह बदली रिश्ते बदल गये
क्या निभाने की क़सम सिर्फ मैंने खाई है

ये दिल जिसका मुद्दतों से शैदाई है
सोचा उसी से अब करना बेवफ़ाई है

व्यंग्य केसरी

जूते को रहने दो !



गिरीश पंकज

हमारे देश में कुछ नेता निरन्तर प्रगति कर रहे हैं । पहले उन पर चप्पल फेंके जाते थे, अब जूते। समझदार किस्म के विद्रोही लोग 'टुच्चत्व' प्राप्त नेताओं की भी गरिमा का पूरा ध्यान रख रहे हैं। मारना है तो जूते मारो न । सस्ती चप्पल क्या चलाना। लेकिन चिंता की बात ये है कि लोगबाग़ निशाना सही नहीं लगा पा रहे। यहीं पर अपना इंडिया मार खा रहा है। लोग फेंकते हैं नेताओं पर, लेकिन गिरता है चमचों पर। बेचारे चमचो की 'बेइज़्ज़ती खराब' हो जाती है. कमजोर निशाने के कारण ही तो हम लोग निशानेबाज़ी की विश्वस्तरीय प्रतियोगिताओं में पिछड़ रहे हैं। छी। वैसे लोग नेताओं पर जूते चप्पल फेंक- फेंक कर अभ्यास तो निरन्तर कर रहे है। उन्हें पक्का विश्वास है कि वे होंगे कामयाब एक दिन।

उस दिन जब नेता जूता खाते-खाते बचा तो मुस्करा कर चमचों की ओर निहारा और बोला, ''देखा, कैसे बचा. यही है राजनीति। इससे क्या सबक मिला, बताओ?'' एक चमचा बोला, ''सौ -सौ जूते खाय तमाशा घुस के देखो वाली कहावत तो सुनी है, लेकिन जूते खाने से बचने के सबक को हम अभी समझ नही पाए हैं.'' नेता ने कहा, ''सीधी-सी बात, जब कभी जूता-भक्षण की नौबत आए तो अपने किसी चमचे को आगे कर दो. मेरे इस बचाव को देख लो. कल जब तुम मेरी तरह बड़े नेता बन कर जूते-चप्पल खाने की नौबत तक पहुंचोगे तो इस सबक को याद रखना। भाषण देते समय कमांडो की तरह नज़र चौकस रखो. क्या पता, कब कोई सरफिरा टाइप का जीव जूते-चप्पल या सड़े अंडे-टमाटर वगैरह फेंक दे।'' चमचे ने पूछा - नेताजी,ऐसी नौबत ही क्यों आती है ? क्या बिना जूते खाए राजनीति में कोई सफल नही हो सकता? आए दिन यही सुनते हैं कि उसे पडी, इसे पडी. मुझे तो डर लगने लगा है. पिछले दिनों घरवाली ने हड़का दिया है कि राजनीति में चमचे बन कर घुस तो गए हो, मगर जिस दिन जूते खा कर घर आओगे, तो मैं मैके चली जाऊंगी, तुम देखते रहियो।। आपके कारण आज मुझे पड़ गई, पड़नी थी आपको। अब घर जाकर पत्नी को क्या मुंह दिखाऊँगा। अगर जूते वाला चित्र कहीं छप गया तो घर पर न जाने कितनी बार 'चप्पलानन्द' मिलेगा, कह नहीं सकता.'' नेताजी हँस कर बोले, ''अरे भोले, राजनीति में आगे बढ़ना है तो जूते, चप्पल आदि के वार से क्या डरना। ये सब तो राजनीति से 'साइड इफेक्ट' हैं पगले. सेना के जवान सीमा पर लड़ कर वीरगति को प्राप्त होते हैं, मगर हमारे जैसे महान नेता को एक-न-एक दिन 'जूतागति' को प्राप्त होना ही पड़ता है। अपनी-अपनी किस्मत. लेकिन जैसे सब्र का फल मीठा होता है, उसी तरह राजनीति में पिटते रहने का फल भी मिलता है। एक दिन वो बहुत बड़ा नेता बन जाता है। महान कवि चुरकुट जी कहते हैं - जूता -चप्पल खाय के, हो नेता सम्मान, जो न इसको पात है, वो न बने महान''. नेता की बात सुनकर चमचे की जिज्ञासा शांत हुई और वह नेता ज़िंदाबाद करने लगा.

इतिहास

- 1858: एच.ई. स्मिथ ने वॉशिंग मशीन के पेटेंट के लिए आवेदन किया।
- 1905: नॉर्वे ने स्वीडन से अलग होने की प्रक्रिया में स्वतंत्रता प्राप्त की।
- 1934: महात्मा गांधी के संरक्षण में अखिल भारतीय ग्रामीण उद्योग संघ की स्थापना हुई।
- 1947: जम्मू-कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने भारत के साथ विलय के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए।
- 1951: विंस्टन चर्चिल दूसरी बार ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने।
- 1962: भारत-चीन युद्ध के दौरान भारत में आपातकाल की घोषणा की गई।
- 1994: इजरायल और जॉर्डन के बीच शांति संधि पर हस्ताक्षर हुए।
- 2001: अमेरिका में पैट्रियट एक्ट कानून बना।

सरगांव में टीएस सिंहदेव का भाजपा सरकार पर तीखा हमला

बोले: हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही सरकार, हाफ बिजली योजना बंद होने और स्मार्ट मीटर के भारी बिल से जनता परेशान

विश्व केसरी■



मुंगेली/सरगांव (रवि शुक्ला)। छत्तीसगढ़ प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता टीएस सिंहदेव एक दिवसीय प्रवास पर जिले के सरगांव पहुंचे। इस दौरान साहू समाज भवन में नगर पालिका अध्यक्ष रोहित शुक्ला के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनका आत्मीय स्वागत किया। सिंहदेव के आगमन से स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। अपने प्रवास के दौरान उन्होंने मुस्लिम समाज,यादव समाज,आदिवासी समाज सहित विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों और कांग्रेस के अन्य नेताओं से भेंट-मुलाकात कर क्षेत्र की राजनीतिक एवं सामाजिक गतिविधियों पर चर्चा की।

इस अवसर पर टीएस सिंहदेव ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्तमान सरकार हर मोर्चे पर असफल साबित हो रही है। प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जताते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है, जिसके चलते लगातार घटनाओं में वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने बेहतर शासन,सुरक्षा और विकास की उम्मीदों के साथ सरकार से अपेक्षाएं की थीं, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों को लेकर आम लोगों में असंतोष बढ़ रहा है।

हाफ बिजली योजना बंद होने और स्मार्ट मीटर के बिल पर उठाए सवाल

पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कांग्रेस सरकार की जनहितकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार की नीतियों से प्रदेश के किसान, व्यापारी, महिलाएं और समाज के विभिन्न वर्ग लाभान्वित हुए थे। उन्होंने कहा कि हाफ बिजली योजना ने आम उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बिजली बिल में मिलने वाली राहत से मध्यमवर्गीय परिवारों और घरेलू उपभोक्ताओं को अपने खर्चों का प्रबंधन करने में मदद मिलती थी।

सिंहदेव ने आरोप लगाया कि प्रदेश में भाजपा की सरकार आने के बाद सबसे पहले हाफ बिजली योजना को बंद किया गया और घर-घर स्मार्ट मीटर लगाए गए। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर के माध्यम से आने वाले भारी-भरकम बिजली बिलों से आम जनता परेशान है। उनके अनुसार,बिजली जैसी बुनियादी जरूरत से जुड़ी योजनाओं में आम नागरिकों को राहत मिलनी चाहिए,ताकि महंगाई के दौर में परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े।

उन्होंने कांग्रेस सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि जनकल्याणकारी नीतियों का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को राहत देना और आर्थिक रूप से मजबूत बनाना था। उन्होंने प्रदेश की वर्तमान परिस्थितियों को लेकर भाजपा सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए।

रोहित शुक्ला बोले:वरिष्ठ नेताओं के आगमन से कार्यकर्ताओं में बढ़ता है उत्साह

नगर पालिका अध्यक्ष रोहित शुक्ला ने टीएस सिंहदेव का स्वागत करते हुए कहा कि प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं का आगमन पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायी होता है। इससे कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार होता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की विचारधारा जनहित,सामाजिक समरसता और आम जनता के अधिकारों की रक्षा पर आधारित है।

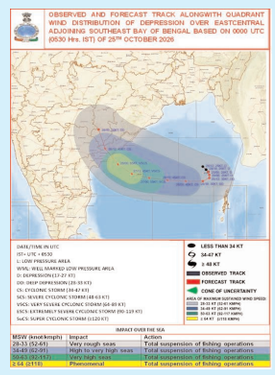
रोहित शुक्ला ने विश्वास जताया कि आने वाला समय कांग्रेस के लिए अनुकूल होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने तथा जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा सरकार की नीतियों और जनसमस्याओं को लेकर लगातार आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश में कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए सभी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ जुटे हुए हैं।

विभिन्न समाजों और कांग्रेस नेताओं से की मुलाकात

सरगांव प्रवास के दौरान टीएस सिंहदेव ने विभिन्न सामाजिक वर्गों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इस भेंट-मुलाकात को क्षेत्र में सामाजिक संवाद और कांग्रेस संगठन के कार्यकर्ताओं से संपर्क के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। साहू समाज भवन में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में स्थानीय नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनका अभिनंदन किया और संगठन से जुड़ी गतिविधियों में अपनी सहभागिता दिखाई। इस दौरान कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल रहा। कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय कांग्रेस नेताओं को वरिष्ठ नेतृत्व के साथ संवाद करने का अवसर मिला। इस अवसर पर पूर्व विधायक चंद्रभान बारमते, पूर्व विधायक सियाराम कौशिक, पंकज सिंह, एजाज खोखर, शहर कांग्रेस अध्यक्ष दीपक गुप्ता, देवेंद्र वैष्णव, असद खोखर, सुरेंद्र, जैतराम खांडे, नीरज यादव सहित अन्य कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

चक्रवात के असर से बारिश की संभावना, जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर

विश्व केसरी■



बलरामपुर (आफताब आलम)। मौसम विभाग के अनुसार चक्रवात के उत्तरी आंध्र प्रदेश तट पर लैंडफॉल करने की संभावना है। इसके प्रभाव से 27 अक्टूबर को सुकमा एवं दंतेवाड़ा तथा 28 और 29 अक्टूबर को प्रदेश के सभी जिलों में वर्षा का पूर्वानुमान है, वहीं कुछ जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। संभावित स्थिति को देखते हुए कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने जिला प्रशासन को पूरी तरह सतर्क रहने को कहा है।

उन्होंने राजस्व अमले और आपदा प्रबंधन टीम को हर समय अलर्ट मोड पर रहकर जलभराव एवं बाढ़ की आशंका वाले संवेदनशील स्थलों पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जनहानि रोकना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी आपात स्थिति में प्रभावितों तक तत्काल राहत पहुँचाई जाए।

कलेक्टर ने जिला एवं तहसील स्तर पर कंट्रोल रूम सक्रिय रखते हुए मौसम विभाग की चेतावनियों पर लगातार नजर रखने को कहा है। राजस्व, पुलिस, नगरीय निकाय, पंचायत, स्वास्थ्य और विद्युत सहित सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। निचले इलाकों तथा बाढ़ संभावित क्षेत्रों को चिन्हित कर राहत एवं बचाव की व्यवस्था पहले से करने और एसडीआरएफ, होमगार्ड व अन्य बचाव दलों को आवश्यक उपकरणों के साथ तैयार रखने को कहा गया है। जलाशयों और बांधों के जलस्तर की नियमित निगरानी के साथ ही पानी छोड़े जाने की स्थिति में संबंधित क्षेत्रों के लोगों को समय रहते सूचना देने पर भी उन्होंने विशेष जोर दिया। कलेक्टर ने नागरिकों से अपनी, अपने परिवार और आसपास के लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की है।

कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल परदेशी की अध्यक्षता में कृषि एवं संबद्ध विभागों की हुई संभागीय बैठक

विश्व केसरी■



बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। राज्य शासन के कृषि उत्पादन आयुक्त एवं कृषि सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी की अध्यक्षता में शुक्रवार को कृषि एवं संबद्ध विभागों की संभागीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में खरीफ वर्ष 2026 के अंतर्गत संचालित कृषि गतिविधियों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही आगामी रबी वर्ष 2026-27 के कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कृषि उत्पादन आयुक्त परदेशी ने किसानो की आमदनी बढ़ाने के लिए खेती-किसानी के साथ कुक्कुटपालन, मछलीपालन, बकरीपालन और उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा देने पर जोर दिया उन्होने विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्ययोजना तैयार कर योजनओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में खरीफ सीजन के दौरान हुई प्रगति की समीक्षा के साथ रबी सीजन की तैयारियों पर चर्चा किया गया। कृषि एवं संबद्ध विभागों के बीच आपसी समन्वय स्थापित कर निर्धारित कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी चर्चा की गई। कृषि उत्पादन आयुक्त परदेशी ने कहा कि खरीफ सीजन में बिलासपुर संभाग में अच्छा कार्य हुआ है, जिसमें सम्भाग के सभी जिलों का भी अच्छा प्रदर्शन रहा। उन्होंने कहा कि रबी सीजन में भी इसी तरह हम सबको सामंजस्य के साथ कार्य करना होगा, ताकि निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति हो सके। उन्होंने कृषि एवं संबद्ध विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर शासन की योजनाओं का लाभ किसानों तक समय पर पहुंचाने पर जोर दिया।

कलेक्टर के निर्देश पर राजस्व अमला सक्रिय, गांवों में गिरदावरी व डिजिटल क्रॉप सर्वे का सत्यापन



बलरामपुर (आफताब आलम)। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देश पर जिले में फसल गिरदावरी और डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसी क्रम में शंकरगढ़ तहसील के ग्राम नावाडीह एवं डीपाडीहखुर्द तथा ग्राम कृष्णनगर (धमनी) में राजस्व अमले ने खेतों में पहुंचकर गिरदावरी की, वहीं विकासखंड वाड्रफनगर की रघुनाथनगर तहसील के ग्राम बलंगी और गैना में डिजिटल क्रॉप सर्वे का भौतिक सत्यापन किया गया। सत्यापन के दौरान खेतों में बोई गई फसलों का मिलान अभिलेखों में दर्ज प्रविष्टियों से किया गया। सटीक फसल रिकॉर्ड से किसानों को समर्थन मूल्य पर धान विक्रय सहित शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में सुविधा होगी। जिला प्रशासन द्वारा यह कार्य समय-सीमा में त्रुटिरहित ढंग से पूर्ण कराने के लिए नियमित निगरानी की जा रही है।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव की पहल से नांदघाट-मुंगेली फोरलेन निर्माण ने पकड़ी रफ्तार

विश्व केसरी■



मुंगेली (रवि शुक्ला)। जिले में सड़क अधोसंरचना को मजबूत बनाने और आवागमन को सुगम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। नांदघाट-मुंगेली राज्य राजमार्ग क्रमांक-10 के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के साथ फोरलेन निर्माण के लिए 13,834 लाख रुपये अर्थात 138 करोड़ 34 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के निर्देशानुसार स्वीकृत इस परियोजना के तहत कुल 36.40 किलोमीटर लंबे मार्ग का उन्नयन किया जाएगा। इस कार्य से क्षेत्र में सड़क सुविधाओं के विस्तार के साथ यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

नांदघाट-मुंगेली मार्ग लंबे समय से क्षेत्र के लोगों के लिए आवागमन का एक महत्वपूर्ण मार्ग रहा है। इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहन,यात्री तथा व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़े लोग आवागमन करते हैं। पूर्व में सड़क की स्थिति अत्यधिक जर्जर होने के कारण वाहन चालकों और यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। सड़क की खराब स्थिति से न केवल आवागमन प्रभावित होता था,बल्कि यात्रा के दौरान समय और वाहन संचालन से जुड़ी कठिनाइयां भी बढ़ जाती थीं।

जर्जर सड़क से मिलेगी राहत,बढ़ेगी आवागमन की सुविधा

सड़क की स्थिति और क्षेत्र में बेहतर आवागमन की आवश्यकता को देखते हुए लोक निर्माण विभाग द्वारा इसके चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण की योजना को स्वीकृति प्रदान की गई है। 36.40 किलोमीटर लंबे इस मार्ग को फोरलेन के रूप में विकसित करने का उद्देश्य सड़क की क्षमता बढ़ाना,यातायात को अधिक व्यवस्थित बनाना और यात्रियों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध कराना है। फोरलेन सड़क विकसित होने से वाहनों की आवाजाही को अधिक सुगम बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही सड़क की चौड़ाई बढ़ने और संरचना मजबूत होने से नियमित यात्रियों, स्थानीय नागरिकों,वाहन चालकों तथा व्यापारिक गतिविधियों से जुड़े लोगों को लाभ मिल सकता है।

चिरमिरी सुपर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ उद्घाटन मैच में रॉयल चैलेंजर्स बरतूंगा ने मारी बाजी



विश्व केसरी■

चिरमिरी (राजेश उपाध्याय)। चिरमिरी के हल्दीबाड़ी स्थित हीरागिर ग्राउंड में आईपीएल की तर्ज पर रोमांचक 'चिरमिरी सुपर लीग' क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ हो गया है। इस महामुकाबले में कुल 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जो आईपीएल की तर्ज पर ही आपस में भिड़ेंगी और इसके बाद फाइनल मुकाबला भी आईपीएल की पद्धति पर ही आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट के उद्घाटन मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बरतूंगा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की है।

टूर्नामेंट के इस शानदार शुभारंभ अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय पुरुषोत्तम सोनकर रहे तथा अध्यक्षता विग्नेश्वर शरण सिंहदेव ने की। इसके साथ ही समारोह में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में राजू नायक, डमरू बेहरा, मनोज डे, संजय सिंह, बबलु शर्मा, नरेन्द्र साहू, रीत जैन, गोमती द्विवेदी, पूर्वा स्थापक, अश्विनी अरोरा (कल्लू), पूजा, देवकरण, बॉबी, भागवत, अनुसुईया, श्रीपत राय, के. डोंमरू रेड्डी, गायत्री बिरहा, सुभाष कश्यप, वेंकटेश, अल्लू केसरवानी, ओम प्रकाश गुप्ता, अनीश, माधुरी कश्यप और इम्तियाज (गुदड़) उपस्थित रहे। साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में रमा शंकर मिश्रा, नितिन सिंह, नौशाद, प्रदीप विश्वास, अलोक विश्वास, नीटू चाचा, नवीन साहा और चन्दन गुप्ता ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

सक्ती में मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट दिवस मनाया गया

विश्व केसरी■



सक्ती (ईश्वर लोधी)। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 24 अक्टूबर को सर एंटोनी वान ल्यूवेनहॉक के जन्मदिवस के अवसर पर मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट दिवस मनाया जाता है कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ एन के सिदार, खंड चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सक्ती, एवं डॉ अभिषेक कुर्रे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुरदा, डॉक्टर नीलांबर कंवर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पोरथा एवं डॉक्टर प्रियंका सिदार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मसनियॉकला उपस्थित रहे । कार्यक्रम की शुरुआत सर एंटोनी वान ल्यूवेन्हॉक के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना करके शुभारंभ किया गया। डॉ एन के सिदार ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा में मेडिकल लैब टेक्नोलॉजीस्ट की अहम भूमिका रहती है क्योंकि चिकित्सा क्षेत्र में किसी भी बीमारी की पहचान के लिए खून पेशाब की जांच एवं उसके परिणाम के आधार पर ही किसी बीमारी की सही डायग्नोसिस कर उचित इलाज करना संभव हो पाता है । कार्यक्रम में उपस्थित सभी डॉक्टरों ने एम एल टी दिवस की शुभकामनाएं दी । रवि शंकर श्रीवास के द्वारा जानकारी दी गई की सर एंटोनी वान ल्यूवेनहॉक कैसे एक कपड़ों के व्यापारी ने एक वैज्ञानिक बनने तक का सफर तय किया और वह कैसे माइक्रोस्कोप एवं माइक्रोबायोलॉजी के जनक कहलाए और आज उनके जन्म दिवस को मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट दिवस के रूप में हम मनाते हैं। कार्यक्रम की अंतिम कड़ी में केक काटकर खुशियां मनाई गई।आयोजित कार्यक्रम में लक्ष्मी प्रसाद बघेल , कमलेश चंद्रा, सीमा साहू, प्रभा कंवर, योगीता, खुशबू, सुभाषनी, संजय बंजारे, हितेश्वर प्रसाद सिदार, प्रयागराज, अनिल सिदार, रवि शंकर श्रीवास, निलेश, आशीष,फलक बानो , नैना, अमीषा , कन्हैया, उषा, गंगा, अंजुलता, सन्नी, जयराम, रुपेश, त्रिभुवन, आकाश, राकेश, तुलसी, चैतन्य, शिवगंगा, राजेश्वरी एवं स्वास्थ्य विभाग के सभी कैडरो के अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थित मे कार्यक्रम संपन्न हुआ ।

जिले में 14 नए केंद्रों के साथ अब 154 उपार्जन केंद्रों में होगी धान खरीदी

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। धान की उपज बेचने के लिए गाड़ी किराए पर लेने और कई किलोमीटर दूर जाने की परेशानी से अब ग्राम सरसेनी सहित बकरकुदा और मटिया के किसानों को राहत मिलेगी। जिले के मस्तूरी विकासखंड की ग्राम पंचायत सरसेनी में इस खरीफ सीजन से नया धान खरीदी केंद्र खोला जा रहा है। केंद्र से तीनों गांवों के 784 किसानों को नजदीक में ही धान बेचने की सुविधा मिलेगी। इनमें 766 पुराने और लगभग 18 नए पंजीकृत किसान शामिल हैं। क्षेत्र के अधिकांश किसान छोटे कृषक हैं, जिनके लिए परिवहन खर्च में कमी के साथ उन्हें बड़ी राहत होगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने के साथ ही धान बिक्री की सुविधा उनके नजदीक उपलब्ध कराने के लिए उपार्जन केंद्रों का विस्तार कर रही है। किसानों को धान का प्रति क्विंटल 3,100 रुपए मूल्य दिलाने की प्रतिबद्धता के साथ बिलासपुर जिले में 14 नए धान खरीदी केंद्र बनाए गए हैं। जिले के 140 पुराने और 14 नए केंद्रों को मिलाकर अब कुल 154 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से धान खरीदी की जाएगी। इससे किसानों की दूरी घटेगी और धान परिवहन में लगने वाले खर्च तथा समय की बचत होगी। ग्राम पंचायत सरसेनी की सरपंच आंचल नारायण सोल्डे ने बताया कि सरसेनी के किसानों को अब तक धान बेचने के लिए लगभग आठ किलोमीटर दूर जैतपुर जाना पड़ता था। छोटे किसानों को अपनी सीमित उपज ले जाने के लिए भी गाड़ी किराए पर करनी पड़ती थी।

नई योजना की चकाचौंध में दम तोड़ती पुरानी योजना, छत्तीसगढ़ में मनरेगा का करोड़ों का भुगतान लंबित

विश्व केसरी■



सक्ती (ईश्वर लोधी)। देश भर में 1 जुलाई 2026 से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को बंद कर उसके स्थान पर एक नई ऐतिहासिक व्यवस्था 'विकसित भारत रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन' (वीबी-जी राम जी एक्ट) को लागू कर दिया गया है। केंद्र और छत्तीसगढ़ शासन द्वारा इस नई योजना के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, जिसमें मजदूरों की दिहाड़ी 261 रुपए से बढ़ाकर 300 रुपए करने और 100 दिनों के बजाय 125 दिनों के सुनिश्चित रोजगार की बात कही गई है। लेकिन इस चमक-दमक के पीछे एक कड़वी सच्चाई यह है कि राज्य के कई पंचायतों में पुरानी मनरेगा योजना के तहत मजदूरी भुगतान तो कर दिया गया है परंतु कार्य में प्रयुक्त सामाग्री जो लगाई गई है उस सामग्री का भुगतान लंबे समय से लंबित पड़ा हुआ है, जिस पर छत्तीसगढ़ शासन ध्यान नहीं दे रही है।

नई योजना का स्वागत, पर पुराने हक़ का क्या?

नियमों के मुताबिक, विकसित भारत जी राम जी योजना के तहत ग्रामीण विकास के लिए करोड़ों रुपये का अंतरिम आवंटन तो किया गया है, लेकिन ग्राम पंचायतों में पूर्व में मनरेगा के तहत कराए गए कार्यों की सामग्री का भुगतान अधर में लटका हुआ है। कई जिलों में फंड की अनुपलब्धता या प्रशासनिक उदासीनता के कारण पुरानी फाइलें बंद होने की कगार पर हैं, जिससे दीपावली और त्योहारों के इस सीजन में कई घरों में मायूसी छाई हुई है। चूंकि कार्य की जिम्मेदारी सरपंचों के ऊपर रहती है इसलिए सरपंच बाजार से अपनी जिम्मेदारी पर सामग्री क्रय करते हैं जिसका भुगतान भी उन्हीं को करना पड़ता है। सरपंचों का कहना है कि हमने बाजार से उधार लेकर कार्य संपन्न करा दिया है मगर हमको शासन के द्वारा अभी तक सामाग्री के बिल का भुगतान नहीं किया गया है। त्योहार के इस समय व्यापारी घर पर आकर पूरे गांव के सामने तकादा मार रहे हैं जिससे अप्रिय स्थिति निर्मित हो रही है।

शासन की अनदेखी से आक्रोश

ग्रामीण क्षेत्रों से आ रही खबरों के मुताबिक, ग्राम पंचायतों के अधिकारियों का कहना है कि सरकार नई योजना के तहत 7 से 15 दिनों के भीतर सीधे बैंक खातों में भुगतान और देरी होने पर अतिरिक्त ब्याज या बेरोजगारी भत्ता देने का वादा कर रही है, जो कि कागजों और भाषणों में बहुत आकर्षक है।

परंतु हकीकत यह है कि उनके पुराने पसीने की कमाई तथा भुगतान महीनों से शासन के पास अटकी हुई है। इस गंभीर विषय पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी चिंता जताई है। उनका आरोप है कि छत्तीसगढ़ शासन नई योजना का ढिंढोरा पीटने में इतनी व्यस्त है कि उसे लंबित भुगतानों को क्लियर करने की सुध ही नहीं है।

अधर में लटके निर्माण कार्य

भुगतान न होने के कारण पंचायत स्तर पर पूर्व में स्वीकृत तालाब गहरीकरण, सुदूर सड़क और कूप निर्माण जैसी कई पुरानी बुनियादी ढांचा योजनाएं भी बीच में ही रुक गई हैं। सरपंचों और रोजगार सहायकों का कहना है कि जब तक पुराना बकाया नहीं मिलेगा, तब तक गांवों में नई 'जी राम जी योजना' को सुचारू रूप से धरातल पर उतारना बेहद चुनौतीपूर्ण होगा। अब देखना यह होगा कि छत्तीसगढ़ शासन कब नींद से जागती है और इन गरीब मजदूरों के हक का लंबित भुगतान कर उन्हें राहत पहुंचाती है।

जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जल एवं स्वच्छता मिशन समिति की बैठक 27 को

बिलासपुर। जिला जल एवं स्वच्छता मिशन समिति की बैठक कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में 27 अक्टूबर, मंगलवार को दोपहर 12 बजे से कलेक्टोरेट स्थित मंथन सभाकक्ष में आयोजित की गई है। बैठक समय-सीमा की बैठक के उपरांत होगी। बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया जाएगा। पूर्ण एवं हस्तांतरित हर घर जल योजनाओं के भुगतान तथा चालित देयकों के भुगतान की स्वीकृति संबंधी विषय रखे जाएंगे। इसके साथ ही राज्योत्सव की थीम 'नारी शक्ति-युवा उड़ान' से संबंधित विभागीय मॉडल के प्राक्कलन की स्वीकृति और अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा की जाएगी।

मार्केट आउटलुक: फेड बैठक, तिमाही नतीजों और कच्चे तेल से तय होगी शेयर बाजार की चाल

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी महत्वपूर्ण होने वाला है। इस दौरान फेड बैठक, तिमाही नतीजों, कच्चे तेल की कीमते औरअमेरिका-ईरान तनाव बाजार की चाल निर्धारित करेंगे।

ब्याज दरों की समीक्षा के लिए अमेरिकी फेड की बैठक 27-28 अक्टूबर होगी। यह बैठक ऐसे समय पर हो रही है जब कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और वैश्विक स्तर पर अस्थिरता से कारण महंगाई बढ़ने का खतरा बना हुआ है। इस बैठक के फैसलों का ऐलान 28 अक्टूबर को किया जाएगा, जिस पर दुनियाभर के निवेशकों की निगाहें टिकी हुई हैं।

इसके अलावा, अमेरिका-ईरान तनाव भी बाजार के लिए काफी अहम होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी ईरान पर नई एयर स्ट्राक्स को लेकर बयान दे चुके हैं। इससे कच्चे तेल भी ऊपरी स्तरों पर बना हुआ हैं। अगले हफ्ते बाजार में यह फैक्टर्स अहम भूमिका निभाएंगे।



इसके अलावा, 26-30 अक्टूबर के कारोबारी सत्र में कई बड़ी कंपनियां नतीजे जारी करेंगी। इंडियन ओवरसीज बैंक, महाराष्ट्र बैंक, मैनकाइंड, पेटीएम, एनडीटीवी, टाटा कंज्यूमर, एसीसी, बजाज ऑटो, मारुति सुजुकी, जेएसडब्ल्यू सीमेंट, जेएसडब्ल्यू इन्फ्रा, एलएंडटी, सेल, टाटा कैपिटल, अदाणी एटरप्राइजेज और अदाणी पोर्ट्स जैसी कंपनियां शामिल हैं।

भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता हफ्ता काफी नुकसान वाला रहा। इस दौरान व्यापक बाजार में गिरावट देखने को मिली। 19-23 अक्टूबर के कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स 1,605.44 अंक या 2.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73,123.83 और निफ्टी 546.15 अंक या 2.36 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,600.00 पर था।

लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में अधिक बिकवाली देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 3,329.10 अंक या 5.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 55,800.65 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 1,390.35 अंक या 7.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 17,739.45 पर था।

सूचकांकों में सबसे ज्यादा गिरावट डिफेंस में देखी गई। निफ्टी इंडिया डिफेंस 7.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ टॉप लूजर था। निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 6.42 प्रतिशत, निफ्टी मेटल 5.40 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया 5.15 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी 5.04 प्रतिशत, निफ्टी एनर्जी 4.62 प्रतिशत, निफ्टी एफएमसीजी 4.34 प्रतिशत और निफ्टी पीएसई 3.91 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

एलन मस्क ने एक्स मनी के नए फीचर का किया ऐलान, लाइक बटन से यूजर भेज पाएंगे डॉलर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। एलन मस्क ने रविवार को एक्स मनी के प्रस्तावित फीचर का ऐलान किया। इसमें कोई भी यूजर, किसी अन्य यूजर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केवल लाइक बटन को लॉन्ग प्रेस करके आसानी से एक डॉलर भेज पाएगा।

सोशल मीडिया पर इस फीचर का ऐलान करते हुए मस्क ने कहा कि इससे कोई भी यूजर आसानी से एक्स प्लेटफॉर्म पर छोटी राशि किसी अन्य यूजर को भेज सकता है। इस फीचर से यूजर्स के लिए कंटेंट क्रिएटर्स को टिप देना और अपनी पसंद की पोस्ट को सपोर्ट करना आसान हो जाएगा और इसके लिए उन्हें ऐप से बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

यह प्रस्तावित पेमेंट सिस्टम, मस्क की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है जिसके जरिए वे एक्स को एक 'एवरीथिंग ऐप' (सब कुछ करने वाला ऐप) में बदलना चाहते हैं। इस ऐप में सोशल नेटवर्किंग, मैसेजिंग, पेमेंट और अन्य डिजिटल सेवाओं को एक ही इकोसिस्टम में



शामिल किया जाएगा।

मस्क ने एक्स पर लिखा, 'हम 'लाइक' बटन को लॉन्ग प्रेस करके, किसी को एक्स मनी के जरिए 1 डॉलर भेजने की सुविधा जोड़ रहे हैं।' इस प्रस्तावित सिस्टम के तहत, यूजर्स किसी पोस्ट के लेखक को 1 डॉलर का भुगतान कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें बस सामान्य 'लाइक' बटन को दबाकर रखना होगा, और यह ट्रांजैक्शन एक्स मनी के जरिए पूरा होगा। हालांकि इस कॉन्सेप्ट ने यूजर्स और क्रिएटर्स के बीच काफी दिलचस्पी जगाई है, लेकिन कंपनी ने अभी तक इसे लागू करने की विस्तृत समय-सीमा या इसके लिए जरूरी शर्तों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

एक्स मनी को हाल ही में अमेरिका में लॉन्च किया गया है। यह पीयर-टू-पीयर (एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को) पैसे भेजने की सुविधा देता है, साथ ही इसमें एक एक्स वीजा डेबिट कार्ड भी मिलता है, जिसका इस्तेमाल फिजिकल और डिजिटल दोनों तरह के ट्रांजैक्शन के लिए किया जा सकता है। इस डेबिट कार्ड को एप्पल पे से भी जोड़ा जा सकता है, जिससे उन जगहों पर कॉन्टैक्टलेस पेमेंट किया जा सकता है जहां यह सुविधा उपलब्ध है। प्लेटफॉर्म ने ऐसे फीचर्स को भी बढ़ावा दिया है जो अंतरराष्ट्रीय ट्रांजैक्शन को आसान बनाते हैं। हालांकि, इसके सटीक फायदे और शर्तें यूजर की पात्रता और लागू नियमों के आधार पर अलग-अलग हो सकती हैं। फिलहाल, एक्स मनी का पूरा ध्यान अमेरिकी बाजार पर है। कंपनी ने अभी तक यह नहीं बताया है कि यह सर्विस या 'लाइक' बटन के जरिए भुगतान करने का नया फीचर भारत सहित अन्य देशों में कब उपलब्ध होगा।

महंगे कच्चे तेल का असर! विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में 53,337 करोड़ रुपए इक्विटी से निकाले

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कच्चे तेल के बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का दाम लगातार 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर रहने से विदेशी निवेशकों का भारतीय बाजार में रुझान बिकवाली का बना हुआ है और वे लगातार इक्विटी से पैसे निकाल रहे हैं। यह बयान एनालिस्ट की ओर से रविवार को दिया गया।

अक्टूबर में अब तक एफपीआई (फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स) की कुल बिक्री 53,337 करोड़ रुपए रही है। हालांकि, इस दौरान एफपीआई ने भारतीय आईपीओ बाजार में 5,281 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार डॉ. वी.के. विजयकुमार ने कहा, 'इस साल एक्सचेंजों के जरिए एफपीआई की कुल बिकवाली 3,69,164 करोड़ रुपए रही।' निवेश प्रवाह के मोर्चे पर, एफपीआई लगातार 10वें हफ्ते



शुद्ध बिकवाल बने रहे। 23 अक्टूबर को समाप्त हुए हफ्ते में, एफपीआई ने अपनी बिकवाली काफी कम कर दी और दो दिन तो वे खरीदार भी बन गए।

यूएस बॉन्ड यील्ड में नरमी (10-साल की यील्ड का 5.36 प्रतिशत से घटकर लगभग 5 प्रतिशत पर आना), डॉलर के मुकाबले रुपए का मजबूत होकर 94.94 पर पहुंचना, और खास तौर पर लार्ज-कैप शेयरों का कम वैल्यूएशन - इन सभी कारकों ने एफपीआई की बिकवाली को कम करने में मदद की है।

आगे चलकर, एफआईआई की बिकवाली में लगातार कमी आना थोड़ी राहत की बात है, हालांकि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और व्यापक बाजार में भारी कमजोरी अभी भी गिरावट का जोखिम बनाए हुए हैं। इस हफ्ते बाजार का एक अहम ट्रेंड मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में आई भारी गिरावट रही।

इस हफ्ते निफ्टी मिड-कैप 100 में 5.6 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉल-कैप 100 में 7.3 प्रतिशत की भारी गिरावट आई, जबकि निफ्टी 50 ने बेहतर मजबूती दिखाई और इसमें केवल 2.35 प्रतिशत की ही गिरावट दर्ज की गई।

जानकारों का मानना है कि व्यापक बाजार में आई इस गिरावट की एक वजह मार्जिन-फंडेड लॉन्ग पोजीशन की 'फोर्सड लिक्विडेशन' हो सकती है।

लार्ज-कैप शेयरों की मजबूती का मुख्य कारण डीआईआई (घरेलू संस्थागत निवेशकों) द्वारा इन शेयरों की खरीदारी है, जिनके पास निवेश के लिए काफी फंड मौजूद है। जानकारों के अनुसार, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें अर्थव्यवस्था और बाजार के लिए एक बड़ी बाधा बनी हुई हैं।

25,000 रुपए की मासिक एसआईपी या 5 लाख रुपए का लंपसम निवेश, 20 साल में किससे बनेगा ज्यादा फंड?

विश्व केसरी

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के मन में अक्सर यह सवाल रहता है कि एक साथ बड़ी रकम निवेश करना बेहतर है या हर महीने थोड़ी-थोड़ी राशि लगाना। दोनों तरीकों के अपने फायदे और जोखिम होते हैं। अगर आपके पास 5 लाख रुपए हैं, तो आप इस रकम को एकमुश्त निवेश कर सकते हैं। वहीं, नियमित आय होने पर 25,000 रुपए की मासिक एसआईपी भी शुरू कर सकते हैं। लेकिन 20 साल में किस विकल्प से कितना बड़ा निवेश फंड बन सकता है? चलिए कैलकुलेशन के जरिए समझते हैं।

एकमुश्त निवेश का मतलब है कि आप अपनी पूरी रकम एक ही बार में म्यूचुअल फंड में लगा देते हैं। इस तरीके में शुरुआत से ही पूरी राशि निवेशित रहती है और उसे लंबे समय तक बाजार में बढ़ने का



अवसर मिलता है। हालांकि, अगर निवेश के समय बाजार ऊंचे स्तर पर हो और उसके बाद गिरावट आए, तो आपको शुरुआती वर्षों में नुकसान भी उठाना पड़ सकता है।

मान लीजिए कि आप किसी इक्विटी म्यूचुअल फंड में 5 लाख रुपए का एकमुश्त निवेश करते हैं और अगले 20 साल तक आपको सालाना औसतन 12 प्रतिशत का रिटर्न मिलता है। इस स्थिति में आपका निवेश बढ़कर लगभग 48.23 लाख रुपए हो सकता है। इसमें आपकी मूल निवेश राशि 5 लाख रुपए होगी, जबकि अनुमानित लाभ करीब 43.23 लाख रुपए होगा। यानी दो दशक तक निवेश बनाए रखने पर आपकी शुरुआती रकम में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है।

सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट स्कीम यानी एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित राशि म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। इसमें एक साथ बड़ी रकम लगाने की जरूरत नहीं होती, बल्कि नियमित अंतराल पर छोटी-छोटी रकम निवेश करके लंबे समय में बड़ा निवेश कोष बनाने का प्रयास किया जाता है।

नियमित वेतन या कारोबार से आय प्राप्त करने वाले लोगों के लिए यह तरीका सुविधाजनक हो सकता है। बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान एसआईपी के जरिए अलग-अलग कीमतों पर फंड की इकाइयां खरीदी जाती हैं, जिससे निवेश की औसत खरीद लागत को संतुलित करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, इससे नुकसान से बचने या निश्चित रिटर्न मिलने की गारंटी नहीं होती। अब मान लीजिए कि आप हर महीने 25,000 की एसआईपी शुरू करते हैं और 20 साल तक इसे जारी रखते हैं। इस दौरान आपका कुल निवेश 60 लाख रुपए होगा। वहीं अगर आपको सालाना औसतन 12 प्रतिशत का अनुमानित रिटर्न मिलता है, तो आपका निवेश कोष लगभग 2.49 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है।

देश की शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.55 लाख करोड़ रुपए घटा

विश्व केसरी

मुंबई। पिछले सप्ताह भारत की 10 सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनियों में से आठ का कुल बाजार पूंजीकरण 1.55 लाख करोड़ रुपए घट गया। इसकी वजह शेयर बाजार में बड़े स्तर पर बिकवाली होना था। इस दौरान एचडीएफसी बैंक और बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई।

छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह के दौरान प्रमुख शेयर सूचकांकों पर भारी दबाव देखने को मिला। सेंसेक्स 1,605.44 अंक यानी 2.15 प्रतिशत गिर गया, जबकि निफ्टी में 546.15 अंक यानी 2.36 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

व्यापक बाजार में कमजोरी का असर दिखाते हुए बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण चार कारोबारी सत्रों में 20.79 लाख करोड़ रुपए घट गया। यह 16 अक्टूबर के 472.62 लाख करोड़ रुपए से गिरकर 451.83 लाख करोड़ रुपए पर आ गया।

शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण में कुल 1,55,671.9 करोड़ रुपए की गिरावट आई। इसके विपरीत, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ऐसी दो कंपनियां रहीं, जिनके बाजार पूंजीकरण में सप्ताह के दौरान बढ़ोतरी दर्ज की गई।



एचडीएफसी बैंक के बाजार पूंजीकरण में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई। इसका बाजार पूंजीकरण 55,506.95 करोड़ रुपए घटकर 10.67 लाख करोड़ रुपए रह गया। सप्ताह के दौरान बैंक के शेयरों में करीब 5 प्रतिशत की गिरावट आई।

बजाज फाइनेंस बाजार पूंजीकरण में गिरावट के मामले में दूसरे स्थान पर रहा। कंपनी का मूल्यांकन 34,180.51 करोड़ रुपए घटकर 5.77 लाख करोड़ रुपए रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाजार पूंजीकरण में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इसका बाजार पूंजीकरण 27,065.08 करोड़ रुपए घटकर 16.10 लाख करोड़ रुपए रह गया। वहीं, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 21,062.24 करोड़ रुपए घटकर 4.81 लाख करोड़ रुपये पर आ गया।

दूरसंचार क्षेत्र की प्रमुख कंपनी भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 9,360.75 करोड़ रुपए घटकर 11.79 लाख करोड़ रुपए रह गया, जबकि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 4,338.46 करोड़ रुपए घटकर 8.83 लाख करोड़ रुपए पर आ गया। इसी तरह, इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 2,881.38 करोड़ रुपए घटकर 4.69 लाख करोड़ रुपए रह गया, जबकि आईसीआईसीआई बैंक के मूल्यांकन में 1,276.53 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 10.02 लाख करोड़ रुपए पर आ गया। वहीं, बढ़त दर्ज करने वाली कंपनियों में टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 23,517.56 करोड़ रुपए बढ़कर 9.15 लाख करोड़ रुपए हो गया। इंजीनियरिंग और बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एलएंडटी ने भी नकारात्मक रुझान के विपरीत प्रदर्शन किया। इसका बाजार पूंजीकरण 1,788.66 करोड़ रुपए बढ़कर 5.02 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

अदाणी एयरपोर्ट्स और इंडिगो ने नवी मुंबई एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के विस्तार किया ऐलान

विश्व केसरी

मुंबई। इंडिगो और अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने रविवार को नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनएमआईए) पर चरणबद्ध तरीके से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के विस्तार का ऐलान किया। इसके तहत इंडिगो फरवरी 2027 से तेजी से एनएमआईए पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बढ़ाएंगी।

एनएमआईए पर अपने परिचालन विस्तार के तहत , इंडिगो धीरे-धीरे छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट (सीएसएमआईए) से प्रतिदिन उड़ाने वाली 12 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को एनएमआईए में



स्थानांतरित करेगी। इसमें सीएसएमआईए से बहरीन, रियाद, दम्मम, जेद्दा, मदीना, कुवैत, रास अल खैमाह, फुजैराह, मस्कट, ढाका और जकार्ता के लिए संचालित होने वाली सभी मौजूदा उड़ानें शामिल हैं। इसके अलावा, काठमांडू के लिए एक अतिरिक्त दैनिक सेवा भी शुरू की जाएगी, जिससे फरवरी और जुलाई 2027 के बीच एनएमआईए से इंडिगो के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क में कुल 12 गंतव्य शामिल हो जाएंगे।

इंडिगो अपनी जरूरी घरेलू कनेक्टिविटी को भी सीएसएमआईए से एनएमआईए में स्थानांतरित करेगा, ताकि सीएसएमआईए से एनएमआईए तक की इन अंतरराष्ट्रीय सेवाओं को सपोर्ट मिल सके और ग्राहकों को आगे की यात्रा के लिए निर्बाध कनेक्शन मिल सकें। इंडिगो के साथ मिलकर, एएएचएल ने एनएमआईए में जरूरी बुनियादी ढांचा तैयार करने पर काम किया है।

पूर्णिया के व्यापारी बोले-पीएम मोदी के प्रोत्साहन से युवा मखाना की खेती और व्यापार से जुड़ रहे

विश्व केसरी

पूर्णियां। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 139वें एपिसोड में एक बार फिर पूर्णिया के मखाने का जिक्र किया और बताया कि बिहार का मखाना अब ग्रीस तक पहुंच रहा है। 'वोकल फॉर लोकल' पहल पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय उत्पाद वैश्विक बाजारों तक पहुंच रहे हैं, जिससे किसानों और स्थानीय उत्पादकों के लिए नए अवसर खुल रहे हैं। प्रधानमंत्री के इस बयान पर स्थानीय लोगों ने खुशी जताई है।

चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष आदित्य केजरीवाल ने मखाना कारोबार को प्रोत्साहित करने पर आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'प्रधानमंत्री द्वारा मखाना का जिक्र करना, पूर्णियावासियों के लिए गौरव का विषय है। प्रधानमंत्री ने पूर्णिया दौरे के दौरान मखाना कारोबार के विकास को कई बातें कही थीं। मखाना को लेकर कई काम भी प्रधानमंत्री ने



किए हैं। 10 सालों में मखाना कारोबार में अंतर आया है। प्रधानमंत्री मोदी के प्रोत्साहन से आज हजारों युवा मखाना की खेती और व्यापार से जुड़ रहे हैं। मखाना का आज ग्लोबल बाजार है। मखाना हर दृष्टि से खाने योग्य है। प्रधानमंत्री मोदी ने मखाना उद्योग के विकास के लिए बहुत कुछ किया।'

आदित्य केजरीवाल ने कहा, 'मखाना एक सुपरफूड के रूप में अपनाया जा रहा है। पहले किसानों को मखाना से अच्छी आमदनी नहीं होती थी। अब किसानों की मखाना की खेती से आमदनी बढ़ी है। अब मखाना की खेती भी आधुनिक तौर पर की जा रही है। सरकार मखाना की खेती पर सब्सिडी भी दे रही है।'

दूसरी तरफ नये व्यापारी भी अपने पारंपरिक व्यवसाय से इतर मखाना की ओर मुड़ रहे हैं। व्यापारी आदित्य ने कहा, 'जब सरकार व्यवस्था देती है तो व्यापार बढ़ता है। यही कारण है कि आज अन्य व्यापार से अधिक मखाना में मुनाफा हो रहा है। अब तो मखाना चिप्स पैकेट में विभिन्न स्वाद के साथ बाजार में है। आने वाले दिनों में मखाना का बाजार बहुत बड़ा होगा। इसलिए बहुत से युवा मखाना उद्योग और व्यापार की आकर्षित हो रहे हैं। बस एक निवेदन है कि मखाना बोर्ड का गठन दरभंगा में न करके पूर्णिया में किया जाए क्योंकि कच्चा माल यहीं पर होता है।'

हर समय थकान क्यों रहती है? नींद पूरी होने के बाद भी शरीर दे रहा है ये संकेत





सुबह बिस्तर से उठते ही थकान महसूस होना, दिनभर काम करने का मन न करना या छोटी-सी मेहनत के बाद ऊर्जा खत्म हो जाना, ये अनुभव कई लोगों को होते हैं. अक्सर हम सोचते हैं कि शायद नींद पूरी नहीं हुई या काम ज्यादा हो गया है. लेकिन अगर आराम करने के बाद भी शरीर में चुस्ती नहीं लौटती, तो इसकी वजह रोजमर्रा की कुछ आदतें या सेहत से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं. ऐसे में जरूरी है कि थकान को केवल आलस मानकर नजरअंदाज न किया जाए.

दिनभर की भागदौड़ में नाश्ता छोड़ देना, लंबे समय तक भूखे रहना या बार-बार सिर्फ चाय-बिस्कुट पर निर्भर रहना शरीर की ऊर्जा पर असर डाल सकता है. शरीर को ठीक से काम करने के लिए पर्याप्त कैलोरी और अलग-अलग पोषक तत्व चाहिए. अगर खाने में प्रोटीन, आयरन और विटामिन बी12 जैसे पोषक तत्व कम हैं, तो कमजोरी महसूस हो सकती है. इसलिए भोजन में दाल, फलियां, हरी सब्जियां, फल और दूसरे पौष्टिक विकल्प शामिल करें. केवल पेट भरना ही नहीं, संतुलित आहार लेना भी जरूरी है.

कई लोग काम में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि उन्हें पानी पीना याद ही नहीं रहता. शरीर में पानी की कमी होने पर सिरदर्द, चक्कर और थकान जैसी परेशानियां हो सकती हैं. गर्मी में बाहर रहने, व्यायाम करने या ज्यादा पसीना आने पर इसकी जरूरत बढ़ सकती है.



दिनभर थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पानी पीते रहें और अपनी प्यास पर ध्यान दें. हालांकि, जरूरत से ज्यादा पानी पीना भी जरूरी नहीं है; मात्रा व्यक्ति की जरूरत के अनुसार होनी चाहिए.

शरीर भले ही आराम कर रहा हो, लेकिन अगर दिमाग लगातार काम, परिवार या दूसरी चिंताओं में उलझा है, तो ताजगी महसूस करना मुश्किल हो सकता है. लंबे समय तक तनाव रहने से नींद, एकाग्रता और रोजमर्रा के काम करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है. दिन में छोटे ब्रेक लेना, थोड़ी देर टहलना और अपनी पसंद की गतिविधियों के लिए समय निकालना मददगार हो सकता है. अगर चिंता लगातार बनी रहे, तो विशेषज्ञ से बात करना बेहतर है.

शरद पूर्णिमा का सांस्कृतिक वैभव और आध्यात्मिक संदेश

शरद ऋतु की निर्मल रात, आकाश में चमकता पूर्ण चंद्रमा और धरती पर बिखरी चाँदनी का सौंदर्य मन को सहज ही आकर्षित करता है। भारतीय संस्कृति में आश्विन मास की पूर्णिमा का विशेष धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। इसे शरद पूर्णिमा, कोजागरी पूर्णिमा और रास पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। वर्ष 2026 में यह पर्व 25 अक्टूबर, रविवार को मनाया जाएगा। दिल्ली में पूर्णिमा तिथि 25 अक्टूबर को सुबह 11:55 बजे आरंभ होकर 26 अक्टूबर को सुबह 9:41 बजे समाप्त होगी। चंद्रोदय लगभग शाम 5:00 बजे होगा। इस रात लक्ष्मी पूजन, चंद्र आराधना और चाँदनी में खीर रखने की परंपरा निभाई जाएगी।

शरद पूर्णिमा का संबंध प्रकृति की सुंदरता के साथ मनुष्य की आस्था और विश्वास से भी है। वर्षा ऋतु के बाद आकाश स्वच्छ होने लगता है। वातावरण में हल्की ठंडक और चाँदनी की शीतलता एक विशेष अनुभूति उत्पन्न करती है। ऐसा लगता है, मानो प्रकृति स्वयं उत्सव मना रही हो। भारतीय लोकजीवन में चंद्रमा को शीतलता, सौम्यता, प्रेम और मानसिक शांति का प्रतीक माना गया है। यही कारण है कि इस पूर्णिमा की रात को विशेष पुण्यकारी समझा जाता है।

धार्मिक मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा अपनी 16 कलाओं से परिपूर्ण होता है और उसकी किरणों से अमृत बरसता है। इसी विश्वास के आधार पर लोग दूध, चावल और चीनी से बनी खीर को रात में खुले आकाश के नीचे रखते हैं। प्रात:काल इसे प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है और परिवार के सदस्यों में बाँटा जाता है। यह परंपरा केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि परिवार के लोगों को एक साथ बैठने, बातचीत करने और उत्सव की खुशियाँ साझा करने का अवसर भी देती है। हालाँकि, चंद्रकिरणों से खीर में अमृतमय गुण आने की धारणा धार्मिक विश्वास है, वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित तथ्य नहीं।

इस पर्व का एक महत्वपूर्ण पक्ष माँ लक्ष्मी की आराधना है। कोजागरी शब्द का संबंध संस्कृत के प्रश्न 'को जागर्ति?' अर्थात 'कौन जाग रहा है?' से माना जाता है। मान्यता है कि इस रात माँ लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं और जागकर श्रद्धापूर्वक पूजा करने वाले भक्तों को सुख, समृद्धि तथा ऐश्वर्य का आशीर्वाद देती हैं। इसी कारण अनेक लोग रात्रि में लक्ष्मी पूजन करते हैं, दीप जलाते हैं और भजन-कीर्तन के माध्यम से अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हैं। दिल्ली में कोजागरी पूजा का निशीथ काल 25 अक्टूबर की रात 11:40 बजे से 26 अक्टूबर को मध्यरात्रि के बाद 12:31 बजे तक बताया गया है। अलग-अलग पंचांगों में गणना के अनुसार समय में थोड़ा अंतर हो सकता है।

ब्रजभूमि में शरद पूर्णिमा को रास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक परंपरा के अनुसार, इसी मनोरम रात भगवान श्रीकृष्ण ने वृंदावन में गोपियों के साथ महारास रचाया था। श्रीमद्भागवत महापुराण के दशम स्कंध में वर्णित रासलीला प्रेम, भक्ति और आध्यात्मिक समर्पण का अनुपम प्रतीक है। इस प्रसंग में प्रेम को केवल सांसारिक आकर्षण नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा के मिलन की अनुभूति के रूप में देखा जाता है। ब्रज के मंदिरों में इस अवसर पर विशेष पूजा, भजन और रासलीला के आयोजन होते हैं।

यह भी संदेश देती है कि जीवन में बाहरी समृद्धि के साथ मन की निर्मलता और संबंधों की मधुरता भी आवश्यक है। चंद्रमा की शीतल रोशनी हमें संयम, शांति और संतुलन का भाव सिखाती है। माँ लक्ष्मी की पूजा परिश्रम, सदाचार और समृद्धि की कामना से जुड़ती है, जबकि श्रीकृष्ण का महारास प्रेम और समर्पण का महत्व समझाता है। आज जब मनुष्य भागदौड़, तनाव और भौतिक इच्छाओं में उलझा हुआ है, तब ऐसे पर्व परिवार और समाज के साथ जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। शरद पूर्णिमा की चाँदनी में छिपा संदेश यही है कि जीवन की वास्तविक सुंदरता धन-संपत्ति में ही नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, संतोष और आत्मीयता में भी बसती है। यही इस पर्व की शाश्वत सांस्कृतिक विरासत है।

वजन 1 ग्राम भी नहीं... फायदे इतने जबरदस्त की दर्द और सूजन की हो जाए छुट्टी



रसोईघर में आसानी से मिलने वाला तेजपत्ता सेहत के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है. आयुर्वेद एक्सपर्ट डॉ. पंकज सिंह कुशवाहा के अनुसार इस छोटे से पत्ते का सही इस्तेमाल कई गंभीर समस्याओं से राहत दिला सकता है. मौसम बदलने पर होने वाली सर्दी, जुकाम और बंद नाक की समस्या से निपटने के लिए तेजपत्ते को गर्म पानी में डालकर उसकी भाप लेना बेहद असरदार होता है. ऐसा करने से छींक और श्वसन तंत्र से जुड़ी परेशानियों में तुरंत आराम मिलता है.

की भाप से सर्दी-जुकाम में राहत

. पंकज सिंह कुशवाहा ने बताया कि लखनऊ और जयपुर से आयुर्वेद की पढ़ाई पूरी करने वाले और लगभग 8 से 10 वर्ष का अनुभव रखने वाले डॉक्टर कुशवाहा बलिया के शांति आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में सहायक प्रोफेसर के रूप में सेवाएं दे रहे हैं.

के दर्द और सूजन में फायदेमंद तेजपत्ता

में कॉपर, पोटेशियम, आयरन, कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे जरूरी पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं. इसका पानी या चाय पीने से शरीर से हानिकारक टॉक्सिन्स बाहर निकल जाते हैं.

अलावा तेजपत्ते की खुशबू या इसे जलाने से मानसिक तनाव कम होता है और मूड तरोताजा रहता है. हालांकि, किसी भी घरेलू नुस्खे को आजमाने से पहले आयुर्वेदिक चिकित्सक से सलाह लेना बहुत ही जरूरी होता है.

धर्म या कर्म – जीवन में किसकी प्रधानता?

मनुष्य के जीवन में इससे बड़ा प्रश्न शायद ही कोई हो—

धर्म बड़ा है या कर्म?

पूजा बड़ी है या पुरुषार्थ?

मान्यता बड़ी है या कर्तव्य?

ईश्वर का नाम लेना बड़ा है या ईश्वर के बताए मार्ग पर चलना?

यह प्रश्न केवल दर्शन का नहीं, मनुष्य के चरित्र का प्रश्न है।

के जीवन में दो शब्द अत्यंत महत्वपूर्ण हैं—धर्म और कर्म।

दिशा देता है, कर्म पहचान देता है

धर्म हमें बताता है कि क्या उचित है, जबकि कर्म यह निर्धारित करता है कि हम वास्तव में क्या करते हैं।

यह है कि जीवन में प्रधानता किसकी हो—धर्म की या कर्म की?

यदि धर्म है, पर कर्म नहीं, तो वह केवल विचार बनकर रह जाता है। और यदि कर्म है, पर धर्म नहीं, तो वही कर्म विनाश का कारण भी बन सकता है।

इसलिए जीवन का सत्य शायद यह है—

धर्म कर्म को दिशा देता है और कर्म धर्म को प्रमाणित करता है।

धर्म क्या है?

धर्म को केवल पूजा-पद्धति, संप्रदाय, मंदिर या धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित कर देना धर्म की व्यापकता को छोटा कर देना है।

धर्म का मूल अर्थ है—जो धारण करने योग्य हो , जो जीवन और समाज को संभाले।

सत्य बोलना धर्म है।

न्याय करना धर्म है।

कर्तव्य निभाना धर्म है।

निर्बल की रक्षा करना धर्म है।

अपने अधिकार के साथ अपने दायित्व को समझना भी धर्म है।

इस अर्थ में धर्म कोई बाहरी पहचान नहीं, बल्कि अंतरात्मा की व्यवस्था है।

कर्म क्या है?

कर्म वह है जो हमारे विचारों को वास्तविकता में बदलता है।

मनुष्य कितना भी धार्मिक क्यों न दिखाई दे, यदि उसके कर्म में छल, अन्याय, अहंकार और शोषण है, तो उसकी धार्मिकता केवल आवरण है।

इसीलिए कहा जा सकता है—

मनुष्य की असली पहचान उसके शब्दों से नहीं, उसके कर्मों से होती है।

कर्म ही वह दर्पण है जिसमें मनुष्य का वास्तविक चरित्र दिखाई देता है।

कर्म—मनुष्य की असली पहचान

मनुष्य अपने नाम से नहीं,

अपने पद से नहीं,

अपने धन से नहीं,

बल्कि अपने कर्म से बड़ा होता है।

समय सब कुछ छीन सकता है—धन, पद, प्रतिष्ठा और सत्ता भी

लेकिन कर्मों की छाप समय भी नहीं मिटा सकता।

इसीलिए इतिहास में आज भी राम याद हैं, क्योंकि उन्होंने धर्म को केवल कहा नहीं—जिया।

कृष्ण याद हैं, क्योंकि उन्होंने केवल उपदेश नहीं दिया—कर्तव्य का मार्ग दिखाया।

अर्जुन याद है, क्योंकि उसने मोह के अंधकार से निकलकर कर्तव्य का धनुष उठाया।

और महाभारत हमें बताता है—

जब धर्म संकट में हो, तब मौन भी एक कर्म बन जाता है।

गीता का दर्शन — कर्म की प्रधानता

भगवद्गीता में श्रीकृष्ण अर्जुन को कर्म से विमुख नहीं होने देते। वे कर्म के मार्ग को जीवन का अनिवार्य सत्य बताते हैं।

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।

अर्थात मनुष्य का अधिकार कर्म करने में है, उसके फल पर नहीं।

यहाँ कर्म का अर्थ केवल कोई कार्य करना नहीं है। यह कर्तव्य-बोध से किया गया कर्म है।

अर्जुन के सामने युद्ध था, लेकिन प्रश्न केवल युद्ध करने या न करने का नहीं था। प्रश्न था—अपने स्वधर्म और कर्तव्य के प्रति उसकी जिम्मेदारी क्या है?

यहीं कर्म और धर्म एक-दूसरे में मिल जाते हैं।

तो अगला प्रश्न क्या केवल कर्म पर्याप्त है?

नहीं।

क्योंकि कर्म की शक्ति बहुत बड़ी है, लेकिन यदि कर्म से विवेक निकल जाए तो वही शक्ति विनाशकारी हो सकती है।

एक व्यक्ति मेहनत करता है और ईमानदारी से जीवन जीता है—यह कर्म है।

दूसरा व्यक्ति मेहनत करता है, लेकिन छल-कपट से दूसरों का अधिकार छीनता है—यह भी कर्म है।

दोनों ने कर्म किया, लेकिन दोनों के कर्म का मूल्य समान नहीं है।

अंतर कहाँ आया?

आया धर्म से।

कर्म को सही दिशा देने के लिए धर्म आवश्यक है।

क्या केवल धर्म पर्याप्त है?

यह भी संभव नहीं।

यदि कोई व्यक्ति प्रतिदिन पूजा करता है, धार्मिक ग्रंथ पढ़ता है, लेकिन अपने व्यवहार में माता-पिता का अपमान करता है, कर्मचारियों का शोषण करता है, समाज को ठगता है और अपने स्वार्थ के लिए झूठ बोलता है, तो उसके धर्म का वास्तविक मूल्य क्या है?

धर्म यदि जीवन में दिखाई नहीं देता, तो वह केवल अनुष्ठान रह जाता है।

इसलिए—

जिस धर्म का प्रतिबिंब कर्म में दिखाई न दे, वह धर्म अधूरा है।

टच-मी-नॉट... कमाल की खूबसूरती लेकिन स्किन और बालों के लिए रामबाण



बलिया: आयुर्वेद का एक ऐसा खूबसूरत और चमत्कारिक पौधा, जो सेहत और खूबसूरती दोनों के लिए वरदान है. जी हां, जनपद बलिया के बांसडीह रोड थाना क्षेत्र के मझौली स्थित शांति आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में सेवाएं दे रहे उड़ीसा निवासी अनुभवी आयुर्वेदाचार्य डॉ. सरत कुमार पाणिग्रही ने गुलमेहंदी पौधे के कई अद्भुत फायदों से पर्दा उठाया है. सरकारी नौकरी से सेवानिवृत्त होने के बाद डॉक्टर पाणिग्रही बलिया के लोगों को अपनी लंबी चिकित्सा का लाभ दे रहे हैं और आयुर्वेद के जरिए गंभीर समस्याओं का समाधान बता रहे हैं. गुलमेहंदी का खूबसूरत पौधा औषधीय गुणों से भरपूर

इस पौधे को आम बोलचाल में टच मी नॉट यानी गुलमेहंदी के नाम से जाना जाता है. यह विभिन्न रंगों से भरपूर एक बेहद खूबसूरत फूल वाला पौधा है, जो न केवल बगीचे की शोभा बढ़ाता है, बल्कि औषधीय गुणों से भी भरपूर है. इस पौधे को टच मी नॉट इसलिए कहा जाता है, क्योंकि इसकी फलियों को छूते ही इसके बीज चटककर तेजी से बाहर निकल जाते हैं. इसके प्राकृतिक राल और एसेंशियल ऑयल का इस्तेमाल भी सदियों से होता आ रहा है.

डॉक्टर पाणिग्रही ने कहा कि इस पौधे में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एनाल्जेसिक गुण प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं. इसी के कारण इसका तेल मांसपेशियों के खिंचाव, जोड़ों की अकड़न और गठिया के दर्द को कम करने में मदद करता है. इसके अलावा, इसमें मौजूद कफ निस्सारक गुण सर्दी, खांसी, अस्थमा और ब्रोंकाइटिस जैसी समस्याओं में भी मरीजों को तुरंत आराम देते हैं. इसकी पत्तियों का काढ़ा यानी चाय के रूप में सेवन करने से शरीर की इम्युनिटी पावर भी मजबूत होती है.

बस्तर: द नक्सल स्टोरी' की अभिनेत्री इंदिरा की नई फ़िल्म 'स्पाइंग स्टार्स' श्रीलंका में रिलीज़ हो रही

पंकज शुक्ल

इंदिरा तिवारी का नाम सुना है ना आपने मध्यप्रदेश से आई हैं। हाल ही में एक अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म में मुख्य भूमिका निभाई है, फ़िल्म का वर्ल्ड प्रीमियर बुसान इंटरनेशनल फ़िल्म फ़ेस्टिवल के प्रतियोगिता खंड में हो चुका है, फ़िल्म का निर्देशक कान फ़िल्म समारोह का प्रतिष्ठित सम्मान जीत चुका है और अब ये फ़िल्म अपने मूल देश में रिलीज़ होने जा रही है। लेकिन, इंदिरा की इस उपलब्धि के बाद भी भारतीय सिनेमा, ख़ासतौर से मुंबई की हिंदी फ़िल्म पत्रकारिता और प्रचारतंत्र, दोनों में सन्नाटा है! 'ताकि सनद रहे' में आज इन्हीं इंदिरा की बात करते हैं।

इरफ़ान ख़ान के दिखाए रास्ते पर चलती राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से प्रशिक्षित अभिनेत्री इंदिरा तिवारी की अंतर्राष्ट्रीय फ़िल्म 'स्पाई स्टार्स' की रिलीज़ का वक़्त आ पहुँचा है। हिंदी सिनेमा के किसी बड़े स्टार की बेटी या मुंबई के फ़िल्मी खेमों की किसी अभिनेत्री ने ये क़ामयाबी हासिल की होती, तो सोशल मीडिया इस समय तक उसकी तस्वीरों से रंग चुका होता और हर अख़बार में बस उसी के बारे में लिखा जा रहा होता।

चर्चाओं में अक्सर कहा जाता है कि अभिनेता इरफ़ान ख़ान को हिंदी सिनेमा ने बहुत देर से पहचाना। उनकी असल अभिनय प्रतिभा को पहले अंतर्राष्ट्रीय फ़िल्म निर्देशकों व निर्माताओं ने जाना और जब तक हिंदी सिनेमा उनके अभिनय में मूक रहने का अर्थ समझ पाया, उनकी दुनिया के रंगमंच से विदाई हो गई। ये कहानी मुझे इंदिरा तिवारी में फिर दोहराई जाती दिख रही है।

बिना किसी फ़िल्मी ख़ानदान, बड़े बैनर की सरपरस्ती या पीआर के शोर के अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में अपनी पहचान बनाने वाली भोपाल की अभिनेत्री इंदिरा तिवारी की फ़िल्म 'स्पाइंग स्टार्स' 30 अक्तूबर को श्रीलंका में रिलीज़ होने जा रही है। यह सिर्फ़ एक अभिनेत्री की कामयाबी की कहानी नहीं, बल्कि



हिंदी सिनेमा में प्रतिभा को पहचानने और उसका सम्मान करने के हमारे तरीक़ों पर भी एक बड़ा सवाल है।

फ़िल्म 'बस्तर: द नक्सल स्टोरी' में रत्ना के किरदार ने इंदिरा को एक अलग तरह के सामाजिक और राजनीतिक परिवेश में काम करने का मौक़ा दिया। मेरा अब भी मानना है कि ये फ़िल्म अपनी मार्केटिंग के चलते बाज़ार में मात खा गई। एक माँ की 'मदर इंडिया' सी कहानी कहती इस फ़िल्म को अदा शर्मा की फ़िल्म बताकर बाज़ार में उतारा गया जबकि ये फ़िल्म इंदिरा तिवारी की है। इतना पक्षपात झेलने के बाद भी इंदिरा में ग़ज़ब का आत्मविश्वास है।

दिलचस्प ये भी है कि फ़िल्म 'स्पाइंग स्टार्स' में इंदिरा का किरदार शुरुआती लगभग 45 मिनट तक कुछ बोलता ही नहीं है। वह आनंदी नाम की एक बायो-इंजीनियर हैं, जो अपने पिता की अंतिम इच्छा पूरी करने के लिए एक द्वीप पर पहुँचती है। एक ऐसी दुनिया में, जहाँ तकनीक मनुष्य की चेतना पर हावी होती जा रही है। भारत, श्रीलंका और फ़्रांस के साझा निर्माण वाली यह फ़िल्म अंग्रेज़ी और सिंहली भाषाओं में बनी है।

इंदिरा ने इस फ़िल्म को लेकर एक बहुत सुंदर बात कही। वह कहती हैं, 'किसी कलाकार की चुप्पी ही उसके किरदार की भाषा बने तो सबसे पहले हमें इरफ़ान ख़ान याद आते हैं। मैंने उनकी आँखों की मूक भाषा से बहुत कुछ सीखा है। मेरे किरदार आनंदी के भीतर यादें हैं, सवाल हैं, अकेलापन है और जीवन की एक निरंतर हलचल है। इस हलचल को बिना संवादों के ज़ाहिर करना ही उनका सबसे बड़ा अभिनय अभ्यास था।'

इंदिरा तिवारी के अभिनय सफ़र की शुरुआत किसी फ़िल्मी परिवार के ड्रॉइंग रूम से नहीं हुई। उनका बचपन मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बीता। राष्ट्रपति से राष्ट्रीय बालश्री सम्मान पा चुकीं इंदिरा ने दिल्ली के राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से 2018 में अभिनय का प्रशिक्षण पूरा किया। पेशेवर अभिनेत्री के रूप में उनकी असल यात्रा इसी के बाद शुरू हुई।

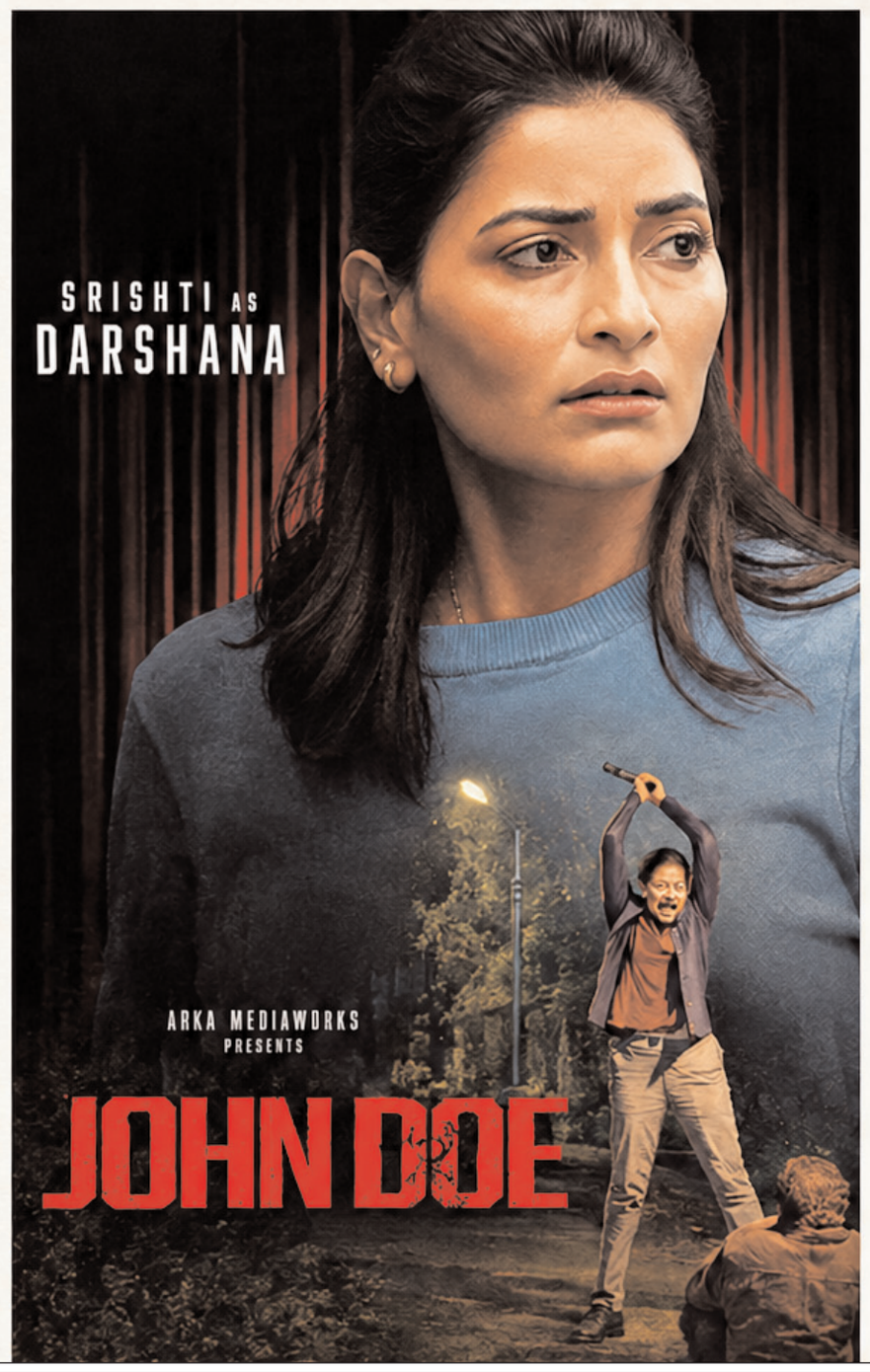
सुमन मुखोपाध्याय की फ़िल्म 'नज़रबंद' में वसंती का किरदार आशापूर्णा देवी की कहानी से निकला है। यह फ़िल्म जेल से बाहर आए दो ऐसे लोगों की कहानी कहती है, जो समाज में अपनी जगह तलाश रहे हैं। बुसान फ़िल्म समारोह में प्रीमियर के बाद साल 2021 के न्यूयॉर्क इंडियन फ़िल्म फ़ेस्टिवल में इंदिरा के अभिनय को खूब तालियाँ मिलीं। सुधीर मिश्रा की फ़िल्म 'सीरियस मेन' में तो उन्होंने ग़दर काट दिया और संजय लीला भंसाली की फ़िल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' में आलिया भट्ट की सहेली कमली के किरदार में इंदिरा ने एक बार फिर अपना असर छोड़ा।

अंतर्राष्ट्रीय फ़िल्म 'स्पाइंग स्टार्स' इसी आत्मविश्वास की अगली मंज़िल है। इस फ़िल्म को चुनने के पीछे इंदिरा का मक़सद सिर्फ़ विदेश में काम करना नहीं था। इस फ़िल्म के निर्देशक ने उनके भीतर आनंदी को पहचाना। उनके लिए यह भरोसा एक अभिनेत्री के रूप में आगे बढ़ने का अवसर बन गया। हालाँकि, उनके पास कोई पीआर टीम नहीं है। कोई गॉडफ़ादर भी नहीं है, लेकिन इंदिरा ख़ुद कहती हैं कि उन्हें हर समय सुर्ख़ियों में बने रहने की ज़रूरत महसूस नहीं होती। इंदिरा काम के बीच का वक़्त जीना चाहती हैं।

सड़क किनारे बनी किसी टपरी पर बैठकर लोगों को देखना पसंद करती हैं और ये सीखने की कोशिश करती रहती हैं कि अलग अलग परिस्थितियों में किसी इंसान का दिल, देह और दिमाग़ कैसे अपना संतुलन पाता है?

'जॉन डो' में सृष्टि के किरदार से उठा पर्दा

अर्जुन दास की साइकोलॉजिकल थ्रिलर में दर्शना बनेंगी सृष्टि



विश्व केसरी

मुंबई। डायरेक्टर मधुमिता की अपकमिंग साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'जॉन डो' को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ रही है। फिल्म में एक्टर अर्जुन दास लीड रोल में नजर आएंगे। अब मेकर्स ने एक्ट्रेस सृष्टि के किरदार का खुलासा किया है। वह फिल्म में दर्शना की भूमिका निभाएंगी। फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे प्रोडक्शन हाउस अर्का मीडिया वर्क्स ने सोशल मीडिया पर सृष्टि के किरदार की जानकारी शेयर की।

मेकर्स ने पोस्ट में लिखा, ''दर्शना ने अपनी जिंदगी में बहुत कुछ खोया है, लेकिन इसके बावजूद वह अपने परिवार के लिए मजबूत बनी रहती है। लेकिन, जब घर में सन्नाटा होता है, तो वह खुद से सवाल पूछती है कि क्या वह अपने लिए काफी हैं? मिलिए 'जॉन डो' की दुनिया की दर्शना से।''

बता दें कि फिल्म में अर्जुन दास चंद्रू नाम के किरदार में नजर आएंगे। एक्टर ने कुछ समय पहले फिल्म से अपना फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर किया था। इसके साथ उन्होंने लिखा था, 'नान पोदुमा? (क्या मैं काफी हूं?)' यह एक ऐसा सवाल है जो चंद्रू को परेशान करता है। अर्जुन ने बताया कि शायद यह सवाल हम सभी ने कभी न कभी खुद से पूछा होगा। चंद्रू के किरदार की तलाश के दौरान उन्हें भी अपने अंदर इस किरदार की कुछ झलक देखने को मिली।

फिल्म में संचना नटराजन फीमेल लीड रोल में हैं। वहीं, जारा विनीट चंदोके और नीरव भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'जॉन डो' को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी की एक बड़ी वजह यह भी है कि अर्जुन दास पहली बार अपने करियर में एक पुलिस अफसर का किरदार निभाते दिखाई देंगे।

'रामायण' के गाने 'मंगल रंग' में अरिजीत सिंह-श्रेया घोषाल की आवाज का जादू, एआर रहमान के संगीत ने जीता दिल



विश्व केसरी

मुंबई। निर्देशक नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' को लेकर दर्शकों में उत्साह लगातार बढ़ रहा है। फिल्म का नया गीत 'मंगल रंग' जारी किया गया है, जिसमें भगवान राम और माता सीता के प्रेम और समर्पण को संगीत के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। इस गीत का संगीत एआर रहमान ने तैयार किया है, जबकि अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल ने अपनी मधुर आवाज से इसे सजाया है।

एआर रहमान ने गाने को कंपोज करने के अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, ''रामायण' ऐसी कहानी है, जो कई पीढ़ियों से लोगों के दिलों में बसी हुई है। इस कहानी को संगीत के जरिए पेश करना मेरे लिए खास अनुभव रहा। भगवान राम और माता सीता के रिश्ते में एक खास पवित्रता और कोमलता है, जिसे मैं संगीत में उतारना चाहता था। मुझे उम्मीद है कि 'मंगल रंग' सुनने वालों के दिलों में प्रेम और भक्ति का भाव जगाएगा। कुछ कहानियों को शब्दों में समझाने की जरूरत नहीं होती, उन्हें सिर्फ महसूस किया जाता है।''

गाने में अपनी आवाज देने और 'रामायण' का हिस्सा बनने को लेकर अरिजीत सिंह ने कहा,'' 'रामायण' सिर्फ एक कहानी या महाकाव्य नहीं है, बल्कि यह जीवन, हमारी अंतरात्मा और हमारे आसपास की हर चीज से जुड़े रिश्तों को समझने का एक ऐसा नजरिया है, जो हमेशा प्रासंगिक रहेगा। एआर रहमान सर की कंपोज की गई 'मंगल रंग' की धुन मुझे शब्दों से परे एक ऐसी दुनिया में ले गई, जहां प्रेम अपने सबसे पवित्र रूप में खिलता है।'

अरिजीत ने आगे कहा, ''भगवान राम और माता सीता के रिश्ते की सच्चाई और कोमलता मुझे बार-बार उस प्रेम की याद दिलाती रही, जो अलग-अलग पहचान होने के बावजूद सभी को जोड़ता है। मेरे लिए इस गाने का हिस्सा बनना एक गहरा और बदल देने वाला अनुभव रहा। मुझे उम्मीद है कि यह गाना सुनने वालों तक भी प्रेम, आभार और भक्ति का वही भाव पहुंचाएगा, जिसे मैंने इसे गाते हुए महसूस किया।''

श्रेया घोषाल ने भगवान राम और माता सीता की प्रेम कहानी से जुड़ने के अपने अनुभव के बारे में कहा, ''उनके रिश्ते की खूबसूरती सिर्फ साथ रहने की खुशी में नहीं है। उनके बीच विश्वास, समझ और एक ऐसी शांत ताकत है, जो इस रिश्ते को खास बनाती है।

शेफ दामू को याद कर भावुक हुईं राम्या पांडियन, बोलीं- 'आपकी प्यार भरी बातें और आशीर्वाद हमेशा याद आएंगे'

विश्व केसरी

चेन्नई। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर और मशहूर शेफ दामोदरन कोथंदरमन के निधन से एक्ट्रेस राम्या पांडियन बेहद दुखी हैं। कोथंदरमन को शेफ दामू के नाम से जाना जाता था। उन्होंने रविवार को शेफ को याद करते हुए एक भावुक पोस्ट शेयर किया। राम्या ने कहा कि शेफ दामू का खाना बनाने की कला की दुनिया में योगदान बेहद खास रहा है और उनकी विरासत हमेशा जिंदा रहेगी।

शेफ दामू ने साल 2010 में अकेले सबसे लंबे समय तक लगातार खाना पकाने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। उनके निधन की खबर से दुखी राम्या ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'दामू सर, मैं यह बात स्वीकार नहीं कर पा रही हूं कि अब आप हमारे बीच नहीं रहे।'

राम्या ने टीवी शो 'कुकू विद कोमाली' में शेफ दामू के साथ काम करने के दिनों को भी याद किया। इस शो में शेफ दामू जज थे, जबकि राम्या एक कंटेस्टेंट के तौर पर शामिल हुई थीं। एक्ट्रेस ने लिखा, ''आप उन सबसे प्यारे लोगों में से एक थे, जिन्हें मैं जानती हूं। आप बहुत शांत स्वभाव के थे और हमेशा मुझे बहुत प्यार देते थे। शो में जज करते समय भी आप इस बात का ध्यान रखते थे कि आपकी बातों से किसी का दिल न दुखे।''

राम्या ने शेफ दामू के साथ जुड़ी कई खास यादें भी साझा कीं। उन्होंने बताया कि वह आज भी इस बात को नहीं भूल सकतीं कि शेफ दामू ने उनकी फिल्म 'अरुलवन' को उनसे पहले सिनेमाघर में देखा था। एक्ट्रेस ने शो के हर एपिसोड से पहले उनके साथ होने वाली बातचीत को भी याद किया।

'हाइकू' की शूटिंग के बाद भी किरदार से बाहर नहीं आ पाईं श्रीदेवी अपल्ला, बोलीं- 'भावनाएं अब भी साथ हैं'

विश्व केसरी

मुंबई। तेलुगु फिल्म 'कोर्ट: स्टेट वर्सेस नोबडी' में अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों और क्रिटिक्स का ध्यान खींचने के बाद अब अभिनेत्री श्रीदेवी अपल्ला ने तमिल सिनेमा में कदम रखा है। इन दिनों वह अपनी तमिल फिल्म 'हाइकू' को लेकर चर्चा में हैं। उनका कहना है कि 'हाइकू' में निभाया गया उनका किरदार शूटिंग पूरी होने के बाद भी उनके साथ रहा। यहां तक कि फिल्म की डबिंग खत्म करने के बाद भी उनके लिए उस किरदार से खुद को अलग करना आसान नहीं था।



श्रीदेवी ने कहा, ''जब निर्देशक युवराज चिन्नास्वामी ने मुझे फिल्म की कहानी सुनाई, तभी मुझे एहसास हो गया था कि मेरे किरदार में कई तरह की भावनाएं छिपी हुई हैं। कई बार शूटिंग के बाद भी किरदार का एक हिस्सा मैं जी रही होती थी। डबिंग पूरी करने के बाद भी मेरे लिए उससे बाहर निकलना मुश्किल था। ऐसा लगता था, जैसे उस किरदार का थोड़ा-सा हिस्सा मेरे भीतर रह गया हो और मैं अब भी उन भावनाओं को अपने साथ लेकर चल रही हूं। 'हाइकू' से जुड़ी यह बात मेरे लिए हमेशा खास रहेगी।''

अभिनेत्री ने आगे कहा, ''मैं इस मौके के लिए फिल्म के निर्माता और निर्देशक की आभारी हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। मैं अपने को-स्टार एगन का भी शुक्रिया अदा करती हूं। उनके साथ काम करने का अनुभव शानदार रहा। कुछ किरदारों का सफर काम खत्म होने के साथ ही पूरा हो जाता है, लेकिन कुछ भूमिकाएं ऐसी होती हैं, जिन्हें शब्दों में बयां करना मुश्किल है और लंबे समय तक हमारे साथ रहती हैं। 'हाइकू' का किरदार भी उन्हीं में से एक है।''

'हाइकू' को युवराज चिन्नास्वामी ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म में एगन, श्रीदेवी अपल्ला और फेमिना जॉर्ज मुख्य भूमिकाओं में हैं। इनके अलावा फिल्म में अदिर्ची अरुण, सुब्रमणिया सेतु, अधियामन, माइम गोपी और इंदुमति मणिगंदन भी नजर आ रहे हैं।

फिल्म का निर्माण विजन सिनेमा हाउस के बैनर तले डॉ. डी. अरुलानंधु और मैथ्यू अरुलानंधु ने किया है। इसका म्यूजिक सिद्धू कुमार ने तैयार किया है, जबकि सिनेमैटोग्राफी की जिम्मेदारी प्रीयेश गुरुसामी ने संभाली है।

'बच्चों को देर से समझ आती है माता-पिता की अहमियत', जब पिता को याद कर भावुक हुए थे अजय देवगन



विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने साल 2021 में एडवेंचर रियलिटी शो 'इंटू द वाइल्ड विद बेयर ग्रिल्स' में हिस्सा लिया था। इस दौरान उन्होंने अपने पिता और मशहूर एक्शन डायरेक्टर वीरू देवगन के साथ अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की थी।

अजय ने बताया था कि उम्र बढ़ने के साथ बच्चों का अपने माता-पिता को देखने का नजरिया बदल जाता है। खासकर जब वे खुद माता-पिता बनते हैं, तब उन्हें समझ आता है कि उनके माता-पिता ने उनके लिए कितना कुछ किया है।

शो के दौरान होस्ट बेयर ग्रिल्स ने अजय से उनके पिता के निधन के बारे में पूछा। उन्होंने कहा, ''आपने हाल ही में अपने पिता को खोया है।'' इस पर अजय ने जवाब दिया, ''हां, दो साल पहले।'' बेयर ग्रिल्स ने कहा कि पिछले दो साल उनके लिए काफी मुश्किल रहे होंगे।

इसके बाद अजय ने बताया कि माता-पिता को खोना बेहद मुश्किल होता है, लेकिन बचपन और युवावस्था में अक्सर बच्चे उनके योगदान को ठीक से समझ नहीं पाते। उन्होंने कहा, ''अपने माता-पिता को खोना मुश्किल होता है, क्योंकि जिंदगी के 20 साल की उम्र तक आप उनकी परवाह नहीं करते। आपको लगता है कि वे बेवकूफ हैं, उन्हें कुछ नहीं पता और आपको सब कुछ पता है।''

अजय ने आगे कहा, ''लेकिन जब आपके अपने बच्चे होते हैं, तब आपको समझ आता है कि माता-पिता क्या होते हैं। वे आपके लिए सबसे अच्छा चाहते हैं। हालांकि, इस बात को समझने में काफी समय लग जाता है।''

बातचीत के दौरान बेयर ग्रिल्स ने अजय से उनके पिता की बीमारी के बारे में भी पूछा। इस पर अभिनेता ने बताया कि वीरू देवगन अल्जाइमर बीमारी से जूझ रहे थे। उन्होंने कहा, ''हां, उन्हें अल्जाइमर था। स्टंट की वजह से उन्हें काफी चोटें भी लगी थीं।'' अजय ने एक घटना का जिक्र करते हुए बताया कि शूटिंग के दौरान एक बार उनके पिता को कार के ऊपर से निकलने वाला स्टंट करना था। इस दौरान उनके सिर में चोट लग गई थी।

अजय ने बताया कि उस दौर में फिल्मों के स्टंट के लिए असली कारों और साधारण कांच का इस्तेमाल किया जाता था, जिससे चोट लगने का खतरा ज्यादा रहता था। उन्होंने कहा, ''क्योंकि उस समय असली कांच इस्तेमाल किया जाता था।

'बैचलर पार्टी डी'यू' में ज्योतिर्मयी निभाएंगी पॉली का किरदार, 19 नवंबर को रिलीज होगी फिल्म

विश्व केसरी

चेन्नई। मलयालम फिल्ममेकर अमल नीरद की अपकमिंग फिल्म 'बैचलर पार्टी डी'यू' को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह है। अब मेकर्स ने फिल्म में एक्ट्रेस ज्योतिर्मयी के किरदार का नाम भी सामने ला दिया है। वह फिल्म में पॉली के किरदार में नजर आएंगी। डायरेक्टर अमल नीरद ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी देते हुए लिखा, 'ज्योतिर्मयी इज पॉली।'

यह फिल्म साल 2012 में रिलीज हुई अमल नीरद की सफल फिल्म 'बैचलर पार्टी' का सीक्वल है। यही वजह है कि फिल्म को लेकर फैंस के बीच खास दिलचस्पी बनी हुई है। सूत्रों के मुताबिक, नई फिल्म की कहानी पिछली फिल्म से जुड़ी होगी, लेकिन इसमें कई नए किरदार भी देखने को मिलेंगे।

'बैचलर पार्टी डी'यू' में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। फिल्म में 'प्रेमलु' से देशभर में पहचान बनाने वाले एक्टर नसलेन लीड रोल में हैं। उनके



अलावा कुंचाको बोबन, टोविनो थॉमस, सौबिन शाहिर, श्रीनाथ भासी, शराफुद्दीन, शाइन टॉम चाको, चंदू सलीमकुमार, रजीशा विजयन, हंसिका कृष्णा और पेरिस लक्ष्मी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

मेकर्स इससे पहले फिल्म में नादिया मोइदू और रजीशा विजयन के किरदारों के नाम का भी खुलासा किया था। नादिया फिल्म में अन्ना मैथ्यूज का किरदार निभा रही हैं, जबकि रजीशा विजयन सिंपल के रोल में दिखाई देंगी।

फिल्म में शाइन टॉम चाको गुरु, चंदू सलीमकुमार मम्मू, श्रीनाथ भासी जावी और शराफुद्दीन पप्पन के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, सौबिन शाहिर फिल्म में डैनी की भूमिका निभा रहे हैं।

हालांकि, टोविनो थॉमस के किरदार को लेकर मेकर्स ने अब तक सस्पेंस बनाए रखा है। फिल्म से उनका लुक सामने आ चुका है, लेकिन उनके किरदार का नाम नहीं बताया गया है। टोविनो के पोस्टर जारी करते हुए अमल नीरद ने मशहूर अंग्रेजी नाटककार विलियम शेक्सपियर की एक पंक्ति भी लिखी थी, 'हेल इज एम्प्टी एंड ऑल द डेविल्स आर हियर।'

आगामी सप्ताह भारत के लिए अहमः ब्रिक्स संसदीय फोरम और लिकटेंस्टीन प्रिंस की यात्रा पर रहेगी नजर

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। आने वाला सप्ताह भारत की डिप्लोमेसी के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। 26 अक्टूबर से 1 नवंबर तक नई दिल्ली में ब्रिक्स संसदीय फोरम का आयोजन होगा, वहीं लिकटेंस्टीन के राजकुमार एलोइस की भारत यात्रा भी जारी रहेगी। इसके साथ ही भारत और ऑस्ट्रेलिया की सेनाएं केरल में संयुक्त सैन्य अभ्यास ऑस्ट्राहिंद के पांचवें संस्करण में हिस्सा ले रही हैं।

नई दिल्ली में 26 और 27 अक्टूबर को 12वें ब्रिक्स संसदीय फोरम का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष सम्मेलन का विषय 'जन-केंद्रित विकास के लिए संसदों को सशक्त बनाना' है। इसमें ब्रिक्स सदस्य देशों और साझेदार देशों के संसदीय प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। सम्मेलन के दौरान संसदीय सहयोग, विकास संबंधी प्राथमिकताओं और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग बढ़ाने जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।



ये फोरम भारत को सदस्य देशों के साथ संसदीय स्तर पर संवाद मजबूत करने का अवसर देगा। इस मंच पर विभिन्न देशों के प्रतिनिधि अपने अनुभव साझा करने के साथ-साथ विकास, जनकल्याण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। द्विपक्षीय बैठकों के जरिए भी भाग लेने वाले देशों के बीच संपर्क बढ़ाने की संभावना है।

इसी दौरान लिकटेंस्टीन के वंशानुगत राजकुमार और कार्यकारी राष्ट्राध्यक्ष एलोइस 25 से 28 अक्टूबर तक भारत की राजकीय यात्रा पर हैं। उनकी यात्रा भारत और लिकटेंस्टीन के बीच राजनयिक संबंधों को मजबूत करने और आर्थिक सहयोग की संभावनाओं को आगे बढ़ाने के लिहाज से महत्वपूर्ण है। दोनों पक्षों के बीच व्यापार, निवेश और अन्य क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की संभावना है।

यूरोप के छोटे लेकिन आर्थिक रूप से संपन्न देश लिकटेंस्टीन के साथ भारत के संबंधों में आर्थिक और कारोबारी सहयोग की अहम भूमिका है। राजकीय यात्रा से दोनों देशों को आपसी हितों के मुद्दों पर विचार-विमर्श करने और भविष्य में सहयोग के नए अवसर तलाशने का अवसर मिलेगा।

सैन्य सहयोग के मोर्चे पर भारत और ऑस्ट्रेलिया की सेनाएं केरल में संयुक्त अभ्यास ऑस्ट्राहिंद 2026 के पांचवें संस्करण में हिस्सा ले रही हैं। यह अभ्यास तिरुवनंतपुरम स्थित फॉरेन ट्रेनिंग नोड में आयोजित किया जा रहा है और 1 नवंबर तक जारी रहेगा। इसमें दोनों देशों के लगभग 240 सैन्यकर्मी भाग ले रहे हैं।

दो सप्ताह के इस अभ्यास का उद्देश्य दोनों सेनाओं के बीच सामरिक समन्वय और अंतर-संचालन क्षमता को मजबूत करना है।

इस क्षेत्र में अब कुछ भी पहले जैसा नहीं रहेगाः ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची

विश्व केसरी■



तेहरान। विदेश मंत्री अराघची का मानना है कि पश्चिम एशिया के हालात पहले जैसे नहीं रहेंगे। उनके मुताबिक इसका जिम्मेदार इजरायल है। उन्होंने रविवार को तेहरान में आयोजित एक विशेष बैठक में ये भी कहा कि 'युद्ध फिर से शुरू हो या न हो, ईरान की नीतियां नहीं बदलेंगी।'

तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार बैठक विदेश नीति पर आम सहमति बनाने में दिवंगत राजनयिक कमाल खराज्जी की भूमिका पर केंद्रित थी। अब्बास अराघची ने शांति और स्थिरता पर आधारित एक ऐसी क्षेत्रीय व्यवस्था के प्रति ईरान की प्रतिबद्धता दोहराई, जिसे विदेशी हस्तक्षेप के बिना क्षेत्रीय देश खुद सुनिश्चित करें।

विदेश मंत्री ने पिछले डेढ़ साल के संघर्ष, विशेष रूप से अमेरिका-इजरायल के आक्रामक युद्धों को एक 'टर्निंग पॉइंट' (महत्वपूर्ण मोड़) बताया और कहा कि इस संघर्ष के बाद 'अब कुछ भी पहले जैसा नहीं रहेगा।'

अराघची ने कहा, 'इस क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों ने न तो अपने मेजबान देशों को और न ही किसी अन्य देश को शांति या सुरक्षा दी है। इसके विपरीत ये ठिकाने खुद असुरक्षा का स्रोत बन गए हैं। ईरान मूल रूप से ऐसी किसी भी पहल का स्वागत करता है, जिससे क्षेत्रीय देश अपनी क्षमताओं पर अधिक भरोसा कर सकें। विदेश मंत्री ने दावा, 'इजरायल का पर्दाफाश हो चुका है; सब जान गए हैं कि इस क्षेत्र में युद्ध भड़काने वाली एकमात्र ताकत वही है। वह बार-बार क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता कायम होने से रोकता है, जबकि खुद युद्ध भड़काने और पड़ोसी देशों को कमजोर करने की कोशिश करता है।'

उन्होंने क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए विदेशी ताकतों की पूरी तरह से वापसी को एक अनिवार्य शर्त बताया। उन्होंने कहा, 'ये ताकतें इस क्षेत्र में इजरायल की रक्षा करने के लिए आई हैं।'

संक्षिप्त खबर

अफगानिस्तान में सड़क हादसा, 4 की मौत और आठ घायल

विश्व केसरी■



काबुल। अफगानिस्तान के सुदूर उत्तरी प्रांत बदख्शां में एक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई जबकि 8 अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने रविवार को पुलिस के हवाले से ये जानकारी दी। 'आरियाना न्यूज' ने एक स्थानीय अधिकारी के हवाले से बताया कि कार कोफाब और याफ्ताल जिलों की ओर जा रही थी। अधिकारियों ने दुर्घटना के कारण का खुलासा नहीं किया है। 'सिन्हुआ समाचार एजेंसी' की रिपोर्ट के अनुसार, घायलों को इलाज के लिए प्रांतीय अस्पताल ले जाया गया है। बदख्शां एक पहाड़ी और कम आबादी वाला प्रांत है। यहां का इलाका काफी ऊबड़-खाबड़ है और सड़कों का बुनियादी ढांचा भी सीमित है; इन्हीं वजहों से इस क्षेत्र में अक्सर सड़क हादसे होते रहते हैं। अफगानिस्तान में यातायात और परिवहन का हाल बेहाल ही है। आए दिन यहां हादसे होते रहते हैं। 23 अक्टूबर को उत्तरी अफगानिस्तान के एक जिले में खौफनाक हादसा हुआ था। प्रांतीय पुलिस ने शनिवार को बताया था कि शुक्रवार शाम उत्तरी अफगानिस्तान के फर्याब प्रांत में एक मिनीबस के सड़क से उतर जाने के कारण कुल 24 लोग घायल हो गए थे, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर थी। ये यात्री खैबर जिले में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। हादसे में महिलाओं और बच्चों समेत 24 लोग घायल हुए थे।

ओडिशा में 2.60 करोड़ के घोटाले में वन विभाग का अधिकारी गिरफ्तार

विश्व केसरी■



भुवनेश्वर। भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ओडिशा विजिलेंस ने रविवार को राज्य वन विभाग के सीनियर क्लर्क को 2.60 करोड़ रुपए से अधिक की सरकारी धनराशि के गबन के आरोप में गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान बबलू सुना के रूप में हुई है, जो सुनाबेड़ा वन्यजीव प्रभाग, नुआपाड़ा के मंडल वन अधिकारी (डीएफओ) कार्यालय में स्थापना अनुभाग के प्रभारी वरिष्ठ सहायक के रूप में तैनात था। आरोप है कि उसने 2023 से संशोधित सुनिश्चित करियर प्रगति (एमएसीपी) और संशोधित सुनिश्चित करियर प्रगति (आरएसीपी) योजनाओं के तहत फर्जी बिल बनाकर 2.60 करोड़ रुपए से अधिक की सरकारी धनराशि का गबन किया। ओडिशा विजिलेंस के अनुसार, विस्तृत सत्यापन और जांच में पता चला कि बबलू सुना ने एमएसीपी और आरएसीपी योजनाओं के तहत फर्जी एरियर बिल बनाकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया। विजिलेंस ने रविवार को एक बयान में कहा, 'सुनाबेड़ा वन्यजीव प्रभाग के पूर्व, सेवानिवृत्त और मृत कर्मचारियों की साख और पहचान का उपयोग करके फर्जी बिलों को संसाधित किया गया ताकि सार्वजनिक धन को उसके परिवार के सदस्यों (पत्नी, भाई, बहन और दो करीबी सहयोगियों) के निजी बैंक खातों में भेजा जा सके।' जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने कथित तौर पर अपने वैध अधिकार से अधिक समय-समय पर वेतन वृद्धि हासिल करने के लिए आधिकारिक रिकॉर्ड में हेरफेर किया।

वियतनाम के सैन्यदल का तीन शहरों में दौरा, आर्मी ट्रेनिंग व शिक्षा के अनुभव किए साझा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। वियतनाम की पीपुल्स आर्मी के 10 युवा अधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल बीते दिनों भारत के दौरे पर रहा, जहां भारत और वियतनाम की सेनाओं के युवा अधिकारियों ने एक-दूसरे के अनुभवों को करीब से समझा।

रविवार को साझा की गई एक जानकारी में सेना ने बताया कि यह यात्रा युवा अधिकारी आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत आयोजित की गई। इस दौरान वियतनामी अधिकारियों ने पुणे, अहिल्यानगर और देवलाली का भ्रमण किया। सेना के मुताबिक वियतनामी दल ने विभिन्न रक्षा प्रतिष्ठानों का दौरा करने के साथ-साथ भारत की सांस्कृतिक विरासत से जुड़े महत्वपूर्ण स्थलों को भी देखा।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच पेशेवर संवाद बढ़ाना, एक-दूसरे की कार्यप्रणाली को समझना और आपसी विश्वास को मजबूत करना था। वियतनाम के सैन्य दल को आर्मी ट्रेनिंग और शिक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं को जानने के साथ दोनों देशों के अधिकारियों को अपने अनुभव साझा करने का अवसर मिला। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक ऐसे संवाद से सैन्य पेशेवर समझ बढ़ाने और भविष्य में सहयोग के नए अवसर विकसित करने में मदद मिलती है।

भारत और वियतनाम के बीच युवा अधिकारियों का यह आदान-प्रदान दोनों देशों की सेनाओं के पुराने मैत्रीपूर्ण संबंधों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की पहल है। यह यात्रा आपसी समझ, सौहार्द और बढ़ते रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने की साझा प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करती है। इन अधिकारियों ने पुणे के खड़कवासला स्थित अकादमी की विशिष्ट प्रशिक्षण व्यवस्था को समझा।

यहां भारत की थलसेना, नौसेना व वायुसेना के कैडेट एक साथ सैन्य प्रशिक्षण लेते हैं। इन सैन्य कर्मियों में महिला कैडेट भी शामिल हैं। वियतनाम के सैन्य अधिकारियों की यह यात्रा भारत और वियतनाम के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

मौजूदा मोर्चों पर रूस से लड़ाई रोकने को तैयार पर जमीन नहीं छोड़ेंगेः जेलेंस्की

विश्व केसरी■



कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि यूक्रेन युद्ध को जल्द खत्म करने के लिए मौजूदा मोर्चों पर सैन्य कार्रवाई रोकने को तैयार है, लेकिन देश की जमीन छोड़ने का कोई सवाल नहीं उठता।

एबीसी न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में जेलेंस्की ने कहा कि वह युद्धविराम समझौते तक पहुंचने के लिए तैयार हैं, लेकिन यूक्रेन के लगभग 25 प्रतिशत क्षेत्र को छोड़ने के प्रस्ताव को उन्होंने साफ तौर पर खारिज कर दिया।

जेलेंस्की ने अमेरिका से मिलने वाली सैन्य सहायता में हाल के समय में आई कमी पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पिछले तीन महीनों में यूक्रेन को अपने पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम के लिए अमेरिका से केवल 24 इंटरसेप्टर मिसाइलें मिली हैं, जबकि औसतन हर महीने करीब 350 मिसाइलों की जरूरत होती है। उन्होंने स्थिति की गंभीरता पर जोर देते हुए कहा कि सिर्फ गुरुवार रात को ही कीव पर 30 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया गया। इस बीच, अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि वॉशिंगटन की ओर से जेलेंस्की पर शांति समझौते के लिए कुछ रियायतें देने का दबाव बढ़ रहा है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई बार यह कह चुके हैं कि अमेरिका की मध्यस्थता वाली वार्ताओं में प्रगति न होने के लिए कीव भी जिम्मेदार है।

उधर, क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने शुक्रवार को बताया कि रूस, यूक्रेन और अमेरिका के बीच त्रिपक्षीय वार्ता नवंबर के पहले हिस्से में संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में होने वाली है। उन्होंने कहा कि इन वार्ताओं का मुख्य फोकस संभावित शांति समझौते के बाद रूस और यूक्रेन की सुरक्षा व्यवस्था पर होगा।

तेलंगाना जल्द लाएगा एयरोस्पेस और डिफेंस पॉलिसी 2.0, सीएम रेवंत रेड्डी ने किया ऐलान

विश्व केसरी■



हैदराबाद। तेलंगाना सरकार जल्द ही एयरोस्पेस और डिफेंस पॉलिसी 2.0 लाने जा रही है। इसका मकसद डिफेंस सेक्टर में बड़े निवेश को आकर्षित करना और हैदराबाद को डिफेंस रिसर्च के लिए सबसे बेहतरीन जगह के तौर पर प्रमोट करना है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने यह जानकारी दी।

शनिवार रात 'रक्षा एक्सपो' के कर्टेन रेजर कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का विजन 'रक्षा एक्सपो' को एक अंतरराष्ट्रीय मंच के रूप में विकसित करना है, जहां डिफेंस सेक्टर से जुड़े सभी हितधारक साथ आएं और सार्थक बातचीत हो सके।

बता दें कि 'रक्षा एक्सपो' का आयोजन 'इन्वेस्ट तेलंगाना ग्लोबल समिट' के तहत 7 से 9 दिसंबर को हैदराबाद के भारत फ्यूचर सिटी में किया जाएगा। सीएम रेड्डी ने कहा कि 'रक्षा एक्सपो' एक प्रमुख मंच के रूप में काम करेगा, जो ग्लोबल ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स (ओईएम) और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को एक साथ लाएगा। सरकार इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों, वरिष्ठ रक्षा और सुरक्षा अधिकारियों, विशेषज्ञों और स्टार्टअप्स से इनोवेटिव आइडियाज और अत्याधुनिक तकनीकों को लाने की उम्मीद कर रही है।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पिछले साल आयोजित समिट का पहला संस्करण बड़ी सफलता रहा था। उन्होंने कहा कि भारत के भीतर हैदराबाद की रणनीतिक और महत्वपूर्ण स्थिति है। उन्होंने बताया कि हैदराबाद एक असाधारण रूप से सुरक्षित शहर है और यहां कई महत्वपूर्ण रिसर्च संस्थान हैं। इसके अलावा भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना के कई महत्वपूर्ण रणनीतिक केंद्र भी यहीं स्थित हैं।

भले ही तेलंगाना दक्षिण भारत का एकमात्र ऐसा राज्य है जिसकी कोई तटरेखा नहीं है, फिर भी यह भारतीय नौसेना को महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करता है।

बंगाल की खाड़ी में पनडुब्बियों और हवाई खतरों से निपटने का अभियान

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में भारतीय और सिंगापुर की नौसेनाएं अपनी समुद्री युद्ध क्षमता व समन्वय प्रदर्शित कर रही हैं। दोनों देशों के युद्धपोत पनडुब्बियों का पता लगाने, दुश्मन के जहाजों से मुकाबला करने और हवाई हमलों के विरुद्ध कार्रवाई करने का अभ्यास कर रहे हैं। द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास 'सिम्बेक्स-2026' के समुद्री चरण में यह अभियान शुरू किया गया है। 26 अक्टूबर को इस अभियान का अंतिम दिन है। इस अभ्यास में दोनों नौसेनाएं बिलकुल वास्तविक ऑपरेशनल परिस्थितियों के अनुरूप सामरिक गतिविधियों को अंजाम दे रही हैं।

यह इस अभ्यास का दूसरा और आखिरी चरण है। 24 अक्टूबर से प्रारंभ हुआ यह समुद्री अभ्यास 26 अक्टूबर तक बंगाल की खाड़ी में जारी रहेगा। समुद्री चरण के दौरान दोनों नौसेनाएं अपनी परिचालन क्षमताओं को परख रही हैं। इसमें पनडुब्बियों का पता लगाने और उनसे निपटने, दुश्मन के सतही जहाजों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा हवाई खतरों का मुकाबला करने का अभ्यास किया जा रहा है। जहाजों के संचालन और विभिन्न सामरिक युद्धाभ्यास के जरिए दोनों नौसेनाएं समुद्र में आपसी तालमेल को भी मजबूत कर रही हैं।

यह अभ्यास 21 अक्टूबर को विशाखापत्तनम में शुरू हुआ था। इसमें हिस्सा लेने के लिए सिंगापुर नौसेना का युद्धपोत आरएसएस सुप्रीम विशाखापत्तनम पहुंचा था। उद्घाटन समारोह भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस नीलगिरि और आईएनएस कमोर्टा पर आयोजित किया गया था। इसमें पूर्वी नौसेना कमान के मुख्य स्टाफ अधिकारी (संचालन), सिंगापुर नौसेना के बेड़ा कमांडर और दोनों देशों की नौसेनाओं के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

वाराणसी में अरविंद लिमिटेड की गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट की विनिर्माण इकाई से 1,000 से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार

विश्व केसरी■



वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वाराणसी में अरविंद लिमिटेड की अत्याधुनिक गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और उद्योग जगत के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। लगभग 150 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित यह इकाई उत्तर प्रदेश में अरविंद लिमिटेड की पहली विनिर्माण इकाई है। इससे 1,000 से अधिक लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है, जिनमें बड़ी संख्या महिलाओं की होगी।

5.5 एकड़ क्षेत्रफल में फैले इस संयंत्र का कुल निर्मित क्षेत्र लगभग 65,000 वर्ग फुट है। यहां उन्नत स्वचालित सिलाई तकनीक के माध्यम से निटवियर यानी बुने हुए कपड़ों से बने परिधानों का निर्माण किया जाएगा। संयंत्र की संभावित राजस्व क्षमता 250 करोड़ रुपये बताई गई है। इस परियोजना से वाराणसी में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार और कौशल विकास के अवसर भी सृजित होंगे। उद्घाटन समारोह में अरविंद लिमिटेड के चेयरमैन संजय लालभाई, वाइस चेयरमैन पुनीत लालभाई और वाइस चेयरमैन कुलिन लालभाई ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने कंपनी के पदाधिकारियों के साथ विनिर्माण इकाई का भ्रमण किया और वहां उपलब्ध आधुनिक उत्पादन सुविधाओं का अवलोकन किया। अरविंद लिमिटेड के चेयरमैन संजय लालभाई ने कहा कि प्रधानमंत्री के हाथों इस इकाई का उद्घाटन होना कंपनी के लिए गौरव का विषय है। लालभाई समूह की यात्रा वर्ष 1897 में शुरू हुई थी और इसका इतिहास भारत की औद्योगिक प्रगति से गहराई से जुड़ा रहा है। कस्तूरभाई लालभाई की संस्थान निर्माण की दूरदर्शी सोच से प्रेरित होकर समूह ने ऐसे उद्यमों में निवेश किया है, जो आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और राष्ट्र निर्माण में योगदान देते हैं।

यूपी में चकबंदी व्यवस्था को मिली रफ्तार, पिछले 8 वर्षों में 21 लाख से अधिक वादों का निस्तारण

विश्व केसरी■



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चकबंदी व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने पर जोर दिया गया है। चकबंदी निदेशालय के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2017 की तुलना में वर्ष 2025 तक चकबंदी प्रक्रिया पूरी करने वाले गांवों की संख्या में बड़े स्तर पर वृद्धि हुई है। साथ ही चकबंदी न्यायालयों के कंप्यूटरीकरण और वादों के निस्तारण में भी प्रगति दर्ज की गई है।

इन प्रयासों का उद्देश्य किसानों की भूमि से जुड़े मामलों को व्यवस्थित करना और राजस्व अभिलेखों को समय से संबंधित तहसीलों तक पहुंचाना है। चकबंदी निदेशालय के मुताबिक वर्ष 2017 में प्रदेश के 1,925 गांवों में चकबंदी प्रक्रिया पूरी हुई थी। वर्ष 2025 तक यह संख्या बढ़कर 3,192 गांव हो गई। इन गांवों में चकबंदी की प्रक्रिया पूरी कर अभिलेख संबंधित तहसीलों को वापस किए गए। इससे भूमि संबंधी अभिलेखों को व्यवस्थित करने और किसानों से जुड़े राजस्व कार्यों को आगे बढ़ाने में मदद मिली है।

चकबंदी न्यायालयों में वादों के निस्तारण के मामले में भी प्रगति हुई है। वर्ष 2017 में 12.55 लाख से अधिक वादों के निस्तारण की स्थिति थी, जबकि वर्ष 2025 तक यह संख्या बढ़कर 21.12 लाख से अधिक हो गई। निदेशालय के मुताबिक, विगत आठ वर्षों में कुल 21 लाख 12 हजार 784 वादों का निस्तारण किया गया। भूमि विवादों के समाधान की दिशा में यह महत्वपूर्ण उपलब्धि है। चकबंदी व्यवस्था को तकनीक से जोड़ने के लिए न्यायालयों के कंप्यूटरीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया।

वर्ष 2017 में इस मद में स्थिति शून्य थी, जबकि वर्ष 2025 तक 531 न्यायालयों का कंप्यूटरीकरण किया गया।

फीफा अंडर-15 वर्ल्ड कप: भारत ने दर्ज की लगातार दूसरी जीत, कड़े मुकाबले में कैमरून को 2-1 से हराया



विश्व केसरी ■

बाकू। भारत ने फीफा अंडर-15 वर्ल्ड कप 2026 में अपनी शानदार शुरुआत जारी रखी है। रविवार को होवसन कॉम्पिटिशन कॉम्प्लेक्स पर खेले गए ग्रुप (के) के अपने दूसरे मैच में भारत ने कैमरून को 2-1 से हरा दिया।

मैच की शुरुआत में ही फरेल न्गोबो (1') के 'आत्मघाती गोल' (अपनी ही टीम के गोल में गेंद डालना) की बदौलत भारतीय टीम को शुरुआती बढ़त मिल गई। हालांकि, हाफ-टाइम के करीब (20वें मिनट में) मोहम्मद सोहिल खान के 'आत्मघाती गोल' की वजह से कैमरून ने स्कोर बराबर कर दिया।

दूसरे हाफ में आर. लालरेमरुआतफेला (27वें मिनट') ने गोल करके भारत को फिर से बढ़त दिला दी। वहीं, गोलकीपर जेनित निंगथौजाम ने कई शानदार बचाव किए, जिसमें एक पेनल्टी भी शामिल रही। अब ग्रुप (के) में भारत इकलौती ऐसी टीम है जिसने अपने दोनों मैच जीते हैं। बारिश के बावजूद, भारत ने शुरुआत से ही अपना प्रभाव दिखाया। पहले ही मिनट में दीपक सिंह आरामबम की कॉर्नर किक से कैमरून के बॉक्स में अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान न्गोबो ने गेंद को हेडर से बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके अपने ही गोल में चली गई।

कैमरून ने धीरे-धीरे दबाव बढ़ाना शुरू किया, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने डटकर बचाव किया। उन्होंने 'वन-ऑन-वन' (आमने-सामने) की स्थितियों में विरोधी खिलाड़ियों को रोके रखा और समय रहते स्लाइडिंग टैकल करके अपनी बढ़त को बरकरार रखा। भारतीय टीम ने 14वें मिनट में अपनी बढ़त को लगभग दोगुना कर लिया था। दीपक की किक-इन से कैमरून के डिफेंस में फिर से उलझन पैदा हो गई और गोलकीपर सनी-हैनसेल न्देह गेंद को पकड़ने में नाकाम रहे। डिफेंस गेंद को क्लियर नहीं कर पाया और गोलकीपर भी अपनी जगह से बाहर थे, ऐसे में कप्तान आर. लालरेमरुआतफेला ने खाली पड़े गोल की तरफ शॉट मारा, लेकिन आखिरी मौके पर एक ब्लॉक ने उन्हें गोल करने से रोक दिया।

कैमरून ने लगातार भारत के गोल पर खतरा बनाया, लेकिन गोलकीपर जेनित ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को बचाए रखा। 16वें मिनट में उन्होंने कैमरून की फ्री-किक को बेहतरीन तरीके से रोक दिया। एक मिनट बाद उन्होंने रैंडी न्गोमे के बॉक्स के अंदर से लगाए गए शॉट को गोल होने से बचाया। 18वें मिनट में भी जेनित ने शानदार बचाव किया और नदाम मोख्तार के आमने-सामने वाले मौके को मुश्किल एंगल से रोककर भारत को राहत दिलाई।

दूसरी तरफ भारत लगातार दबाव बनाए हुए था। 19वें मिनट में दीपक ने बॉक्स के किनारे से गेंद को नेट के किनारे (साइड नेटिंग) पर मारा। हालांकि, 20वें मिनट में कैमरून को बराबरी का गोल मिल गया, जब दाईं ओर से मोख्तार का क्रॉस मोहम्मद सोहिल खान से टकराकर नेट में चला गया, जिससे यह एक 'आत्मघाती गोल' (अपनी ही टीम के खिलाफ गोल) बन गया।

भारत ने दूसरे हाफ की शुरुआत नए इरादे के साथ की और हाफ टाइम के बाद रोनांदेव अहेइबाम को मैदान पर उतारा। इस सब्स्टिट्यूट खिलाड़ी ने आते ही अपना असर दिखाया। 27वें मिनट में मिडफील्ड में एक जोरदार टैकल के जरिए गेंद अपने कब्जे में ली और फिर उसे दीपक की तरफ बढ़ा दिया। दीपक ने बॉक्स के अंदर एक सटीक 'लो क्रॉस' दिया, जिस पर लालरेमरुआतफेला ने बेहतरीन संयम दिखाते हुए अपने बाएं पैर से पहली ही कोशिश में गेंद को नेट के निचले कोने में पहुंचा दिया और भारत को फिर से बढ़त दिला दी।

31वें मिनट में कैमरून को पेनल्टी मिली, क्योंकि बॉक्स के बाहर से आए एक शॉट को नारा मेइतेई लौशंबम ने हाथ से रोक लिया था। हालांकि, जेनित ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और 32वें मिनट में हारौना अब्दौले की 'स्पॉट-किक' (पेनल्टी) को बचाकर भारत की बढ़त को कायम रखा।

मैच के अंतिम क्षणों में भी भारत हावी रहा। 33वें मिनट में रोनांदेव ने बॉक्स के दाईं ओर से एक जोरदार शॉट लगाकर गोलकीपर नदेह की परीक्षा ली।

अनौपचारिक टेस्ट : देवदत्त पडिक्कल का अर्धशतक, दूसरी पारी में भारत ने 2 विकेट खोकर बनाए 106 रन



विश्व केसरी ■

लिंकन। भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच पहला अनौपचारिक टेस्ट मैच लिंकन के बर्ट सटक्लिफ ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। टेस्ट के दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 2 विकेट खोकर 106 रन बना लिए हैं।

भारतीय टीम न्यूजीलैंड ए द्वारा पहली पारी के आधार पर ली गई बढ़त से अभी भी 98 रन पीछे हैं। दूसरी पारी में भी भारत ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही। यशस्वी जायसवाल सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हुए, जबकि केएल राहुल 4 रन बनाने के बाद हिट विकेट हो गए। हालांकि, इसके बाद टीम की लड़खड़ाती हुई पारी को देवदत्त पडिक्कल और साई सुदर्शन ने बखूबी संभाला।

दोनों ने स्टंप्स होने तक भारतीय टीम को कोई और झटका नहीं लगने दिया। पडिक्कल अच्छी लय में दिखाई दिए और उन्होंने अपना अर्धशतक पूरा किया। वह 89 गेंदों में 56 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। वहीं, सुदर्शन 39 रन बनाकर उनका साथ दे रहे हैं। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 188 गेंदों में 96 रनों की अटूट साझेदारी हो चुकी है।



इससे पहले, न्यूजीलैंड ए की पूरी टीम पहली पारी में 317 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टीम ने पहली इनिंग के आधार पर 204 रनों की बड़ी बढ़त हासिल की। टीम की ओर से कप्तान रीस मारियू ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 76 रनों की दमदार पारी खेली। हालांकि, टिम रॉबिन्सन और जेडेन लेनॉक्स बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। मैथ्यू बॉयल भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 17 रन बनाकर आउट हुए।

हालांकि, न्यूजीलैंड ए की तरफ से डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने बढ़िया बल्लेबाजी करते हुए 51 रनों की अहम पारी खेली, जबकि क्रिस्टियन क्लार्क ने 67 गेंदों में 42 रनों का योगदान दिया। मिचेल हे ने 24 रन बनाए।

भारत ए की ओर से आकिब नबी और अंशुल कंबोज सबसे सफल गेंदबाज रहे और दोनों ने दो-दो विकेट निकाले। आकाशदीप 2 विकेट चटकाने में कामयाब रहे, जबकि मुकेश चौधरी और वॉशिंगटन सुंदर ने एक-एक विकेट झटका।

अल्माटी ओपन: युकी भांबरी-रयान सेगरमैन की जोड़ी ने जीता 'मेंस डबल्स' का खिताब

विश्व केसरी ■

अल्माटी। भारत के युकी भांबरी और अमेरिका के रयान सेगरमैन की जोड़ी ने रविवार को एटीपी 250 अल्माटी ओपन में मेंस डबल्स का खिताब अपने नाम किया। इस जोड़ी ने रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रिया के लुकास मीडलर और नील ओबरलीटनर को तीन सेटों में हराया।

1 घंटे 26 मिनट तक चले इस मुकाबले में भारतीय-अमेरिकी जोड़ी ने अल्माटी एरिना में 7-6(3), 6-7(1), [10-2] से जीत दर्ज कर ट्रॉफी अपने नाम की। यह भांबरी का पांचवां एटीपी टूर खिताब है।

पहला सेट काफी कड़ा रहा, जिसमें दोनों टीमों ने आत्मविश्वास के साथ अपनी सर्विस बरकरार रखी। अंत में, सेट का फैसला टाईब्रेक में हुआ, जहां भांबरी और सेगरमैन ने 7-3 से जीत हासिल की। दूसरे सेट में ऑस्ट्रियाई जोड़ी ने वापसी की और टाईब्रेक में 7-1 से दबदबा बनाते हुए मैच को बराबरी पर ला दिया, जिससे मुकाबला निर्णायक टाईब्रेक तक पहुंचा।

निर्णायक टाईब्रेक में भांबरी और सेगरमैन ने शुरुआत से ही खेल पर नियंत्रण बना लिया। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10-2 से जीत दर्ज की और खिताब अपने नाम किया। इस दौरान, भारतीय-अमेरिकी जोड़ी ने छह ऐस लगाए और केवल एक डबल फॉल्ट किया। उनके ऑस्ट्रियाई प्रतिद्वंद्वियों ने तीन ऐस लगाए और एक डबल फॉल्ट किया।

मार्च में, भांबरी ने इंडियन वेल्स में एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर अपने करियर का पहला सेमीफाइनल खेला था। इससे पहले वे मास्टर्स 1000 स्तर पर दो बार डबल्स के क्वार्टर फाइनल तक पहुंच चुके थे। उनके पिछले दो क्वार्टर फाइनल इंडियन वेल्स (गोरानसन के साथ) और मियामी मास्टर्स (नुनो बोर्जेस के साथ) में थे। फरवरी में भांबरी एटीपी रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व नंबर 20 रैंकिंग पर पहुंचे थे। इसके साथ ही वह रोहन बोपन्ना के बाद पुरुष युगल में विश्व के शीर्ष-20 में जगह बनाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने।

भारतीय खिलाड़ी 2025 सत्र से लगातार प्रगति कर रहे हैं। उसी वर्ष उन्होंने न्यूजीलैंड के माइकल वीनस के साथ मिलकर यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

जेरेमी लालरिनुंगा: 19 साल की उम्र में कॉमनवेल्थ में गोल्ड जीतने वाले वेटलिफ्टर का करियर इंजरी ने थामा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय वेटलिफ्टिंग की दुनिया में जेरेमी लालरिनुंगा का नाम भविष्य के एक बड़े सितारे के रूप में देखा जाता है। 2022 में उन्होंने पूरे भारत को एक नई उम्मीद दी थी, लेकिन इंजरी ने उनके करियर को बड़ा नुकसान पहुंचाया है।

जेरेमी लालरिनुंगा का जन्म 26 अक्टूबर 2002 को आइजोल, मिजोरम में हुआ था। उनके पिता एक जाने-माने बॉक्सर थे, लेकिन कमजोर आर्थिक स्थिति की वजह से वह इस क्षेत्र में आगे नहीं बढ़ सके। जेरेमी भी बॉक्सिंग के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते थे, लेकिन अपने दोस्तों को वेटलिफ्टिंग का अभ्यास करते देख, उन्हें इस खेल में रुचि जगी और फिर इसी क्षेत्र में आगे बढ़ने का निर्णय उन्होंने लिया। इसमें उन्हें अपने पिता का पूरा सहयोग मिला। जेरेमी ने आर्मी स्पोर्ट्स के सेलेक्शन ट्रायल में हिस्सा लिया, जिसमें सफल रहे। इसके बाद वह ट्रेनिंग के लिए पुणे शिफ्ट हो गए।



जेरेमी ने 13 साल की उम्र में जूनियर वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2016 के 56 किलोग्राम भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीतकर सुर्खियां बटोरीं। इसके बाद एशियन जूनियर चैंपियनशिप में सिल्वर जीतकर उन्होंने नेशनल कैंप में जगह बनाई। अगले साल जेरेमी ने कॉमनवेल्थ यूथ और जूनियर चैंपियनशिप में गोल्ड जीता। 2018 में उन्होंने ब्यूनस आयर्स के यूथ ओलंपिक में गोल्ड अपने नाम किया। वह यूथ ओलंपिक में गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय वेटलिफ्टर बने।

कोरोना काल में जेरेमी को मुश्किल परिस्थितियों से गुजरना पड़ा। साल 2021 में उन्हें अपने घुटने के पिछले हिस्से से गांठ को हटाने के लिए सर्जरी करवानी पड़ी। दिसंबर 2021 में उन्होंने कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में गोल्ड जीतकर शानदार कमबैक किया। फरवरी 2022 में ट्रेनिंग सेशन के दौरान जेरेमी की रीढ़ की हड्डी में इंजरी आ गई। इसके बावजूद उन्होंने बर्मिंघम में 2022 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए क्वालीफाई किया और मात्र 19 साल की उम्र में गोल्ड जीता। जेरेमी ने 67 किग्रा भारवर्ग में गोल्ड जीता था।

जेरेमी लालरिनुंगा ने 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में महज 19 साल की उम्र में गोल्ड जीता था। इस सफलता के बाद उनकी लोकप्रियता पूरी दुनिया में फैल गई। उन्हें वेटलिफ्टिंग की दुनिया का अगला बड़ा सितारा माना जाने लगा। देश को भी उनसे ओलंपिक जैसे बड़े इवेंट में पदक की उम्मीद बढ़ी, लेकिन जेरेमी के लिए पिछले कुछ साल बेहद मुश्किल और निराशाजनक रहे हैं। इंजरी ने उनके करियर को बुरी तरह प्रभावित किया है। इंजरी ने उनके करियर को आगे बढ़ने से रोक दिया है।

वह पूर्व में भी कई बार इंजरी को मात देकर जोरदार वापसी कर चुके हैं। 24 साल के होने जा रहे इस युवा वेटलिफ्टर से देश को एक बार फिर से जोरदार वापसी की उम्मीद है।

जीत आसान नहीं होगी, हम कोशिश करेंगे: किमी एंटोनेली



विश्व केसरी ■

ऑस्टिन। मर्सिडीज के ड्राइवर किमी एंटोनेली ने कहा कि ऑस्टिन में क्वालीफाइंग में सरप्राइज पोल जीतने के बाद रविवार को यूनाइटेड स्टेट्स ग्रैंड प्रिक्स में उन्हें रेड बुल से चुनौती मिलेगी।

एंटोनेली ने रेड बुल के मैक्स वर्स्टैपेन को 0.179 सेकंड से हराकर क्यू3 टाइमशीट में टॉप किया। उनके पास ऑस्टिन में सबसे कम उम्र के एफ1 चैंपियन बनकर इतिहास रचने का मौका है, और उन्हें न सिर्फ अपनी जीत चाहिए, बल्कि कुछ नतीजे भी अपने पक्ष में करने होंगे।

ऑस्टिन में रेड बुल और फेरारी के चुनौती देने के साथ, एंटोनेली के लिए रेस जीतना भी आसान नहीं है, क्योंकि वर्स्टैपेन और उनके टीममेट इसाक हडजर टाइटल लीडर के बाद शुरू करते हैं। क्वालीफाइंग से खुश एंटोनेली ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं। यह एक अच्छा क्वालीफाइंग था। क्लीन रन ने मोमेंटम बनाने में मदद की। हमने कोई गलती नहीं की, और मैं इससे बहुत खुश हूं। मुझे कार में अच्छा लगा, खासकर क्यू3 में। हवा के साथ यह मुश्किल था क्योंकि हर कोने पर संतुलन काफी बदल रहा था, लेकिन आखिरी लैप अच्छा लग रहा था। मैंने थोड़ा जोर लगाया और बस हार गया, जो शर्म की बात थी। मैं परिणाम से बहुत खुश हूं और कल का इंतजार कर रहा हूं।

'भगवान के पास हर चीज के लिए हमेशा एक सही समय होता है', दूसरे टी20 में दमदार प्रदर्शन पर बोले तिलक-नीतीश

विश्व केसरी ■

क्राइस्टचर्च। भारतीय टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा और नीतीश कुमार रेड्डी ने क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली शानदार जीत पर चर्चा की। दोनों ने एक-दूसरे के प्रदर्शन की तारीफ की और इस जीत के महत्व को रेखांकित किया।

हैदराबाद के ये दोनों खिलाड़ी हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ हैदराबाद में खेले गए उस टी20 इंटरनेशनल मैच का हिस्सा थे, जिसमें टीम को हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच में 248 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वे चमत्कारिक जीत नहीं दिला सके थे, लेकिन शनिवार को कीवी टीम के खिलाफ चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की।



तिलक ने 26 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाए, जबकि नीतीश ने 13 गेंदों पर नाबाद 26 रनों का योगदान दिया। इससे पहले, लक्ष्य का पीछा करते हुए नमन धीर ने 17 गेंदों पर 31 रन बनाकर टीम के लिए उम्मीद जगाई। तिलक और नीतीश ने हैदराबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली हार का जिक्र किया, लेकिन साथ ही कहा कि 'भगवान के पास हर चीज के लिए हमेशा एक सही समय होता है।' क्राइस्टचर्च में उनकी 69 रनों की नाबाद साझेदारी ने भारतीय टीम को 181 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक यादगार जीत दिलाने में मदद की।

बीसीसीआई द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में जीत के बाद नीतीश ने बातचीत की शुरुआत करते हुए कहा, 'दोस्तों, आज मेरे साथ 'प्लेयर ऑफ द मैच' हैं।' इस पर तिलक ने तुरंत जवाब दिया, 'और आज मेरे पास 'गेम चेंजर ऑफ द मैच' है।' दोनों ने अपनी उस साझेदारी के बारे में बात की, जो मैच जिताने वाली साबित हुई। नीतीश ने पूछा, 'तिलक, बताओ, मैदान पर हमारी साझेदारी के दौरान तुम्हें कैसा लगा? मुझे तो यह बहुत ही शानदार लगा।'

तिलक ने कहा, 'मुझे भी बहुत अच्छा लगा। हैदराबाद में भी हम दोनों यही सोच रहे थे कि अगर हम दोनों तेलुगु खिलाड़ी मैदान पर टिके रहें, तो शायद मैच जीत सकते हैं। हालांकि, जैसा कि मैं हमेशा कहता हूं, ईश्वर के पास हमारे लिए हमेशा सही समय होता है। हमें बस अपनी प्रक्रिया का पालन करते रहना है और कड़ी मेहनत करनी है। सही चीजें सही समय पर अपने आप हो जाएंगी।'

दूसरा टी20 मैच उसी पिच पर खेला गया जिस पर पहला मुकाबला हुआ था। पिच काफी टूटी दिख रही थी, जिससे गेंद ग्रिप हो रही थी और बल्लेबाजों के लिए अपने शॉट्स खेलना मुश्किल हो रहा था। इसके अलावा, मैदान की बाउंड्री भी काफी बड़ी थीं, जिससे छक्के लगाना मुश्किल हो गया था।

तिलक ने कहा, 'मुश्किल हालात और बड़े मैदान की वजह से, मुझे लगता है कि आज विकेट काफी चुनौतीपूर्ण था। मैदान बड़ा था और पिच थोड़ी धीमी थी।

बुंडेसलीगा: आखिरी मिनट में बेयर के किए गए गोल से डॉर्टमुंड ने फ्रैंकफर्ट को हराया

विश्व केसरी ■

बर्लिन। सब्स्टीट्यूट मैक्सिमिलियन बेयर के आखिरी मिनट में किए गए गोल की मदद से बोरुसिया डॉर्टमुंड ने आइंट्राख्ट फ्रैंकफर्ट को 1-0 से हराकर अगले सप्ताह डिफेंडिंग चैंपियन बायर्न म्यूनिख के साथ होने वाले मुकाबले से पहले बुंडेसलीगा में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।

डॉर्टमुंड ने सिग्नल इडुना पार्क में शानदार शुरुआत की, जिसमें सेरहो गुइरासी ने दो बार बढ़त बनाने की कोशिश की। फ्रैंकफर्ट के गोलकीपर नोआ अतुबोलू ने 15वें मिनट में एक तेज बचाव करके स्ट्राइकर को रोका और कुछ देर बाद लॉब की कोशिश को नाकाम कर दिया।

विजिटर्स ने धीरे-धीरे मुकाबले में वापसी की और अपने लिए मौके बनाने शुरू कर दिए। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, जोनाथन बर्कार्ड्ट ने गोल करने की कोशिश की, लेकिन फेलिक्स नेमेचा की गलती के बाद यूनेस एबनौतालिब ने गोल करने की कोशिश की, लेकिन ग्रेगर कोबेल ने उन्हें रोक दिया।



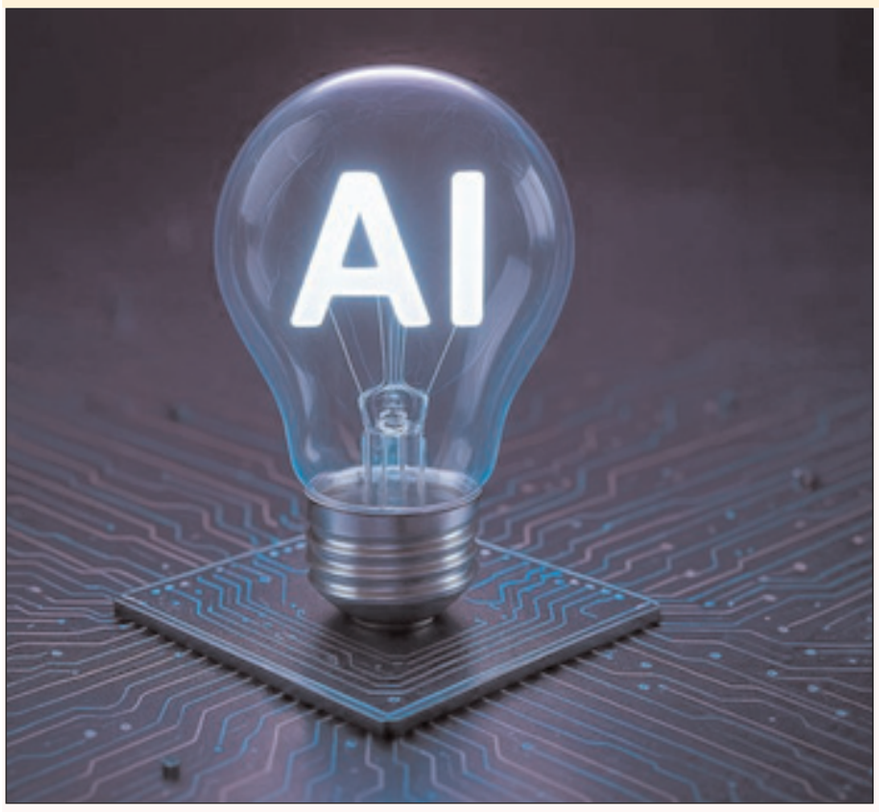
हाफटाइम से पहले डॉर्टमुंड गोल करने के सबसे करीब तब पहुंचा जब 31वें मिनट में फ्रैंकफर्ट के डिफेंडर ननामदी कॉलिन्स से डिफ्लेक्ट होने के बाद डेनियल स्वेन्सन का शॉट क्रॉसबार से टकराया।

53वें मिनट में गुइरासी ने पास से क्रॉसबार पर हेडर मारा। बढ़ते दबाव के बावजूद, मेजबान टीम अपने दबाव को गोल में बदलने के लिए संघर्ष करती रही, गुइरासी और सब्स्टीट्यूट एथन नवानेरी गोल नहीं कर पाए।

निको कोवाक के सब्स्टीट्यूट आखिरकार अहम साबित हुए। 80वें मिनट में, जोबे बेलिंगहैम ने पेनल्टी एरिया के किनारे के पास साथी सब्स्टीट्यूट बेयर को चुना और फॉरवर्ड ने एक जोरदार शॉट टॉप-राइट कॉर्नर में मारा। फ्रैंकफर्ट जवाब देने में नाकाम रहा, क्योंकि डॉर्टमुंड ने अपनी छोटी बढ़त बचा ली।

कोवाक ने कहा, 'आज हमें फ्रैंकफर्ट की बहुत अच्छी टीम के खिलाफ बहुत मेहनत करनी पड़ी। दूसरे हाफ में, हम दबाव बढ़ाने में कामयाब रहे, कुछ भी नहीं दिया और आखिर में जीत के हकदार थे।

एआई वैश्विक अर्थव्यवस्था में सालाना 2.5 ट्रिलियन डॉलर का दे सकता है योगदान : रिपोर्ट



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मौजूदा कार्य प्रक्रियाओं को स्वचालित और अधिक प्रभावी बनाकर दुनियाभर में सालाना 2.52 ट्रिलियन डॉलर का आर्थिक मूल्य पैदा कर सकता है। हालांकि, एआई के इस्तेमाल की बढ़ती लागत इन लाभों को काफी हद तक कम कर सकती है। कंसल्टिंग कंपनी मैकिन्से की एक नई रिपोर्ट में यह बात कही।

'द एआई वैल्यू कवः द इकोनॉमिक्स ऑफ अप्लाइंग एआई टू एग्जिस्टिंग वर्क' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में एआई तकनीकों को तेजी से अपनाने और संगठनों द्वारा वास्तव में हासिल किए जा रहे आर्थिक लाभों के बीच बढ़ते अंतर को उजागर किया गया है।

अध्ययन के अनुसार, कई कंपनियां यह पर्याप्त रूप से आकलन किए बिना एआई लागू करने को प्राथमिकता दे रही हैं कि इस तकनीक से निवेश पर पर्याप्त रिटर्न मिल रहा है या नहीं।

मैकिन्से का अनुमान है कि एआई को लागू करने की प्रभावी लागत में 30 प्रतिशत की वृद्धि होने से सालाना आर्थिक मूल्य में 850 अरब डॉलर तक की कमी आ सकती है। ऐसी स्थिति में, इस तकनीक का अनुमानित वैश्विक आर्थिक प्रभाव घटकर सालाना 2.52 ट्रिलियन डॉलर से 1.67 ट्रिलियन डॉलर रह जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में भी यदि लागत इसी अनुपात में बढ़ती है, तो एआई से पैदा होने वाला सालाना आर्थिक मूल्य 960 बिलियन डॉलर से घटकर 640 बिलियन डॉलर रह सकता है। मैकिन्से ने स्पष्ट किया कि ये आंकड़े भविष्य के परिणामों का पूर्वानुमान नहीं, बल्कि एक मॉडल पर आधारित संभावित परिदृश्य हैं।

यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है, जब कंपनियां एआई इंफ्रास्ट्रक्चर, सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म और ऑटोमेशन तकनीकों पर भारी खर्च कर रही हैं। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2030 तक एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में वैश्विक निवेश लगभग 7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। इस खर्च को उचित ठहराने के लिए सालाना करीब 760 ट्रिलियन डॉलर के मुनाफे की आवश्यकता होगी।

विभिन्न उद्योगों में वित्तीय सेवाओं को एआई अपनाने से सबसे अधिक लाभ मिलने की संभावना है। इस क्षेत्र में सालाना 530 बिलियन डॉलर के आर्थिक लाभ का अनुमान लगाया गया है।

शिक्षा क्षेत्र 410 बिलियन डॉलर के संभावित लाभ के साथ दूसरे स्थान पर है। इसके बाद प्रौद्योगिकी, मीडिया और दूरसंचार क्षेत्र का स्थान है, जहां सालाना 360 बिलियन डॉलर का आर्थिक लाभ होने का अनुमान है। वहीं, एआई आधारित अनुप्रयोगों के जरिए स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र सालाना लगभग 310 बिलियन डॉलर का मूल्य पैदा कर सकता है।

रिपोर्ट में इस धारणा को भी चुनौती दी गई है कि एआई की मुख्य भूमिका कम वेतन वाले कर्मचारियों की जगह लेना है। इसके बजाय, रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई से सबसे आकर्षक आर्थिक अवसर कानून, स्वास्थ्य सेवा, प्रबंधन और कंप्यूटर से जुड़े क्षेत्रों में उच्च कौशल वाले पेशेवरों को सहायता देने में मिल सकते हैं। इन क्षेत्रों में यह तकनीक उत्पादकता बढ़ाने और बेहतर निर्णय लेने में मदद कर सकती है।

सर्दियों में सेहत का रखें खास ख्याल, इन चीजों को बनाएं अपनी डाइट का हिस्सा



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। ठंड के दिनों में गर्मागर्म खाना, चाय और मौसमी चीजें खाने का अपना ही मजा है। हालांकि इस मौसम में सिर्फ स्वाद ही नहीं, बल्कि सेहत का ध्यान रखना भी जरूरी है। सही खानपान न केवल शरीर को पोषण देने में मदद करता है बल्कि ठंड के दिनों में आपको आरामदायक महसूस कराने में भी सहायक हो सकता है। ऐसे में ताजा बना गर्म खाना, स्थानीय अनाज और मौसमी फल-सब्जियों को अपनी डाइट का हिस्सा बनाना अच्छा विकल्प है।

सर्दियों में कोशिश करें कि आप ताजा बना और गर्म भोजन खाएं। इस मौसम में गर्म दाल, सब्जी, सूप, दलिया और खिचड़ी जैसे विकल्प शरीर को पोषण देने के साथ खाने में भी अच्छे लगते हैं। सुबह और शाम के समय गर्म पेय पदार्थ लेना भी आरामदायक महसूस करा सकता है। आप अपनी पसंद के अनुसार गुनगुना पानी, सूप या बिना ज्यादा चीनी वाली गर्म चाय ले सकते हैं। हालांकि, ध्यान रखें कि पेय पदार्थ बहुत ज्यादा गर्म न हों।

सर्दियों में स्थानीय और मौसमी खाद्य पदार्थों को खाने की सलाह दी जाती है। बाजरा, ज्वार, मक्का, जौ और रागी जैसे अनाज डाइट में शामिल किए जा सकते हैं। इनमें फाइबर और दूसरे जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो संतुलित आहार का हिस्सा बन सकते हैं। इनसे बनी रोटी, दलिया और दूसरे व्यंजन खाने में स्वादिष्ट होने के साथ पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराने में भी मदद करते हैं।

इसके अलावा, दूध, हरी पत्तेदार सब्जियां और मौसमी फल भी अपनी डाइट में शामिल करें। संतुलित भोजन से शरीर को जरूरी विटामिन, मिनरल और प्रोटीन मिलते हैं। कोशिश करें कि रोजाना की थाली में अलग-अलग तरह के खाद्य पदार्थ शामिल हों।

सर्दियों में गुड़ और शहद जैसे पारंपरिक खाद्य पदार्थों का इस्तेमाल कई घरों में किया जाता है। गुड़ से बने लड्डू, चिक्की और दूसरे पारंपरिक व्यंजन इस मौसम में खूब पसंद किए जाते हैं। वहीं, कुछ लोग गर्म पेय पदार्थों में शहद का

वीरभद्रासन में न करें ये गलतियां, जान लें करने का सही तरीका

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। योग शरीर को स्वस्थ और मन को शांत रखने का एक अच्छा तरीका है। नियमित रूप से योग करने से शरीर में लचीलापन बढ़ता है, मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर का संतुलन बेहतर होता है। योग के कई आसनों में वीरभद्रासन भी शामिल है। यह आसन पैरों को मजबूती देने, शरीर का संतुलन सुधारने और कंधों को सक्रिय रखने में मदद करता है। हालांकि, इस आसन को करते समय सही मुद्रा का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। छोटी-सी गलती भी घुटनों, कंधों और कमर पर अनावश्यक दबाव डाल सकती है।

वीरभद्रासन करते समय कई लोग अपनी भुजाओं को ढीला छोड़ देते हैं या कंधों को कानों की तरफ उठा लेते हैं। इससे शरीर की मुद्रा बिगड़ सकती है। इस आसन में दोनों भुजाओं को सक्रिय रखते हुए जमीन के समानांतर फैलाना चाहिए। साथ ही, कंधों को कानों से दूर रखना चाहिए।

एक आम गलती आगे वाले घुटने को गलत दिशा में मोड़ना है। कुछ लोग घुटने को टखने से आगे निकाल देते हैं, जबकि कुछ का घुटना अंदर की ओर झुक जाता है। इससे घुटने पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। इसलिए आगे वाले घुटने को टखने के ठीक ऊपर रखें।

इसके अलावा, शरीर के ऊपरी हिस्से को आगे की ओर झुका लेना भी सही नहीं है। कोशिश करें कि धड़ सीधा रहे। इस आसन के दौरान शरीर का पूरा भार केवल आगे या पीछे वाले पैर पर डालना भी एक गलती है। दोनों पैरों को मजबूती से जमीन पर टिकाएं और शरीर का भार संतुलित रखें। पीछे वाले पैर को मैट से उठाने के बजाय उसकी पूरी स्थिति को स्थिर बनाए रखें। वीरभद्रासन करने के लिए सबसे पहले मैट पर सीधे खड़े हो जाएं। दोनों पैरों के बीच उचित दूरी बनाएं और एक पैर को बाहर की ओर मोड़ें। दूसरे पैर को थोड़ा अंदर की ओर रखें। अब दोनों हाथों को कंधों की ऊंचाई पर फैलाएं, ताकि वे जमीन के समानांतर रहें।

इसके बाद आगे वाले घुटने को मोड़ें और ध्यान रखें कि वह टखने के ठीक ऊपर रहे। पीछे वाले पैर को सीधा रखते हुए उसके तलवे और बाहरी किनारे को मैट पर मजबूती से टिकाएं। छाती खुली रखें, कंधों को नीचे रखें और दोनों कूल्हों को समतल बनाए रखने की कोशिश करें। शरीर का भार दोनों पैरों पर संतुलित रखें और सामने की ओर देखें।

इस मुद्रा में अपनी क्षमता के अनुसार कुछ देर रुकें और फिर धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में लौट आएं। इसके बाद दूसरी तरफ से भी यही प्रक्रिया दोहराएं।

मन की बात: पीएम मोदी ने गिनाई ब्रेन रिसर्च में भारत की उपलब्धि, आईआईटी मद्रास के सेंटर का किया जिक्र

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के 139वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विज्ञान, अनुसंधान और मानवता से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर बात की।

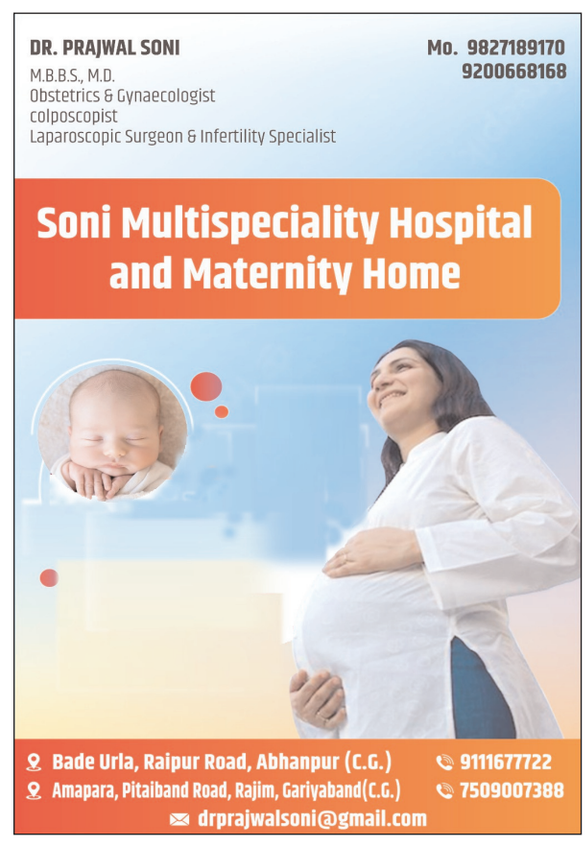
पीएम मोदी ने बताया, 'अक्तूबर की शुरुआत में मैं चेन्नई गया था। वहां मेरी मुलाकात देश के कई वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और युवा प्रतिभाओं से हुई। यह देखकर गर्व होता है कि हमारे युवा आज ऐसे विषयों पर काम कर रहे हैं जो पूरी मानवता के भविष्य को बदलने की क्षमता रखते हैं। प्रधानमंत्री ने ब्रेन रिसर्च के क्षेत्र में भारत की बड़ी उपलब्धि का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने आईआईटी मद्रास में सुधा गोपालकृष्णन ब्रेन सेंटर का लोकार्पण किया था। पीएम मोदी ने कहा, 'इस सेंटर ने एक ऐसा ब्रेन इमेजिंग प्लेटफॉर्म विकसित किया है जो पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल है।

























जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी ने ग्राम पंचायत कोड़ेजुंगा में निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी ने विकासखंड कांकेर के अंतर्गत ग्राम पंचायत कोड़ेजुंगा का दौरा कर ग्रामीण विकास से जुड़े विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वीबी-जी राम जी (विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण) योजना के तहत निर्माणाधीन कृषि तालाब एवं मुक्तिधाम के कार्यों की भौतिक प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।



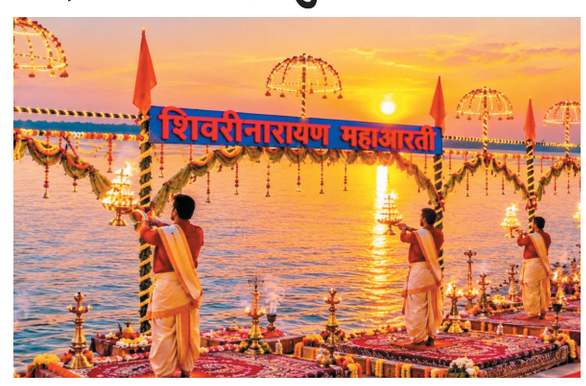
निरीक्षण के दौरान सीईओ मंडावी ने कार्यस्थल पर मौजूद श्रमिकों एवं ग्रामीणों से सीधे संवाद कर मजदूरी भुगतान की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने श्रमिकों से पूछा कि क्या उन्हें कार्य करने के 15 दिनों के भीतर मजदूरी का भुगतान मिल रहा है। इस परिप्रेक्ष्य में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी श्रमिकों को उनकी मजदूरी का भुगतान दीपावली से पहले सुनिश्चित किया जाए, ताकि त्योहार के अवसर पर श्रमिकों को आर्थिक परेशानी का सामना न करना पड़े।

वीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत कांकेर जिले में ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए विभिन्न निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें 455 स्कूल भवन, 115 ग्राम पंचायत भवन, 96 सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) भवन, 279 बालिका शौचालय, 125 आंगनबाड़ी भवन तथा 282 मुक्तिधाम शेड निर्माण के कार्य शामिल हैं। इन कार्यों के पूर्ण होने से ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को और सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी।

धर्मनगरी शिवरीनारायण में प्रतिदिन हो रही है भव्य महानदी महाआरती, हजारों श्रद्धालु हो रहे शामिल

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। छत्तीसगढ़ की पावन धर्मनगरी शिवरीनारायण में महानदी के चौपाटी घाट पर प्रतिदिन संध्या 6:30 बजे भव्य महानदी महाआरती का आयोजन किया जा रहा है। 14 फरवरी 2026 से प्रारंभ हुई इस दिव्य महाआरती में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु शामिल होकर आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति कर रहे हैं।



महानदी के पावन तट पर सैकड़ों दीपों की जगमगाहट, शंखनाद, वैदिक मंत्रोच्चार और भव्य आरती का अलौकिक दृश्य श्रद्धालुओं को बरबस अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। यह आयोजन केवल धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि नदी संरक्षण, स्वच्छता एवं पर्यावरण जागरूकता का सशक्त संदेश भी दे रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित अनेक विशिष्ट अतिथि हुए शामिल

14 अक्टूबर 2026 को आयोजित विशेष महानदी महाआरती में प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, कौशल्या साय, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, वित्त मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री ओ.पी. चौधरी जी एवं दीदी प्रज्ञा भारती जी सहित अनेक विशिष्ट अतिथि शामिल हुए।

वहीं दिनांक 16 अक्टूबर को वृंदावन धाम से पधारे परम पूज्य सद्गुरु रितेश्वर महाराज के पावन सान्निध्य में भी भव्य महाआरती का आयोजन हुआ। इसके अतिरिक्त कलेक्टर, प्रभारी पुलिस अधीक्षक, पुलिस महानिदेशक सहित अनेक गणमान्य अतिथि भी इस महाआरती में सहभागिता कर चुके हैं।

नि:शुल्क महाआरती, स्वच्छता का संकल्प ही शुल्क

महानदी महाआरती की सबसे विशेष बात यह है कि इसमें शामिल होने अथवा मुख्य यजमान बनने के लिए किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता। श्रद्धालुओं से केवल एक ही संकल्प दिलाया जाता है कि वे महानदी सहित किसी भी नदी, तालाब, कुंआ एवं अन्य जलस्त्रोतों में प्लास्टिक, डिस्पोजल, कूड़ा-कचरा न डालें और स्वच्छता बनाए रखें। यही इस महाआरती का शुल्क है। नगर पंचायत अध्यक्ष राहुल थवाईत ने समस्त प्रदेशवासियों से अपील की है कि एक बार धर्मनगरी शिवरीनारायण आकर इस दिव्य और भव्य महानदी महाआरती का दर्शन अवश्य करें।

बकावंड में पीएम आवास योजना को पलीता

विश्व केसरी■

बकावंड (नीरज शर्मा)। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के बकावंड विकासखंड के सैकड़ों हितग्राही परेशान हैं। सत्यापन और जियो टैगिंग कराए एक माह से अधिक समय बीत गया है, लेकिन आज तक एक भी हितग्राही के खाते में किस्त की राशि नहीं पहुंची है। विकासखंड की अधिकांश ग्राम पंचायतों में यही स्थिति है।

हितग्राहियों का कहना है कि आवास मित्र और पंचायत सचिव द्वारा योजना से जुड़ी सभी औपचारिकताएं पूरी करा ली गई हैं, इसके बाद भी जनपद और जिला स्तर से भुगतान अटका हुआ है।ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने उधारी में रेत, गिट्टी, सीमेंट और सरिया लेकर मकान का काम शुरू किया था। समय पर किस्त नहीं मिलने से निर्माण कार्य बीच में ही ठप पड़ गया है। कहीं नींव खोदकर छोड़ी है तो कहीं लिंटर के बाद काम बंद है। दुकानदारों के तकादे और मजदूरों के लौटने से गरीब परिवार और परेशान हो गए हैं। एक हितग्राही ने बताया, 'हम गरीब आदमी हैं, जल्दी घर बनाना चाहते हैं ताकि परिवार को छत मिले, लेकिन किस्त नहीं मिलने से हिम्मत टूट रही है।'

लखेश्वर कश्यप ने उठाया मुद्दा

मामले को लेकर आदिवासी समाज के युवा जिला अध्यक्ष लखेश्वर कश्यप ने कहा कि 'गरीब परिवारों को घर बनाने में बहुत दिक्कत होती है, बिना पैसे के आज के समय में कोई उधारी नहीं देता। प्रशासन से मांग है कि जल्द से जल्द किस्त जारी की जाए ताकि समय पर घर बन सके। पीएम आवास केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, लेकिन बकावंड में भुगतान में देरी से इसकी रफ्तार थम गई है। हितग्राहियों ने कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ से हस्तक्षेप कर के लंबित भुगतान जारी करने की मांग की है।

जंगली जीव समस्या के लिए जंगल सफारी जरूरी

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। सुप्रसिद्ध सामाजिक संस्थान 'जन सहयोग' द्वारा विगत दिवस प्रदेश के वन मंत्री केदार कश्यप को एक ज्ञापन देकर सुझाव दिया है कि जिला उत्तर बस्तर कॉंकेर में वन्य प्राणियों के बढ़ते हमले तथा उनके शहर के मध्य तक कभी भी आ पहुंचने के कारण आम जनता की परेशानी को देखते हुए जिले में कॉंकेर से संलग्न जंगल सफारी की ज़रूरत है। यदि वन विभाग द्वारा राजधानी नवा रायपुर की तर्ज़ पर यहां भी एक जंगल सफारी का निर्माण कर दिया जाता है तो न केवल वन्य प्राणियों की रक्षा हो सकेगी बल्कि हिंसक वन्य प्राणियों से शहर वासियों की भी रक्षा हो सकेगी। साथ ही यह



क्षेत्र पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हो जाएगा। वर्तमान में यह देखा जा रहा है कि जंगल में वन्य प्राणियों के लिए भोजन की कमी हो जाने के कारण वे शहर आकर लोगों के पालतू मवेशियों पर हमला कर उन्हें मार कर खा जाते हैं और कई बार लोगों पर भी हमला करते हैं। इनके पीड़ित लोगों की सूची बहुत लंबी है कई बार वन्य प्राणी स्वयं भी वाहन दुर्घटना का शिकार होकर मृत्यु को प्राप्त होते हैं। इन सब समस्याओं का हल जंगल सफारी की स्थापना में है । यदि वन विभाग इस दिशा में शीघ्र ही ठोस कदम उठाता है तो कॉंकेर वासी एक बहुत बड़ी राहत पा सकेंगे। 'जन सहयोग' के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी द्वारा आज वन मंत्री केदार कश्यपजी को यह सुझाव एक ज्ञापन के रूप में उनके कॉंकेर प्रवास के दौरान पेश किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष महेश जैन, क्षेत्रीय विधायक आशारामजी नेताम, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण नरेटी, अशोक वलेचा ,दिलीपकुमार जायसवाल, वरिष्ठ पत्रकार सीताराम शर्मा ,अनुराग उपाध्याय, अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी के अलावा दिलीप कुमार गंजीर, संजय कुंजाम,एवं अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

पड़रिया त्रिकुटी धाम में 27 अक्टूबर से श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ

विश्व केसरी■



पामगढ़ (नीरज शर्मा)। सिद्ध श्री हनुमान मंदिर त्रिकुटी धाम पड़रिया हड़हा में संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन 27 अक्टूबर मंगलवार से किया गया है। श्रीमद् भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ में कथा व्यास पर पंडित राजेंद्र प्रसाद शर्मा जी ग्राम भैंसों पामगढ़ विराजमान होंगे। कथा का समय प्रतिदिन सुबह 10:00 बजे से 1:00 बजे तक एवं दोपहर 3:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक रखा गया है जिसमें प्रथम दिवस 27 अक्टूबर को कलश यात्रा देव आह्वान स्थापना पुराण पूजन 28 अक्टूबर बुधवार को परीक्षित प्रसंग वराह अवतार 29 अक्टूबर गुरुवार को कपिल अवतार सती प्रसंग ध्रुव चरित्र जड़ भारत कथा प्रसंग 30 अक्टूबर शुक्रवार को अजामिल प्रसंग वृतासूर प्रसंग प्रहलाद चरित्र एवं श्री कृष्ण अवतार 31 अक्टूबर दिन शनिवार को गजगृह प्रसंग समुद्र मंथन श्री राम कथा श्री कृष्ण अवतार कथा 1 नवंबर रविवार को भगवान श्री कृष्ण की बाल लीला कंस वध रुक्मणी विवाह 2 नवंबर दिन सोमवार को श्री कृष्ण के अन्य विवाह का वर्णन राजा नृग की कथा सुदामा चरित्र एवं 3 नवंबर मंगलवार को अवधूत उपख्यान कलयुग वर्णन भगवान का स्वधाम गमन परीक्षित मोक्ष एवं चढ़ोत्तरी का कार्यक्रम रखा गया है।

नगर पंचायत चारामा में व्यवस्था भगवान भरोसे

बस स्टैंड की हाईमास्ट लाइट दिन-रात जलने से बिजली की बर्बादी

विश्व केसरी■

चारामा (संदीप मेश्राम)। नगर पंचायत चारामा की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। नगर के बस स्टैंड में लगी हाईमास्ट लाइट दिन-रात लगातार चालू रहती है। इसके चलते बिजली की बर्बादी हो रही है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी और प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। नगर पंचायत की इस लापरवाही को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर जिम्मेदार अधिकारी इस समस्या पर ध्यान क्यों नहीं दे रहे हैं? सार्वजनिक स्थानों पर बिजली की खपत को नियंत्रित करना और संसाधनों का उचित उपयोग सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। इसके बावजूद बस स्टैंड में हाईमास्ट लाइट का दिन-रात जलते रहना व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है।



स्वदेशी मेले में बिखरी बस्तर के लोकरंग की छटा

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। नगर के लालबाग मैदान पर आयोजित भव्य स्वदेशी मेले के सांस्कृतिक मंच पर बस्तर संस्कृति लोकरंग ग्रुप ने समां बांध दिया। लोक गायक सिद्धार्थ महाजन और उनकी टीम ने बस्तर और छत्तीसगढ़ की कला का अद्भुत संगम पेश किया।

महानवमी के पावन अवसर पर माता के भजनों और मां दंतेश्वरी के गीतों से पूरा पंडाल गूंज उठा। 'जय मां दंतेश्वरी' और 'जय मां दुर्गा' के जयकारों के बीच हजारों दर्शक रात 11 बजे तक डटे रहे। कार्यक्रम में गेड़ी नृत्य, सुआ नृत्य, राउत नाचा और पंथी नृत्य की प्रस्तुति हुई। बस्तर की आस्था के प्रतीक 'आंगा डोली' और दीपावली पर आधारित 'गौरा-गौरी' की परंपरा का भी



मंचन किया गया। मां दुर्गा और मां काली की झांकियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सिद्धार्थ महाजन ने गीतों के माध्यम से दो संदेश दिए- स्वदेशी अपनाओ और बस्तर में शांति-विकास की राह पर आगे बढ़ो। समापन पर स्वदेशी मेले के डायरेक्टर एवं आयोजन समिति ने सिद्धार्थ महाजन और पूरी टीम का सम्मान किया। अंत में सिद्धार्थ ने मंत्री केदार कश्यप, सांसद, महेश कश्यप, विधायक किरण सिंह देव, महापौर संजय पांडे, कमिश्नर, कलेक्टर, एसपी और पुलिस प्रशासन का आभार जताया।

स्कूलों का औचक निरीक्षण, लापरवाह शिक्षकों का वेतन रोकने के निर्देश

विश्व केसरी■

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। जिले में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने और स्कूलों में शिक्षकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी राजेश पाण्डेय ने विकासखंड बीजापुर के अंतर्गत विभिन्न शासकीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई स्कूलों में शिक्षकों की अनुपस्थिति और शैक्षणिक अव्यवस्था सामने आई। इस पर जिला शिक्षा अधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने और आगामी माह का वेतन रोकने के निर्देश दिए। इस दौरान विकासखंड शिक्षा अधिकारी नागेश्वर निषाद भी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला गंगालूर और कन्या आश्रम शाला गंगालूर में शैक्षणिक व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाई गई। दोनों संस्थानों में



केवल तीन शिक्षक उपस्थित मिले, जबकि विद्यार्थियों की उपस्थिति भी काफी कम थी। स्थिति को गंभीरता से लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने अनुपस्थित कर्मचारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

वहीं, प्राथमिक शाला पेद्दापारा में प्रधानपाठक अनुपस्थित पाए गए, जबकि प्राथमिक शाला नैनपाल निरीक्षण के दौरान बंद मिली। इन मामलों पर भी जिला शिक्षा अधिकारी ने नाराजगी जताई और संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विद्यालयों में शिक्षकों एवं कर्मचारियों की अनधिकृत अनुपस्थिति और शासकीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बेहतर व्यवस्था वाले स्कूलों की डीईओ ने की सराहना

निरीक्षण के दौरान प्राथमिक शाला पुसनार और प्राथमिक शाला बद्देपारा, गंगालूर में शिक्षकों की उपस्थिति संतोषजनक पाई गई। इन विद्यालयों में किचन गार्डन की स्थिति अच्छी मिली और विद्यार्थियों के लिए मध्यान्ह भोजन भी तैयार किया जा रहा था। जिला शिक्षा अधिकारी ने इन व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए अन्य विद्यालयों को भी नियमित उपस्थिति, स्वच्छता और बेहतर शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

दीपावली के पहले स्वच्छता अभियान यातायात दुरुस्त की कवायद पूर्ण

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। आगामी दीपावली के पावन पर्व पर यातायात दबाव को कम करने जिले के पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार राखेचा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू एसडीओपी पाटिल के आदेशानुसार कोतवाली प्रभारी जितेंद्र साहू के नेतृत्व में रविवार को कोतवाली थाना परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया स्वच्छता अभियान में कोतवाली थाना परिसर की जमकर साफ सफ़ाई किया गया । आगामी तीज़ त्यौहार को लेकर थाना प्रभारी ने महज कोतवाली परिसर ही6 नहीं बल्कि शहर के सबसे व्यस्तम क्षेत्र पुराना बस स्टैंड में यातायात मार्किंग



लगाकर यातायात को सुनिश्चित करने लोगों से अपील किया गया है। इस सम्पूर्ण कार्यवाही के दौरान थाना कोतवाली के एएसआई हेंड कांस्टेबल सहित महिला आरक्षक शामिल हुए।

तीज त्यौहारों पर खरीददारी करने वालो के लिए मार्किंग लगाई गई है। ताकि यातायात व्यवस्था दुरुस्त किया जा सके।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251